रांची, गुरुवार
17.10.2024
वर्ष : 9, अंक : 313 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

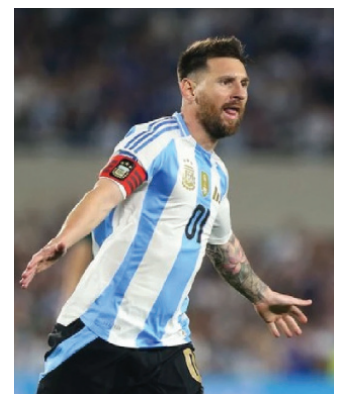

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

आईएएस अलका तिवारी बन सकती हैं झारखंड की मुख्य सचिव

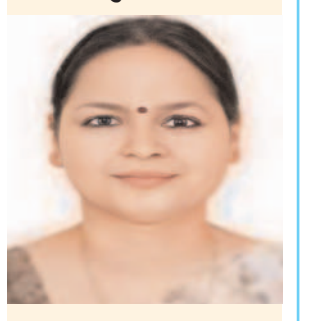

रांची। आईएएस अलका तिवारी को झारखंड का अगला मुख्य सचिव बनाया जा सकता है। केंद्र सरकार ने आईएएस अलका तिवारी को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से उनके मूल कैडर झारखंड में वापस करने का आदेश जारी किया है। सूत्रों का कहना है कि उन्हें मुख्य सचिव के पद पर पदस्थापित किया जा सकता है। अलका तिवारी 1988 बैच की आईएएस हैं। वह झारखंड के कई जिलों में डीसी के पद पर भी काम कर चुकी हैं। वर्तमान में झारखंड में मुख्य सचिव के पद पर आईएएस एल ख्यांगते पदस्थापित हैं। एल ख्यांगते इसी माह 31 अक्टूबर को सेवानिवृत होंगे। झारखंड में अचार संहिता लागू हो गया है। इस कारण मुख्य सचिव के पद पर पदस्थापन का फैसला चुनाव आयोग को ही लेना है।

उमर अब्दुल्ला ने ली जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ, सुरिंदर चौधरी बने उपमुख्यमंत्री

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में उन्हें और उनके चुने हुए सदस्यों को पद की शपथ दिलाई। वरिष्ठ एनसी नेता सुरिंदर चौधरी ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है ।गठबंधन करके चुनाव में उतरी कांग्रेस ने सरकार में न शामिल होने का फैसला लिया है, इसलिए कांग्रेस के किसी भी विधायक को शपथ नहीं दिलाई गई है। केंद्र सरकार की ओर से 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद उमर अब्दुल्ला का मुख्यमंत्री के रूप में पहला कार्यकाल होगा। मुख्यमंत्री के तौर पर उमर अब्दुल्ला के अलावा नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता सकीना इट्टू, जावेद राणा, जावेद अहमद डार और सतीश शर्मा ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। सुरिंदर चौधरी ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

केन्द्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की बढोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 01 जुलाई से अपने कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों की महंगाई राहत (डीआर) में तीन प्रतिशत का इजाफा किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में महंगाई की भरपाई के लिए मूल वेतन या पेंशन की 50 प्रतिशत की मौजूदा दर से तीन प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि को मंजूरी दी गयी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी।

सरकार के अनुसार यह वृद्धि 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित स्वीकृत फॉमूर्ले के अनुसार है। डीए और डीआर के चलते सरकारी खजाने पर प्रति वर्ष 9,448.35 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। इससे करीब

किसानों के कल्याण के लिए हम निरंतर बड़े फैसले लेने में जुटे हैं : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिये गए निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि किसानों के कल्याण के लिए हम निरंतर बड़े फैसले लेने में जुटे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट्स में कहा कि अपने किसान भाई-बहनों के कल्याण के लिए हम निरंतर बड़े फैसले लेने में जुटे हैं। इसी दिशा में आज हमारी सरकार ने 2025-26 के मार्केटिंग सीजन के लिए गेहूं और चना सहित अनिवार्य रबी फसलों की एमएसपी को बढ़ाया है। इससे हमारे अन्नदाताओं का जीवन और आसान होगा।

उन्होंने कहा कि काशीवासियों की सुख-सुविधा के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इसी कड़ी में गंगा पर एक रेल-सड़क पुल को मंजूरी दी गई है। इससे तीर्थयात्रियों, पर्यटकों और यहां के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलने के साथ ही रोजगार और कारोबार के नए-नए अवसर भी बनेंगे।

रबी सीजन के लिए फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रबी विपणन सीजन 2025-26 के लिए सभी अनिवार्य फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने आज एमएसपी में बढ़ोतरी को मंजूरी प्रदान की। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विन वैष्णव ने बताया कि सरकार ने उत्पादकों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए एमएसपी में वृद्धि की है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी रेपसीड और सरसों में 300 रुपये प्रति क्विंटल की गई है।

फैसलों के अनुसार गेहूं पर एमएसपी में 150 रुपये की बढ़ोतरी की गई है और अब पिछले वर्ष के 2,275 रुपये से बढ़कर इस वर्ष 2,425 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। जौ पर एमएसपी में 130 रुपये की बढ़ोतरी की गई है और यह 1850 से बढ़कर 1980 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। चने पर एमएसपी में 210 रुपये की बढ़ोतरी की है और यह 5440 से बढ़कर 5650 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। मसूर की एमएसपी में 275 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। यह 6425 से बढ़कर 6700 रुपये हो गई है। रेपसीड और सरसों की एमएसपी में 140 रुपये की बढ़ोतरी की गई है जो पिछले वर्ष के मुकाबले 5800 से बढ़कर 5940 रुपये हो गई है।

न्याय की देवी का नया स्वरूपः सुप्रीम कोर्ट ने आंखों से हटाई पट्टी

हाथ में तलवार की जगह अब संविधान की किताब

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत की न्याय व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। सुप्रीम कोर्ट ने ब्रिटिश काल के प्रतीक से आगे बढ़ते हुए न्याय की देवी की मूर्ति का नया रूप प्रस्तुत किया है। अब न्याय की देवी की आंखों पर पट्टी नहीं होगी और उनके हाथ में तलवार की जगह संविधान दिखाई देगा। इस बदलाव की पहल देश के प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने की है, जिनका मानना है कि कानून अंधा नहीं होता, बल्कि सभी को समान रूप से देखता है।

न्याय की देवी की नई मूर्ति

न्याय की देवी की यह नई मूर्ति सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट की जजों की लाइब्रेरी में स्थापित की गई है। पहले

जहां उनकी आंखों पर पट्टी बंधी होती थी, अब उनकी आंखें खुली हैं। इसके साथ ही, उनके एक हाथ में जो पहले तलवार हुआ करती थी, उसकी जगह अब संविधान ने ले ली है। दाएं हाथ में तराजू पहले की तरह मौजूद है, जो समानता और निष्पक्षता का प्रतीक है।

सीजेआई चंद्रचूड़ की सोच

सीजेआई चंद्रचूड़ का मानना है कि अब वक्त आ गया है कि हम अंग्रेजी विरासत से आगे बढ़ें। उनके अनुसार, तलवार हिंसा का प्रतीक है, जबकि अदालतें हिंसा से नहीं, बल्कि संविधान के आधार पर न्याय करती हैं। इसलिए उन्होंने मूर्ति में तलवार की जगह संविधान रखने का निर्णय लिया। उन्होंने यह भी कहा कि कानून अंधा नहीं हो सकता। उसे सब कुछ देखना होता है, तभी निष्पक्ष न्याय हो सकता है।

क्यों किया गया बदलाव?

उखकदफ्तर के सूत्रों के मुताबिक, चंद्रचूड़ चाहते थे कि भारत की न्याय प्रणाली अब अंग्रेजों की बनाई परंपराओं से हटकर अपने संविधान और मूल्यों के अनुसार काम करे। इसके पीछे उद्देश्य यह है कि लोगों को यह संदेश दिया जाए कि देश की न्याय व्यवस्था संविधान के अनुसार न्याय करती है, न कि हिंसा के प्रतीक के आधार पर।

न्याय की देवी की पुरानी मूर्ति का इतिहास

न्याय की देवी का इतिहास प्राचीन यूनान से जुड़ा है। यूनान में इन्हें जस्टिया कहा जाता था, और इन्हीं के नाम से 'जस्टिस' शब्द बना। ब्रिटिश काल में 17वीं शताब्दी के दौरान एक अंग्रेज अधिकारी भारत में यह मूर्ति लेकर आए। अंग्रेजों ने इसे अपने न्यायालयों में इस्तेमाल करना शुरू किया और यह मूर्ति भारत के न्यायालयों का भी हिस्सा बन गई। आजादी के बाद भी इस मूर्ति को स्वीकार कर लिया गया, लेकिन अब इसे बदलने का वक्त आ गया है।

नया संदेश

इस बदलाव के साथ सुप्रीम कोर्ट ने यह संदेश दिया है कि भारत की न्यायपालिका अब कानून अंधा है जैसी पुरानी मान्यताओं से आगे बढ़ चुकी है। यह अब संविधान और कानून की स्पष्टता के आधार पर काम करेगी, ताकि सभी को निष्पक्ष और सटीक न्याय मिल सके।

सब्जी मंडी में लगी आग, मची अफरा-तफरी

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के सुखदेव नगर थाना के समीप स्थित सब्जी मंडी में बुधवार की सुबह आग लग गई।। अगलगी की वजह से सब्जी मंडी में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस, दमकल कर्मी और स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, आग सब्जी के बॉक्स और कैरेट में लगी थी, जो धीरे धीरे पूरे मार्केट में फैल गई। आग की लपटें इतनी जल्दी से फैली की सब्जी मंडी के दोनो ही मालों पर आग फैल गई। आग की लपटें काफी तेज होने के कारण नजदीक से कोई पानी भी नही डाल पा रहा था। सुखदेवनगर थाने के द्वारा मामले की जानकारी अग्निशमन विभाग को दी गई जिसके बाद टीम किसी तरह मंडी पहुची और आग पर काबू पाया। सब्जी कारोबारियों का कहना था कि अगलगी की वजह से उन्हें भारी नुकसान हुआ है। किसी का आलू जल गया तो किसी का प्याज। आलू प्याज के साथ-साथ सबसे ज्यादा सब्जी रखने वाले कैरेट जले हैं। सब्जी कारोबारी को लाखों का नुकसान हुआ है। दुकानदारों ने कहा कि आग लगने की सबसे बड़ा कारण यहां नशेड़ियों का जमावड़ा है। आशंका जताई जा रही है कि सब्जी मंडी में नशा करने वाले लोग गांजा पीते हैं। इसी क्रम में माचिस की तिल्ली जहां-तहां फेंकने के क्रम में चिंगारी से आग लग गई हो। कुछ लोगों का कहना है कि शॉर्ट सर्किट से भी आग लग सकती है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। आग को बुझा लिया गया है। पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

विस चुनाव में प्री-पोल ड्यूटी के लिए राज्य को मिली अर्धसैनिक बलों की 100 कंपनी

बिभा संवाददाता

रांची। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर झारखंड को चुनाव आयोग के निर्देश पर 100 कंपनी अर्द्धसैनिक बल प्राप्त हुआ है। इनमें सीआरपीएफ, सीआइएसएफ, बीएसएफ, एसएसबी और आइटीबीपी शामिल हैं। इन बलों को राज्य के सभी 24 जिलों में तैनात किया जाएगा।

प्रत्येक जिले में 3 से 5 कंपनी अर्द्धसैनिक बल तैनात किए जाएंगे। ये बल फ्लैग मार्च, क्षेत्रीय डोमिनेशन, और चेकिंग जैसे कार्यों में लगाए जाएंगे, ताकि आम जनता में सुरक्षा का विश्वास बढ़े और चुनाव के समय व्यवस्था चाक-चौबंद रहे।

झारखंड में 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा जबकि मतगणना 23 नवंबर को होगी। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए झारखंड पुलिस ने चुनाव आयोग से 590 कंपनी अर्द्धसैनिक बल की मांग की है। हालांकि, अभी तक अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है कि झारखंड को कितनी और कंपनी मिलेगी। उल्लेखनीय है कि पिछले लोकसभा चुनाव में झारखंड को 230 कंपनी अर्द्धसैनिक बल मिले थे।

झारखंड पार्टी 20 सीटों पर लड़ेगी चुनाव, पांच उम्मीदवारों की घोषणा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड पार्टी राज्य के 20 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी प्रमुख एनोस एक्का ने बुधवार को पांच सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। रांची के कार्निवाल बैंक्वेट हॉल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मनोहरपुर से महेंद्र जमुदा, सिमडेगा से आयरिन एक्का, चाईबासा से कोलंबस हांसदा, कांके से अनिल कुमार पासवान और कोलेबिरा से संदेश एक्का का उम्मीदवार बनाया गया है।

एनोस एक्का ने कहा कि झारखंड पार्टी जल, जंगल, जमीन के मुद्दों पर ही शुरू से राजनीति करती रही है। उन्होंने बताया कि दो दिनों के बाद बचे हुए सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि झारखंड के हित की बात करने वाले और समान विचारधारा वाले दलों से भी गठबंधन किया जाएगा। जो भी नई सरकार बनेगी, उसमें झारखंड पार्टी की भूमिका अहम होगी। झारखंड पार्टी राज्य में पलायन, पेयजल, रोजगार सहित दूसरे मुद्दों का निदान करेगी।

वहीं दूसरी ओर कार्निवाल बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक स्वर्गीय रमेश सिंह मुंडा के बड़े पुत्र राजकुमार मुंडा ने अपने समर्थकों के साथ झारखंड पार्टी में शामिल हुए।

गांधी से आज भी विश्व के नेताओं व राष्ट्रों को मिलती है प्रेरणाः बिरला

एजेंसी

जेनेवा/नई दिल्ली : 149वीं अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) एसेंबली में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जेनेवा में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि शांति और अहिंसा के प्रतीक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से आज भी विश्व के नेताओं तथा राष्ट्रों को प्रेरणा मिलती है। श्री बिरला ने कहा कि गांधीजी की शिक्षाएं देशकाल की सीमाओं से परे हमें याद दिलाती हैं कि जलवायु परिवर्तन, महिला -पुरुष समानता या संघर्ष जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान एकजुटता, संवेदनशीलता और सहयोग से ही किया जा सकता है।

इस बीच श्री बिरला ने विभिन्न देशों की संसदों के पीठासीन

अधिकारियों के साथ संसदीय रुचि के मुद्दों पर विचार साझा किए।

स्विट्जरलैंड की नेशनल काउंसिल के प्रेसिडेंट एरिक नसबामर के साथ बातचीत करते हुए, श्री बिरला ने इस बात का उल्लेख किया कि पिछले साल भारत और स्विट्जरलैंड के बीच मैत्री संधि के 75 पूरे हुए। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ करने और बहुपक्षीय मंच पर सहयोग बढ़ाए जाने पर जोर दिया। दोनों देशों के बीच संसदीय सहयोग को और मजबूत करने का आग्रह करते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों का एक महत्वपूर्ण आयाम है। उन्होंने भारत और स्विट्जरलैंड की घनिष्ठता को बढ़ाने में स्विस-भारत संसदीय मैत्री समूह की सराहना की ।

थाईलैंड की सीनेट के प्रेसिडेंट मोंगकोल सुरसाज्जा से मुलाकात के दौरान श्री बिरला ने दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश, संपर्क, संस्कृति और पर्यटन, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, तथा लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित कई क्षेत्रों में बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों पर विचार साझा किए।

आर्मीनिया की नेशनल एसेंबली के प्रेसिडेंट एलन सिमोनियन से बातचीत के दौरान श्री बिरला ने भारत और आर्मीनिया के बीच साझा मूल्यों और दोनों देशों के लोगों के बीच गहरी मित्रता की भावना पर आधारित सौहार्दपूर्ण संबंधों के बारे में बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की आबादी युवा है और राजनीतिक स्थिरता होने के कारण यहाँ अपार अवसर हैं , इसलिए दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की साझेदारी को बढ़ाने की संभावनाएँ है। श्री बिरला ने कहा कि दोनों देश व्यापार और निवेश के क्षेत्रों में साझेदारी को बढ़ावा देकर भारत के बदलते आर्थिक परिदृश्य से लाभान्वित हो सकते हैं।

मालदीव की पीपुल्स मजलिस के स्पीकर अब्दुल रहीम अब्दुल्ला से मुलाकात के दौरान श्री बिरला ने कहा कि भारत और मालदीव के बीच ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ संबंध रहे हैं, जो दोनों देशों के नागरिकों के कल्याण में सहायक रहे हैं । लोक सभा अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया कि सर्वोत्तम संसदीय प्रथाओं को साझा करने से लोकतांत्रिक प्रणालियों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने लोक सभा सचिवालय के प्राइड संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मालदीव की भागीदारी बढ़ाने की बात करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों में लोकतांत्रिक सिद्धांतों को और बढ़ावा देने में मदद मिलेगी । लोक सभा अध्यक्ष ने नेपाल की राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष नारायण प्रसाद दहल से भी मुलाकात की। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत और नेपाल न केवल पड़ोसी देश हैं, बल्कि साझा इतिहास और संस्कृति के संरक्षक भी हैं, लोक सभा अध्यक्ष ने दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे भावनात्मक जुड़ाव का उल्लेख किया जिसके कारण दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत हुए हैं। उन्होंने दोनों संसदों के बीच परस्पर लाभकारी संवाद की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सांसदों के बीच उद्देश्यपूर्ण संवाद से दोनों देशों के घनिष्ठ संबंध और मजबूत होने के साथ ही लोकतांत्रिक मूल्य और सुदृढ़ होंगे।

राज्य में बदला मौसम का मिजाज, आज हो सकती है गरज के साथ बारिश

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में मौसम का मिजाज बुधवार को बदला। आकाश में काले बादल छा गए और देखते ही देखते झमाझम बारिश होने लगी। बादल भी गरजने लगे। मौसम विभाग ने पूवार्नुमान में बताया कि राज्य के नौ जिलों में मौसम का मिजाज बदल सकता है। गरज के साथ बारिश हो सकती है। जिन जिलों के लिए पूवार्नुमान जारी किया है, उनमें रांची, खूंटी, लोहरदगा, रामगढ़, धनबाद, गुमला, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला खरसावां जिले शामिल हैं।

मौसम केंद्र ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में डिप्रेशन की वजह से मौसम ने करवट ली है। इस कारण बादल छाए हुए हैं और बारिश भी हो रही है। इसका येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, 17 और 18 अक्टूबर को राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश और वज्रपात की संभावना है। रांची सहित देवघर, धनबाद, गोड्डा, दुमका, गिरिडीह, जामताड़ा, पाकुड़ साहेबगंज, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सिमडेगा में 17 अक्टूबर को हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है जबकि 18 अक्टूबर को भी बारिश की संभावना है। इसके बाद 19 अक्टूबर से मौसम साफ हो जाएगा।

इसके साथ न्यूनतम तापमान में गिरावट आयेगी। इस गिरावट की वजह से सुबह और शाम ठंड महसूस होने लगेगी। बुधवार को देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड् व साहिबगंज में अधिकतम 33 और न्यूनतम 24 डिग्री, कोडरमा, चतरा, गढ़वा, लातेहार, लोहरदगा, पलामू में अधिकतम 33 डिग्री व न्यूनतम 23 डिग्री रहा। वहीं रांची, हजारीबाग, खूंटी, गुमला में अधिकतम 31 और न्यूनतम 21 डिग्री दर्ज किया गया।

विधानसभा चुनाव के लिए रामगढ़ में एसएसटी और एफएसटी का गठन

बिभा संवाददाता

रामगढ़: भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन 2024 की अधिसूचना जारी किए जाने के उपरांत बुधवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभा कक्ष में चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के उद्देश्य से स्थैतिक निगरानी दल एवं उड़न दस्ता दल में प्रतिनियुक्ति पदाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियो का जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान सभी को जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन 2024 की अधिसूचना जारी किए जाने के उपरांत से आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। चुनाव को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु जिले के 7 चेक नाका स्थलों पर स्थैतिक निगरानी दल एवं 6 उड़न दस्ता दल का गठन किया गया है। जो जिले में आने जाने वाले वाहनों पर निगरानी रखेगी।इस दौरान किए जाने वाले सभी कार्यों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई साथ ही उपस्थित सभी स्थैतिक निगरानी दल एवं उड़न दस्ता दल के प्रतिनियुक्ति प्रभारी पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारियों की कठिनाइयों को भी दूर किया गया।

बैठक के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता ने ईएसएमएस ऐप एवं सी विजिल ऐप की कार्यों को भी विस्तार पूर्वक सभी प्रतिनियुक्ति पदाधिकारियों को जानकारी दी गई।

बैठक में मुख्य रूप से निवार्ची पदाधिकारी 23 रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र सह अनुमंडल पदाधिकारी, निवार्ची पदाधिकारी 22 बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र सह भूमि सुधार उप समाहर्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने पंडरा स्थित मतगणना स्थल का किया निरीक्षण, दिये कई निर्देश

रांची। रांची के उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी वरुण रंजन ने बुधवार को आगामी विधान सभा चुनाव को लेकर पंडरा स्थित मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिये। उपायुक्त ने वोटिंग काउंटिंग सेंटर पंडरा रांची एवं पंडरा स्थित वज्रगृह के पुरे परिसर का अवलोकन करते हुए यहां के तमाम व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सभी व्यवस्था को दुरस्त करने का निर्देश सम्बंधित अधिकारी को दिया । उपायुक्त ने निरीक्षण के क्रम में स्ट्रांग रूम में इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (इवीएम) के रख-रखाव की व्यवस्था, काउंटिंग कक्ष, पोलिंग पार्टी रूट, पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

संक्षिप्त खबरें

विधानसभा चुनाव को लेकर प्रखंड के पदाधिकारियों ने बंगाल बॉडर में किया वाहन चेकिंग

सोनाहातू(बिभा)। विधानसभा चुनाव को लेकर प्रखंड के अधिकारियों ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया है। प्रखंड के बंगाल बॉडर और सिल्ली - जमशेदपुर सड़क पर बुधवार को दिन भर वाहन चेकिंग किया। चार पहिया वाहनों के डिक्की आदि की जांच किया गया। दो पहिया वाहनों के चालकों के बैग आदि की जांच किया गया। इस दौरान बॉडर में लगा चेक पोस्ट का निरीक्षण किया गया और आवश्यक निर्देश दिये गए।अभियान में सोनाहातू बीडीओ खगेश कुमार, सीओ मनोज महथा,थाना प्रभारी चंदन कुमार, पुलिस कर्मी आदि मौजूद थे।

सौण्डिक समाज की बैठक की संपन्न

रांची(बिभा) : बुधवार को सौण्डिक समाज का बैठक अर्पण पैलेस में जिला सचिव अमित रंजन की अध्यक्षता में संपन्न हुई । जिसमें अध्यक्ष द्वारा समाज के सभी व्यक्तियों का स्वागत किया गया एवं निम्नांकित बिंदुओं पर चर्चा किया गया। जिसमें सिमडेगा जिला के बीरगढ़ में आयोजित 16 जनवरी 2024 दिन मंगलवार को हुए सम्मेलन का आय - व्यय का कोषाध्यक्ष कुलदीप प्रसाद के द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें बचत 7835 रुपया बताया गया। 5 जनवरी 2025 को प्रस्तावित सौण्डिक सम्मेलन की स्थल चयन को लेकर विचार विमर्श किया गया जिसमें सिमडेगा स्थित टाउन हॉल का चयन किया गया। तीसरा बैठक में निर्णय 5 जनवरी 2025 को प्रस्तावित संबंधित हेतु विभिन्न जिलों के प्रतिनिधित्व प्रतिनिधियों को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया चौथा जिला सम्मेलन हेतु सभी से 1100 जमा लेने का निर्णय लिया गया बैठक में विकास कुमार साहू और चंद्रमोहन बैठ को जिला मीडिया प्रभारी बनाया गया। इस सम्मेलन हेतु 17 नवंबर 2024 दिन रविवार को रखा गया। धन्यवाद ज्ञापन जिलाअध्यक्ष अरविंद कुमार ने किया।

गया लोकमान्य तिलक ट्रेन में रांची के यात्रियों को जनरल वेटिंग लिस्ट में शामिल करे : अरूण जोशी

रांची(बिभा) : नई शुरू हुई ट्रेन संख्या 22358 गया लोकमान्य तिलक टर्मिनल ट्रेन में रांची के यात्रियों के लिए नाम मात्र की सीट का कोटा है. जबकि ट्रेन संख्या 18609 रांची लोकमान्य तिलक टर्मिनस में कोडरमा, गया, दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन तक जनरल वेटिंग लिस्ट में शामिल होने के कारण वहां के यात्रियों को भी रांची के बराबर सीट का कोटा है। जेडआरयूसीसी के पूर्व सदस्य अरुण जोशी ने इसपर चिंता जताते हुए रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और झारखण्ड के सभी राज्यसभा सांसदगणों से यह मांग की कि ट्रेन संख्या 22358 गया लोकमान्य तिलक ट्रेन में रांची के यात्रियों को जनरल वेटिंग लिस्ट में शामिल किया जाए।

सीसीएल में एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन

रांची(बिभा) : सीसीएल के मानव संसाधन विकास विभाग ने साइबर सुरक्षा पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन पंकज कुमार, सीवीओ, सीसीएल, ए.के. सिंह, महाप्रबंधक (सतर्कता), और सुरेश बेहरा, महाप्रबंधक (सिस्टम) की उपस्थिति में किया गया। सीवीओ पंकज कुमार एवं सुरेश बेहरा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए साइबर सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए एक उत्पादक और इंटरैक्टिव सत्र की शुभकामनाएँ दीं। सत्र में डिजिटल साक्षरता जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई जिसमें यह समझाया गया कि हम ऑनलाइन कितने सुरक्षित हैं, विभिन्न इंटरनेट साइटों पर नेविगेट करते समय क्या करें और क्या न करें, साइबर सुरक्षा के स्तंभ (गोपनीयता, अखंडता और उपलब्धता), और एक मजबूत साइबर को बढ़ावा देने के महत्व पर सुरक्षा संस्कृति का निर्माण कैसे करें। यह कार्यक्रम अत्यधिक लाभकारी साबित हुआ, जो पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों तरह से मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करने के साथ-साथ प्रतिभागियों को खुद को और अपने संगठनों को साइबर खतरों से बचाने के लिए आवश्यक ज्ञान से लैस किया। ज्ञात हो कि यह क्षमता निर्माण कार्यक्रम सीसीएल में चल रहे सतर्कता जागरूकता अभियान 2024 के अंतर्गत आयोजित किया गया था ।सीसीएल द्वारा इस अभियान के तहत मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

गया-लोकमान्य तिलक टर्मिनस -गया एक्सप्रेस (वाया-रांची) का होगा परिचालन

रांची (बिभा): रेल मंत्रालय द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए यह सुनिश्चित किया गया है कि ट्रेन संख्या 22358/22357 गया - लोकमान्य तिलक टर्मिनस - गया एक्सप्रेस (वाया - रांची) का परिचालन किया जायेगा। ट्रेन संख्या 22358 गया - लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस (वाया - रांची) यात्रा प्रारंभ दिनांक 23/10/2024 से प्रत्येक बुधवार को गया से प्रस्थान करेगी। इस ट्रेन का गया प्रस्थान (बुधवार) 19:00 बजे, मेसरा आगमन 23:34 बजे प्रस्थान 23:36 बजे, रांची आगमन 00:05 बजे प्रस्थान 00:10 बजे, हटिया आगमन 00:25 बजे प्रस्थान 00:30 बजे एवं लोकमान्य तिलक टर्मिनस आगमन (शुक्रवार) 05:50 बजे होगा। ट्रेन संख्या 22357 लोकमान्य तिलक टर्मिनस - गया एक्सप्रेस (वाया - रांची) यात्रा प्रारंभ दिनांक 25/10/2024 से प्रत्येक शुक्रवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से प्रस्थान करेगी। इस ट्रेन का लोकमान्य तिलक टर्मिनस प्रस्थान (शुक्रवार) 13:15 बजे, हटिया आगमन (शनिवार) 15:50 बजे प्रस्थान 15:55 बजे, रांची आगमन (शनिवार) 16:20 बजे प्रस्थान 16:25 बजे, मेसरा आगमन (शनिवार) 17:08 बजे प्रस्थान 17:10 बजे एवं गया आगमन (शनिवार) 22:50 बजे होगा।

दीपावली एवं छठ महापर्व को लेकर उप प्रशासक ने पदाधिकारियों एवं कर्मियों संग की बैठक

बिभा संवाददाता

रांची : आगामी दीपावली एवं छठ महापर्व को देखते हुए उप प्रशासक श्री गौतम प्रसाद साहू की अध्यक्षता में स्वच्छता शाखा के पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ एक बैठक आहूत की गई। बैठक में उन्होंने कहा कि जिस मुस्तैदी के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान कार्य किए गए, उसी प्रकार दिवाली तथा छठ महापर्व के दौरान कार्य करना सुनिश्चित करे। दीपावली में हर घर में साफ-सफाई होती है, और यह निगम की ज़िम्मेदारी है कि त्योहारों के दौरान एक स्वच्छ और सुंदर वातावरण नागरिकों को प्रदान करे, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि सभी टीम समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करे। इसके मद्देनजर सभी वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाए।

उन्होंने निदेश दिया कि निगम क्षेत्रांतर्गत जितने भी जलाशय, छठ घाट के लिए चिन्हित किए गए हैं, सभी जलाशयों को छठ पर्व से पूर्व बेहतर तरीके से साफ-सफाई सुनिश्चित करे। रांची नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत कुल 72 छठ घाट चिन्हित किए गए है, सभी घाटों तथा उनके संपर्क पथों पर प्रतिदिन सुचारू रूप से झाड़ू, कूड़े का उठाव, झाड़ियों की कटाई इत्यादि कार्य सुनिश्चित करें। इसके साथ ही बड़े घाटों में वीड हार्वेस्टिंग मशीन का उपयोग आवश्यकतानुसा करे। इसके अलावा उन्होंने निगम के फॉगिंग से संबंधित टीम को शहर के सभी 53 वार्डों में नियमित फॉगिंग व एंटी लार्वा दवा का छिड़काव करने का निर्देश दिया।

आगामी विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर बैठक में उनके द्वारा सभी वार्ड सुपरवाइजर को स्वीप से संबंधित बैनर/पोस्टर विभिन्न क्षेत्रों में अधिष्ठापित करने तथा मतदान के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने का भी निर्देश दिया।

उन्होंने बताया कि 18 तथा 19 अक्टूबर, 2024 को जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में आर्ट-81 महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कला के माध्यम से मतदाताओं को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इस कार्यक्रम में लाइव पेंटिंग, स्टेज परफॉरमेंस, फूड कोर्ट, क्विज इत्यादि का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने सभी सुपरवाइजर को उक्त कार्यक्रम से संबंधित वृहद प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, जिसमें आम नागरिक भी अपनी चुनाव-थीम वाली पेंटिंग, नारे, कविता या चित्रकारी साझा कर सकेंगे।

मौके पर सहायक प्रशासक श्रीमती निहारिका तिर्की, श्री निकेश कुमार, श्री गोपेश कुंभकार, नगर प्रबंधक, जोनल सुपरवाइजर, वॉर्ड सुपरवाइजर एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

आर्थिक गतिविधियां प्रभावित न हों, इसके लिए कैश सीजर मामलों में व्यापारियों को राहत दिया जाय: चैंबर

बिभा संवाददाता

रांची : चुनावी आचार संहिता प्रभावी होने के कारण इस दौरान आर्थिक गतिविधियां प्रभावित न हों, इस मुद्दे पर आज चैम्बर भवन में पदाधिकारियों की एक बैठक संपन्न हुई। इस बात पर चिंता जताई गई कि चुनावी मौसम के बीच त्यौहार का समय भी नजदीक है। प्रदेश के कई जिलों से व्यापारी राजधानी रांची खरीदारी करने के लिए आवागमन करते हैं। आचार संहिता के कारण कई बार व्यापारियों की कॅश जब्ती कर ली जाती है जिससे अनावश्यक कठिनाई होती है। यह कहा गया चुनाव के दौरान होनेवाली परेशानी को देखते हुए माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय द्वारा पूर्व में कुछ जरूरी दिशा-निर्देश जारी किये गये थे, जिस आलोक में झारखण्ड चैंबर कैश सीजर मामलों में व्यापारी वर्ग को रियायत देने की मांग राज्य निर्वाचन आयोग से करता है और आग्रह करता है कि कैश की बरामदगी होने पर उचित दस्तावेज प्रस्तुत किये जाने पर संबंधित लोगों की रकम वापस लौटा दी जाय। चचाओं के क्रम में सदस्यों ने कहा कि दस्तावेज के साथ 5 लाख रू0 तक आपसी लेन-देन करनेवाले व्यापारियों को छूट दी जानी चाहिए।

चैम्बर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय के निदेर्शानुसार कैश सीजर मामले में वीडियोग्राफी भी कराये जाने का प्रावधान है। आयोग द्वारा इसका अनुपालन भी अवश्य किया जाना चाहिए। फिलहाल दिवाली, छठ पूजा के साथ ही शादी-विवाह का सीजन भी है जिससे लोग पूरे राज्य से अपने जरूरत के सामान की खरीदारी करने के लिए निकलते हैं, ऐसे में आवश्यक है कि उचित दस्तावेज प्रस्तुत करने पर लोगों को रियायत दी जाय। चुनाव के कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित न हों, इस हेतु निर्वाचन आयोग को इस मामले में उचित कार्रवाई करनी चाहिए। बैठक में चैम्बर अध्यक्ष परेश गट्टानी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव विकास विजयवर्गीय, नवजोत अलग, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल और कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण लोहिया उपस्थित थे।

शरद पूर्णिमा की रात को चंद्रमा 16 कलाओं से परिपूर्ण होकर अमृत की करता है बरसात: संजय सर्राफ

बिभा संवाददाता

रांची : विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग एवं राष्ट्रीय सनातन एकता मंच के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि आश्विन माह के शुक्लपक्ष की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा कहा जाता है। शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात चन्द्रमा 16 कलाओं से परिपूर्ण होकर अमृत की बरसात करता है। इसलिए इस रात में खीर को खुले आसमान में रखा जाता है और सुबह उसे प्रसाद मानकर खाया जाता है। दिलचस्प बात है कि शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा पृथ्वी के सबसे पास होता है। इस रात को कोजागिरी भी कहते हैं , खुले आसमान तले रात भर जागकर लक्ष्मी जी के अवतरण के रात देवताओं ने मां लक्ष्मी का आगमन के समय शंख बजा कर श्री शुक्त के मंत्रो से मा लक्ष्मी का स्वागत किया। श्री सूक्त का पाठ करने से मां लक्ष्मी अति प्रसन्न होती हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार भी लक्ष्मी को प्रसन्न करने का सर्वोत्तम उपाय है। अगर आप गरीबी आर्थिक समस्या से निपटने के लिए नित्य श्रीयंत्र जो प्राण प्रतिष्ठा हो , लक्ष्मी का वास श्री यंत्र में है। नित्य प्रति श्री यंत्र की पूजा कर श्री सुक्त का पाठ शुद्ध रूप से श्रद्धा भक्ति के साथ करने से आर्थिक लाभ जरुर होगा। लोग अक्सर पूर्णिमा और स्नान-दान की तारीख को लेकर असमंजस में रहते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं शरद पूर्णिमा और स्नान दान के लिए मुहूर्त क्या रहने वाला है। पूर्णिमा का शुभ मुहूर्त आश्विन माह की पूर्णिमा तिथि 16 अक्टूबर को रात 08 बजकर 40 मिनट पर शुरू हो रही है। वहीं, इस तिथि का समापन 17 अक्टूबर को शाम 04 बजकर 55 मिनट पर होगा। ऐसे में शरद पूर्णिमा बुधवार, 16 अक्टूबर को मनाई जाएगी। इस दिन पूर्णिमा का व्रत भी रखा जाएगा। आश्विन पूर्णिमा का समापन 17 अक्टूबर को शाम 04 बजकर 55 मिनट पर होगा। इसलिए स्नान-दान 17 अक्टूबर को किया जाएगा। शरद पूर्णिमा के रात मां लक्ष्मी का प्राकट्य हुआ और देवताओं ने मां लक्ष्मी का स्वागत ऋग्वेद के श्री सुक्त स्त्रोत्र से स्वागत किया, श्री सुक्त स्त्रोत्र का पाठ करने से लक्ष्मी बहुत जल्दी प्रसन्न होती हैं और धन धान्य से परिपूर्ण कर देती हैं, अगर शुद्ध उच्चारण से श्री सुक्त स्त्रोत्र का पाठ करने से जीवन में धन का लाभ होता है।शास्त्रों के मुताबिक इस दिन अगर अनुष्ठान किया जाए तो ये सफल होता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के साथ महारास रचा था। वहीं शास्त्रों के अनुसार देवी लक्ष्मी का जन्म शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। माना जाता है कि इस दिन देवी लक्ष्मी अपनी सवारी उल्लू पर बैठकर भगवान विष्णु के साथ पृथ्वी का भ्रमण करने आती हैं। इसलिए आसमान पर चंद्रमा भी सोलह कलाओं से चमकता है।शरद पूर्णिमा की धवल चांदनी रात में जो भक्त भगवान विष्णु सहित देवी लक्ष्मी और उनके वाहन की पूजा करते हैं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने विभिन्न राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

बिभा संवाददाता

रामगढ़: भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन 2024 की अधिसूचना जारी किए जाने के उपरांत बुधवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार ने समाहरणालय सभा कक्ष में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन किया।

इस दौरान सभी को जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन 2024 की अधिसूचना जारी किए जाने के उपरांत से आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। मौके पर उनके द्वारा विधानसभा क्षेत्र रामगढ़ जिले में 22 बड़कागांव, 23 रामगढ़ एवं 24 मांडू विधानसभा अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों की जानकारी दी गयी।

मौके पर उपायुक्त ने सभी प्रतिनिधियों को पेड न्यूज मॉनिटरिंग, एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग आदि के तहत किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी वहीं उन्होंने आदर्श आचार्य संहिता का शख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने की बात कही। बैठक के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता ने उपस्थित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पीपीटी के माध्यम से आदर्श आचार संहिता के दौरान क्या करें क्या ना करें इस संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। बैठक के दौरान उपायुक्त ने उपस्थित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी देते हुए बताया कि आचार संहिता के बाद विभिन्न कार्यों पर पूर्ण प्रतिबंध संबंधित जानकारी विस्तार दी गई।

सिल्ली विधानसभा में युवा वर्ग का झुकाव तीसरा मोर्चा के डॉ अमित कुमार की ओर

बिभा संवाददाता

सिल्ली/रांची: झारखंड विधान सभा चुनाव की तिथि की घोषणा हो चुकी है। झारखंड में सबसे हॉट विधानसभा सीट माना जाने वाला सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में सबकी नजर गड़ी हुई है। इस सीट में चुनाव लड़ने के लिए कई प्रत्याशी लगे हुए हैं। इनमे कई प्रत्याशी राजनीतिक पार्टी से टिकट लेकर चुनाव जीतना चाहता है। सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो एवं केजेपी प्रत्याशी अमित महतो/सीमा देवी मुख्य रूप से है। इसके अलावा तीसरा मोर्चा के डॉ अमित कुमार, जेबीकेएसएस के देवेंद्र महतो/राजू महतो कांग्रेस के राकेश किरण महतो, जेएमएम के रामानंद बेदिया मुख्य रूप से

सुदेश महतो

अमित महतो

डॉ अमित कुमार

चुनावी मैदान में है। जहां तक आंकड़ों की बात की जाए तो आजसू के पास अत्यधिक महिला कार्यकर्ता देखने को मिलता है। वहीं केजेपी के पास जेएमएम छोड़ने की वजह से कार्यकर्ताओ में बिखराव देखने को मिल रहा है। वहीं तीसरा मोर्चा के डॉ अमित कुमार के पास युवा एवं नए वोटरों को संख्या सबसे ज्यादा देखने को मिला। बाकी राजनीतिक दलों में पार्टी के नाम से कार्यकर्ता देखने को मिलता है। जेबीकेएसएस में जयराम कुमार महतो के नाम से कार्यकर्ता जुड़े हैं। प्रत्याशी के व्यक्तिगत छवि की वजह से लोगो का समर्थन नहीं है। देवेंद्र महतो और राजू महतो के समर्थक के बीच आपसी मतभेद देखने को मिलता है। जहां तक जेएमएम की बात करें तो पूर्व विधायक के जाने के बाद कार्यकर्ताओ में बिखराव देखने को मिलता है। अब देखा जाय कौन प्रत्याशी सिल्ली विधानसभा में बदलाव कर सकता है। इसी बात को लेकर हर जगह चर्चा चल रही है।

ईसीआरकेयू का चुनाव प्रचार समिति की बैठक संपन्न

धनबाद के तीनों शाखा एक साथ मिलकर करेंगे चुनाव का प्रचार प्रसार और जनसंपर्क अभियान

बिभा संवाददाता

धनबाद : ईस्ट सेंटर रेलवे कर्मचारी यूनियन का चुनाव प्रचार समिति का बैठक धनबाद शाखा एक में सम्पन हुया जिसमे यूनियन का मान्यता प्राप्त के लिए होने आगामी 4,5,ओर 6 दिसंबर को होने वाला चुनाव पर चर्चा हुआ जिसमें यह निर्णय लिया गया कि तीनों शाखा मिलकर धनबाद क्षेत्र में चुनाव का प्रचार प्रसार करेंगे यूनियन के मीडिया प्रभारी एनके खवास में बताया कि जिसके तहत 17 अक्टूबर बृहस्पतिवार को सुबह 8:30 बजे क्वह-1 धनबाद में और 18 तारीख शुक्रवार शाम 6:00 बजे क्रू लॉबी धनबाद में ईसीआरकेयू द्वारा जनसंपर्क अभियान शुरू किया जाएगा।

आज का इस बैठक में राजेश कुमार सिंह,राकेश कुमार,नेताजी सुभाष,एन के खवास,जे के साव,बी के दुबे,विश्वजीत मुखर्जी,रीतलाल गोप,प्रभाकर कुमार,संभुनाथ,एम.के.मुकेश,पिंटू नंदन,रंजीत कुमार यादव,शिव कुमार,कुमार आजाद,अशोक कुमार,बीपी आजाद और राजकुमार उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

गौ माता की सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं :मीनू अग्रवाल

रांची(बिभा) : मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने हरमु रोड गौशाला में ग्यारस के उपलक्ष्य में गौ सेवा की । ये सेवा मीनू अग्रवाल के द्वारा करवाई गई। उन्होंने कहा कि गौ माता की सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं है । सेवा में गौ माता को गुड, चोकर कूटी और हरी सब्जियां खिलायी गई । गौ सेवा प्रभारी आशा संथोलिया एवं संयोजिका डॉली बंसल ने गौ सेवा की सारी तैयारियाँ सुचारू रूप से की। कार्यक्रम में अध्यक्ष विनिता सिंघानिया, आशा संथोलिया , मीनू अग्रवाल, किरण खेतन जी, दीपिका मोतिका , डॉली बंसल, पिंकी अग्रवाल , नेहा बागड़िया मौजूद थी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी।

डीएवी पब्लिक स्कूल की कबड्डी टीम हरियाणा रवाना

रांची(बिभा) : डीएवी पब्लिक स्कूल गांधीनगर रांची की बालिका वर्ग अंडर 14 अंडर 19 कबड्डी की टीम सीबीएसई नेशनल खेलने के लिए रोहतक हरियाणा के लिए रवाना हुई । साथ में के के प्रसाद मैनेजर स्वाति शिप्रा एवं सुश्री अनुराधा कोच की भूमिका निभाएंगी। खेल प्रशिक्षक गोविंद झा एवं कौशल किशोर ने बताया की झारखंड एवं बिहार के समस्त सीबीएसई विद्यालयों को पराजित करते हुए डी ए वी गांधीनगर ने यह गौरव हासिल किया है ।बिहार और झारखंड के चैंपियंस टीम को ही नेशनल खेलने का मौका मिलता है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रदीप कुमार झा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारी बच्चियां विजेता बनकर झारखंड का नाम अवश्य रोशन करेंगी।

विश्व निश्चेतना दिवस के अवसर पर रिम्स में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रांची(बिभा): विश्व निश्चेतना दिवस के अवसर पर रिम्स में एनेस्थिसिया विभाग के द्वारा आम जनता के लिए बेसिक लाइफ सपोर्ट पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 16 अक्टूबर 1846 को पहली बार विलियम टी जी मोर्टन द्वारा मैसेट्यूचेट्स जनरल हॉस्पिटल, बोस्टन, अमेरिका में निश्चेतना विज्ञान का सफल प्रदर्शन किया गया था। निश्चेतना विभाग, रिम्स के चिकित्सकों ने इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों को आवश्यक जीवन-रक्षक कौशल के बारे में जानकारी देना था। जागरूकता कार्यक्रम में बुनियादी इछर तकनीकों को सिखाने पर ध्यान केंद्रित किया गया जो आपातकालीन स्थितियों में अति महत्वपूर्ण है। आम जनता को इमरजेंसी स्थिति से अवगत कराया गया तथा उनकी पहचान कर त्वरित कार्यवाई की जाए, यह बताया गया। एनेस्थिसिया विभागाध्यक्ष प्रो डॉ. लाधू लकड़ा ने इस कार्यक्रम के महत्व पर जोर दिया और कहा कि, ₹चिकित्सा आपात स्थितियों में, हर सेकंड मायने रखता है। इछर कौशल के साथ जनता को सशक्त बनाकर, हम अपने समुदाय में जीवित रहने की दर में उल्लेखनीय सुधार कर सकते हैं ह्ल डॉ मुकेश कुमार, सह प्राध्यापक के कुशल अध्यक्षता में यह ट्रेनिंग आयोजित की गई। उन्होंने ने कार्डिओ पल्मोनरी रिससिटेशन को सरल तरीके से जन साधारण को समझाया। इस कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक डॉ तुषार कुमार, डॉ सौरभ कुमार, डॉ भारती तथा डॉ सौरभ सुमन ने आम जन समूह को इछर की बारीकियाँ से अवगत कराया। डॉ तुषार ने बताया कि कार्यक्रम को सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोगों के लिए सुलभ बनाने के लिए डिजाइन किया गया था, जिसके लिए किसी पूर्व चिकित्सा ज्ञान की आवश्यकता नहीं है। इस कार्यक्रम में उलेखनीय बात यह रही की इसमें मानव पुतलों के माध्यम से ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षण के दौरान डॉ कौशल, डॉ विकास, डॉ गायत्री, डॉ सुप्रतीक एवं डॉ तौसीफ ने सहयोग दिया। इस प्रशिक्षण के दौरान लोगों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। रिम्स सभी लोगों को इस निःशुल्क, जीवन रक्षक ट्रेनिंग में भाग लेने के लिए सदैव प्रोत्साहित करता रहा है।

झारखंड में पहली बार ऑनलाइन नामांकन की सुविधाः भाजपा

रांची(बिभा) : राज्य के सभी राजनीतिक पार्टी के प्रतिनिधियों के साथ मुख्य चुनाव पदाधिकारी के रवि कुमार ने बैठक की और चुनाव घोषणा की जानकारी दी । बैठक में भाजपा की ओर से सुधीर श्रीवास्तव मौजूद थे। श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में बताया गया कि पहली बार झारखंड में ऑनलाइन नामांकन का प्रयोग किया जाएगा,ऑनलाइन नामांकन भरने के बाद यदि उसमें कोई त्रुटि हो तो उसको आर ओ के पास सुधारा जा सकता है ।चुनाव घोषणा के 24 घंटा के अंदर सभी होर्डिंग/बोर्डिंग हटाने का आदेश जारी हो गया है ।घोषणा के 72 घंटा के अंदर घरों से झंडा ,बैनर ,दिवाल लेखन आदि हटाएं जाएं। ऑनलाइन नामांकन का यह पहला प्रयोग है।

तेजस्वी यादव कल रांची में विधानसभा चुनाव में राजद कोटे की सीटों के लिए पार्टी लीडरों संग करेंगे चर्चा

रांची(बिभा) : बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता व पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव 18 अक्टूबर को रांची आएंगे। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव ने बताया कि रांची में राष्ट्रीय जनता दल के सभी नेताओं, कार्यकताओं से तेजस्वी मुलाकात करेंगे। चुनाव से संबंधित सभी पहलुओं पर बातचीत की जाएगी। मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने बताया कि तेजस्वी प्रसाद यादव सड़क मार्ग से रांची पहुंचेंगे और वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर बात करेंगे। राष्ट्रीय जनता दल कितने सीटों पर झारखंड में चुनाव लड़ेगा, इस पर भी अपने दल के सभी नेताओं एवं कार्यकताओं के साथ गंभीरता पूर्वक विचार विमर्श करेंगे।

उपायुक्त ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए सभी दिशा-निर्देश का पालन ससमय सुनिश्चित कराने का दिया निर्देश

सभी मतदाता अपना मतदान अवश्य करें

बिभा संवाददाता

रांची : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रांची, वरुण रंजन्ने आगामी विधानसभा निर्वाचन, 2024 हेतु गठित कोषांग के सभी वरीय पदाधिकारी / प्रभारी पदाधिकारी के साथ बैठक कर कोषांगो के द्वारा किए जा रहें कार्यों के सम्बन्ध में चर्चा की गई एवं विभागीय दिशा निर्देश के आलोक में सभी कार्यों को ससमय सम्पादित करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची, उत्कर्ष कुमार, अपर समाहर्ता रांची, रामनारायण सिंह, जिला नजारत उप समाहर्ता रांची, सुधेश कुमार, अपर जिला दंडाधिकारी विधि व्यवस्था रांची, राजेश्वर नाथ आलोक, जिला कल्याण पदाधिकारी रांची, संजय कुमार भगत, जिला परिवहन पदाधिकारी रांची, अखिलेश कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी रांची, श्रीमती सुरभि सिंह, उप निर्वाचन पदाधिकारी रांची, बिवेक कुमार सुमन, जिला शिक्षा पदाधिकारी रांची, विनय कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी रांची, राजेश कुमार साहू, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रांची, प्रदीप भगत, नोडल पदाधिकारी आय-व्यय अनुश्रवन कोषांग, सज्जन कुमार पांडे, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा रांची, रविशंकर मिश्रा, जिला कृषि पदाधिकारी रांची, रामशंकर सिंह एवं विभिन्न कोषांगो के पदाधिकारी एवं सम्बंधित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यभार एवं दायित्व का ससमय निर्वाहन करने के निर्देश

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रांची, वरुण रंजन द्वारा के द्वारा आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2024 की तैयारियों के निमित्त गठित किए गए विभिन्न कोषांगो के प्रभारी पदाधिकारी नोडल पदाधिकारी के साथ बैठक में क्रमवार चर्चा करते हुए सभी सम्बंधित कोषांग के प्रभारी पदाधिकारियों को कहा गया की भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत निदेशों के अन्तर्गत दिये गये प्रावधानों के अनुसार निर्वाचन की सभी प्रक्रिया ससमय सारणी के अनुसार पूरा करें। भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त निदेश के आलोक में विधानसभा निर्वाचन 2024 के सफल क्रियान्वयन विभिन्न कोषांगो द्वारा जो भी कार्यभार एवं दायित्व दिए गए है उसका ससमय पालन करना सुनिश्चित करने को कहा गया। सभी कोषांग अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन अच्छे तरीके एवं ससमय कराना सुनिश्चित करें।

अगले 72 घंटे में क्या करना है इसकी तैयारी करें

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रांची, वरुण रंजन के द्वारा आगामी लोकसभा निर्वाचन, 2024 हेतु गठित कोषांग के सभी वरीय पदाधिकारी / प्रभारी पदाधिकारी के साथ बैठक कर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए सभी दिशा-निर्देश का पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश देते हुए कहा की अगले 72 घंटे में क्या करना है इसकी तैयारी करते हुए चुनाव आयोग के दिए गए दिशा-निर्देश का पालन शतप्रतिशत ससमय पूरा करें।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रांची, वरुण रंजन के द्वारा अपील करते हुए विशेष रूप से कहा की सभी योग्य मतदाता अपना मतदान अवश्य रूप से करते हुए इस लोकतंत्र के महान पर्व में अपनी सहभागिता निभाए। अपना मतदान करते हुए औरों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक

SUVIDHA एप से नामांकन प्रक्रिया में ले सकेंगे मदद

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने कहा है कि विधानसभा आम निर्वाचन की घोषणा के साथ ही राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। इस दौरान सभी राजनीतिक दलों एवं निर्वाचन में भाग लेने वाले प्रत्याशियों के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कुछ आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। इसका अनुपालन कर स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित होगा। निर्वाचन प्रक्रिया में सभी के लिए समान अवसर प्राप्त हो, इस उद्देश्य से प्रत्येक प्रत्याशियों द्वारा निर्वाचन के दौरान 40 लाख रुपए की खर्च सीमा तय की गई है। प्रत्याशियों के खर्च में पारदर्शिता लाने के लिए खर्च के ब्योरा की पंजी जिला निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय में जमा करानी होती है। इस पंजी का जिला निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा उनके कार्यालय की वेबसाईट पर सार्वजनिक की जाती है। वह

बुधवार को विधानसभा निर्वाचन हेतु आदर्श आचार संहिता लागू होने के उपरांत सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर रहे थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा SUVIDHA एप्प बनाया गया है, जिसके इस्तेमाल से प्रत्याशियों द्वारा नामांकन प्रक्रिया में उपयोग होने वाले सभी आवेदनों को भरा जा सकता है। साथ ही नामांकन के दिन के लिए आरओ ऑफिस में अपॉइंटमेंट भी ली जा सकती है। इसके साथ इस माध्यम से अपना ब्योरा भरने एवं एफिडेविट बनाने में भी सहायता प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि सीझ्वीजिल एप्प के माध्यम से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन मामलों पर त्वरित शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि सभी प्रत्याशियों से अपेक्षा की जाती है कि निर्वाचन संबंधित सभी निदेशों को समझते हुए इससे अपने कार्यकताओं को भी अवगत कराएं, जिससे निर्वाचन संबंधी व्यय की गणना में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के दौरान प्रत्याशियों द्वारा प्रचार-प्रसार, निर्वाचन प्रक्रिया, स्टार कैंपेनर, राजनीतिक दल आदि के लिए राज्य द्वारा कुछ नियम बनाए गए हैं, साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भी ₹क्या करे, क्या नहीं करें₹ की निर्देशिका जारी की गई है। निर्वाचन के दौरान इनका अनुपालन एवं भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निदेशों का अनुपालन कर किसी प्रकार के संशय से बचा जा सकता है।

इस अवसर पर सिस्टम एनालिस्ट श्री एस एन जमील द्वारा निर्वाचन में उपयोग आने वाले ऑनलाइन एप्लीकेशन जैसे सीझ्वविजिल, सुविधा एप्प, केवाईसी आदि प्रत्याशियों के उपयोग में आने वाले विभिन्न एप्लिकेशनों के इस्तेमाल के विषय में बिंदुवार जानकारी दी गई।

इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा, ओएसडी श्रीमती गीता चौबे, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री देव दास दत्ता सहित विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

चुनाव आयोग पर निशाना साधने वाले वही लोग जो बूथ कैप्चरिंग के जनक थेः अजय साह

बिभा संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य की प्रेस वार्ता पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भट्टाचार्य जी की प्रेस वार्ता देखकर ऐसा प्रतीत होता है जैसे वह चुनावी हार के बाद होने वाली प्रेस वाताओं का अभ्यास कर रहे हों। श्री साह ने आरोप लगाया कि भट्टाचार्य जी ने संवैधानिक संस्थाओं, विशेष रूप से चुनाव आयोग को अनुचित रूप से निशाना बनाया और चुनाव आयोग की गरिमा को गिराने का प्रयास किया है।

अजय साह ने कहा कि हरियाणा चुनाव में मिली हार की समीक्षा करने की बजाय, उन्होंने इसका पूरा ठीकरा ईवीएम पर फोड़ दिया। साथ ही, चुनाव आयोग और केंद्रीय जांच एजेंसियों के खिलाफ इस्तेमाल किए गए अपमानजनक शब्दों से झामुमो की हताशा और निराशा स्पष्ट हो रही है। यह वही लोग है जिन्होंने ने ईवीएम के माध्यम से विधायक बनी कल्पना सोरेन को लोकतंत्र की जीत बताया था । लोकसभा में भारी हार के बावजूद अपनी जीती हुई कुछ सीटों को लोकतंत्र की जीत बता रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि झामुमो आज जिस राजद की गोदी में बैठी है वो राजद वही पार्टी है जिसके शासन में बिहार में बूथ कैप्चरिंग एक सामान्य घटना थी । ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे कि झामुमो के अंदर कांग्रेस का डीएनए प्रवेश कर रहा है और तभी कांग्रेस की राह पर चल कर ये सवैंधानिक संस्थाओं को बदनाम कर रहे है। हेमंत सरकार झारखंड के इतिहास में सबसे भयभीत और सहमी हुई सरकार है और यह भय जनता के भारी आक्रोश की वजह से है ।

श्री साह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर झामुमो द्वारा लगाए गए आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि यह दावा कि विधानसभाओं को जानबूझकर इस प्रकार चुनाव में बाँटा गया ताकि प्रधानमंत्री का भाषण एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र को प्रभावित कर सके, झूठा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता हैं, और अगर वे अमेरिका में भी भाषण देंगे, तो झारखंड के लोग उन्हें सम्मानपूर्वक सुनेंगे। उन्होंने झामुमो द्वारा भाजपा और चुनाव आयोग को ह्लबंटी-बबलीह्व कहकर संबोधित करने की भी आलोचना की और कहा कि झारखंड में एक ही बँटी-बबली है और वो कौन है, यह सब जानते है ।

संविधान सम्मान सम्मेलन का आयोजन 19 को

बिभा संवाददाता

रांची : पब्लिक स्कूल्स एण्ड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन पासवा आगामी 19 अक्टूबर को शौर्य सभागार जैप वन डोरंडा में संविधान सम्मान सम्मेलन का आयोजन करने जा रही है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष सह न्याय योद्धा राहुल गांधी संविधान सम्मान सम्मेलन के मुख्य अतिथि होंगे।

पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने बताया कि झारखंड के विभिन्न सामाजिक, जातिगत एक्टिविस्ट, संविधानविद्, प्रोफेसर सहित अन्य प्रबुद्ध शिक्षाविद लगभग 500 प्रतिनिधि संविधान सम्मान सम्मेलन में आमंत्रित किए जाऐंगे। श्री राहुल गांधी झारखंड के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित होकर संवाद करेंगे।

दिल्ली से श्रीमती प्रतिष्ठा सिंह, मनोज त्यागी,अनिल जैन के संयोजकत्व एवं देखरेख में कार्यक्रम की सफलता निर्धारित की जा रही है .

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस नेताओं

एवं खड़े कताओं के साथ राहुल गांधी जी का मिलना जुलना हमेशा होता रहता है लेकिन वैसे समाज के लोग जो अपनी बात राहुल गांधी जी तक नहीं पहुंचा सकते हैं वैसे लोगों के साथ श्री राहुल जी गांधी जी का संवाद करना काफी लाभप्रद होगा।

डॉ रामेश्वर उराँव ने कहा लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने संविधान,लोकतंत्र एवं सामाजिक न्याय को लेकर आम जनों तक मजबूती के साथ अपना दृष्टिकोण रखा था। लोकसभा चुनाव के बाद पांच प्रदेशों में संविधान सम्मान समारोह आयोजित कर वहां के लोगों के साथ संवाद कर उनके विचारों को आत्मसात कर रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से भी उन्होंने पूरे हिंदुस्तान को नजदीक से समझने की कोशिश की थी, उसी कड़ी में झारखंड के सामाजिक, जातिगत, बौद्धिक, शैक्षणिक संविधानविद् ,प्रोफेसर,डॉक्टर, इंजीनियर के साथ संवाद करेंगे और उनके विचारों को लेकर आगे बढ़ेंगे।

पूर्व मंत्री श्री सुबोध कांत सहाय, कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव डॉ राजेश गुप्ता,डॉ कुमार राजा इस कार्यक्रम की सफलता के लिए कार्यक्रम की तैयारी पर अपनी निगाह रखे हुए हैं; तथा संविधान सम्मान समारोह आयोजित करने वाली टीम से यथोचित मार्गदर्शन ले रहे हैं।

बहुत जल्द संविधान सम्मान समारोह की अंतिम तैयारी की रूपरेखा का खाका तैयार करने के लिए दिल्ली से भी टीम कल आ रही है।

एनयूएसआरएल के छात्रों की टीम अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता मूट प्रतियोगिता में भाग लेने जाएगी बर्लिन

बिभा संवाददाता

रांचीः नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (NUSRL) के छात्रों की एक उत्कृष्ट टीम ने एफडीआई अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता मूट 2024 (दक्षिण एशिया राउंड) में सेमी-फाइनलिस्ट के रूप में शानदार प्रदर्शन किया है। इस टीम में सार्थक कुमार, लीजा गुप्ता, सूर्यांश सिंह, एयलाह सिंह, और अभिनव शुक्ला शामिल हैं। इनकी मेहनत और प्रतिभा के बल पर अब उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए बर्लिन जाने का अवसर मिला है।

टीम ने अपनी उत्कृष्टता के चलते प्रतियोगिता के टॉप चार में जगह बनाई है और उन्हें 1-4 नवंबर, 2024 को होने वाले अंतरराष्ट्रीय राउंड में हिस्सा लेना है।

एनयूएसआरएल के छात्रों ने न केवल अपने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया, बल्कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से देश का

गौरव भी बढ़ाया है। टीम ने जटिल कानूनी मुद्दों जैसे क्रमिक स्पष्टीकरण, तृतीय-पक्ष फंडिंग, लागत की सुरक्षा, और प्रतिकूल निष्कर्ष निकालने की शक्तियों को सफलतापूर्वक संबोधित किया।

मूट कोर्ट की संयोजक सोनी भोला ने कहा, हमारी टीम ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। सभी सदस्यों ने एक साथ मिलकर रिसर्च किया और शिक्षकों के मार्गदर्शन से संदेहों का समाधान किया। उनका यह सफलता केवल व्यक्तिगत प्रतिभा का परिणाम नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय के बेहतरीन माहौल और सामूहिक प्रयास का भी प्रमाण है।

उपकुलपति डॉ. प्रो. अशोक आर. पाटिल ने कहा, हमारे छात्रों की प्रतिभा अब स्पष्ट रूप से सामने आ रही है। उनकी मेहनत के परिणाम देखने को मिल रहे हैं। मैं विश्वास करता हूं कि वे आगे भी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। पूरी विश्वविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं कि वे इस प्रतियोगिता में सफल होकर लौटें।

इस प्रकार, एनयूएसआरएल के छात्रों की यह टीम न केवल शिक्षा के क्षेत्र में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना रही है।

शरद - पूर्णिमा पर उद्यास्तमन सेवा और महाभिषेक का हुआ आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मन्दिर में शरद्-पूर्णिमा महोत्सव को ले अनुष्ठान के विविध कार्यक्रमों में सर्वप्रथम अखिल विश्व के स्वामी लक्ष्मी पति श्रीवेंकटेश्वर का श्रियः कान्ताय कल्याणनिधये निधयेऽर्थिनाम। श्रीवेंकट निवासाय श्रीनिवासाय मंगलम ।। मंत्र को बोलते हुए, आरती के साथ विश्वरुप दर्शन हुआ। फिर सुप्रभातम आदि के बाद पांचरात्र विधि से तिरुवाराधन हुआ और दूध, दही, हल्दी, चंदन, शहद, नारीयल युक्त जल, गंगाजल और पुष्प, तुलसी इत्यादि औषधिय युक्त जल से महाभिषेक कराया गया। भाँति-भाँति के उपचार - प्रत्युपचार पूर्वक श्रुति, उपनिषदादि ऋचाओं के उच्चारण के साथ क्रमबद्ध

महाभिषेक हुआ। प्रत्येक पूजाक्रम के बीच-बीच में आरती होती रही और फिर भगवान, भगवती, चक्र सुर्दशन आदि विग्रहों को सुगंधित चंदन से चर्चित करके धूप से सुवासित किया और तेल एवं इत्र से अभ्यंग हुआ। वस्त्राभूषण से अलंकार समर्पण कर-के रजनीगंधा एवं गुलाब फूल के मालाओं से भव्य श्रृंगार निवेदन किया । केसरिया पोंगल, लौकी का तरुआ, फल व मेवा का बाल भोग नैवेद्य हुआ।

पुनः रात्रिः आठ बजे से श्रीहरिनाम संकीर्तनम और श्रीविष्णुसहस्त्रनाम का सामुहिक पाठ हुआ । तदन्तर रात्रि 9.00 बजे से आराधना, महाआरती, नैवेध और महास्तुति, तीरथ, शठारी, तदियाराधन एवं अन्यान्य विधान के बाद दूध, चावल, काजू, कागजी बादाम, किसमीश इत्यादि मेवा से परिपूर्ण खीर महाप्रसाद तैयार कर भगवान को भोग लगाया और फिर वह निवेदित खीर को परमस्थान (बलिपीठम) गरुड़ध्वज के पास खुले आकास में अमृतत्व की प्राप्ति की अपेक्षा से रखा गया।

श्रीस्तुति, भूस्तुति, गोदास्तुति, वेगासेतुस्तोत्रम, अष्टभुजाष्टकम, कामासिकाष्टकम , परमार्थस्तुति और देवनायक पञ्चाशत का पाठ निरंतर होता रहा। आज भगवान के सभी विग्रहों की शुक्ल वर्ण (श्वेत वस्त्र) धारण कराया गया और अर्चक एवं उपस्थित भक्तगण भी श्वेत परिधान में ही महोत्सव में हिस्सा लिया।

आज उद्यास्तमन सेवा के यजमान : श्री पुलक- आयुषी सिंघानिया रांची जबकि महाभिषेक (तिरुमंजन) के यजमान : आनंद प्रकाश - राधिका अग्रवाल राँची निवासी हुए। अर्चक : सत्यनारायण गौतम, एवं गोपेश आचार्य ने दिनभर के अनुष्ठान को विधिपूर्वक संपन्न कराया।

इनकी रही सहभागिता सर्वश्री : राम अवतार नारसरिया, कमल सिंघानिया ,प्रदीप नारसरिया ,जगमोहन नारसरिया ,अनूप अग्रवाल रंजन सिंह विनोद अग्रवाल कोलकाता डॉ. संजय मिश्रा प्रभास मित्तल शंभू नाथ पोद्दार के अतिरिक्त भारी संख्या में श्रद्धालु अनुष्ठान में सहभागिता निभाई और आयु आरोग्य सुख समृद्धि और ऐश्वर्य के लिए प्रार्थना किया।

निर्वाचन व्यय की मॉनिटरिंग हेतु निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज्य के सभी वाणिज्य कर के पदाधिकारियों से कहा कि निर्वाचन अवधि में कर वंचना पर अंकुश लगाने एवं तत्संबंधी निर्वाचन व्यय की मॉनिटरिंग हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निदेशों का पूर्णतया अनुपालन करें एवं आवश्यक प्रवर्तन की कार्रवाई में किसी प्रकार की कोताही न करें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार एवं वाणिज्य कर के आयुक्त श्री अमित कुमार के मार्गदर्शन में सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं जिलों में गठित वाणिज्य कर सेल के नोडल पदाधिकारियों को कर्नाटक के

वाणिज्य कर विभाग द्वारा निर्वाचन के दौरान कुशल व्यय प्रबंधन एवं प्रवर्तन से संबंधित किए गए अनुप्रयोगों को साझा किया गया।

इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ नेहा अरोड़ा द्वारा जिले के पदाधिकारियों एवं कर्नाटक के वाणिज्य एवं कर विभाग के पदाधिकारियों के साथ समन्वय सूत्र के रूप जिलों के पदाधिकारियों के व्यय प्रबंधन एवं प्रवर्तन संबंधी शंकाओं का निराकरण किया गया।

संक्षिप्त खबरें

देसी कट्टा के साथ एक युवक गिरफ्तार

बोकारो(बिभा) : को-ऑपरेटिव कॉलोनी मोड़ के समीप शराब दुकान के पास मंगलवार की शाम करीब 6.40 एक काले रंग की टी-शर्ट पहने एक युवक देसी कट्टा लेकर घूम रहा है इसकी गुप्त सूचना जब गश्ती टीम के एसआई वीरेन्द्र खाखा को मिली । इसके बाद सीटी डीएसपी अलोक रंजन के नेतृत्व में टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई करते टीम शराब दुकान के पास पहुंची. पुलिस को देख सेक्टर दो की तरफ भागने लगा. टीम ने उसे खदेड़कर पकड़ लिया. पूछताछ में युवक ने अपना नाम प्रमोद शर्मा बताया. वह सेक्टर 2/बी आवास संख्या 2-412 में रहता है. तलाशी लेने पर उसकी कमर से एक लोडेड देसी कट्टा मिला. उसकी जेब से 8 एमएम की दो जिन्दा गोली बरामद की गई. कागजी प्रक्रिया के बाद बुधवार को उसे जेल भेज दिया गया. छापेमारी टीम में एसआई वीरेन्द्र खाखा, गुलटन मिश्री, एएसआई उमेश कुमार सिंह, विगावन सिंह, आरक्षी जीतेन्द्र कुमार, सद्दाम हुसैन अंसारी, मदन प्रसाद, राजीव कुमार, विजय कुमार सिंह व दिलीप मुर्मू शामिल थे।

पेटरवार में उत्पाद विभाग ने अवैध देशी शराब निर्माण स्थल पर की छापेमारी, सामग्रियों को किया नष्ट

बोकारो(बिभा) : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव के निर्देश पर बुधवार को सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक उत्पाद के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद टीम ने पेटरवार थाना अंतर्गत चांदो ग्राम में संचालित अवैध शराब निर्माण स्थल पर छापेमारी की। मौके से उत्पाद टीम ने 3,000 केजी जावा महुआ शराब एवं 150 लीटर अवैध चुलाई शराब को जब्त किया। वहीं, अवैध शराब निर्माण में इस्तेमाल किए जाने वाले वस्तुओं को नष्ट किया। छापेमारी के क्रम में फरार अभियुक्तों पर उत्पाद अधिनियम की सूसंगत धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया जा रहा है। छापेमारी दल में अवर निरीक्षक सदर श्री सन्नी विवेक तिर्की, अवर निरीक्षक उत्पाद तेनुघाट श्री महेश दास उपस्थित थे। जानकारी हो कि, विधानसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर बोकारो जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त बोकारो ने सहायक आयुक्त उत्पाद को लगातार अभियान चलाकर अवैध शराब के निर्माण बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

आर्या फ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में खनन विभाग का छापा, क्षमता से ज्यादा स्टॉक का मामला

बोकारो(बिभा) : उपायुक्त के निदेर्शानुसार बोकारो जिला के पेक नारायणपुर थानांतर्गत बरई में अवस्थित आर्या फ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड में औचक निरीक्षण किया गया, जांच के क्रम में उक्त स्थल पर अवैध रूप से कच्चा कोयला खनिज लगभग 290 टन, पोडा कोयला लगभग 125 टन एवं कोयला डस्ट लगभग 10 टन भंडारित किया हुआ पाया गया, स्थल पर उपस्थित मुंशी से स्टॉक पंजी की मांग की गई, जिसे प्रस्तुत करने में वे असमर्थ रहे, जिम्स पोर्टल से आर्या फ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अप्रैल माह में दाखिल मासिक विवरणी की जांच की गई ,उक्त मासिक विवरणी में कच्चा कोयला 159 टन दशार्या गया हैं मासिक विवरणी एवं जांच के दौरान पाई गई खनिज की मात्रा में अंतर के कारण उपरोक्त खनिज को विधिवत जप्त करते हुए पेक नारायणपुर थाना में सुपुर्द किया गया, उक्त स्थल पर अवैध रूप से खनिज को लोडिंग करते हुए 2 ट्रक को पकड़ा गया,जिसे जप्त कर पेक नारायणपुर थाना को सुपुर्द किया गया एवं थाना में प्लांट के संचालक , वाहन के मलिक, चालक एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उक्त अभियान में खान निरीक्षक, सीताराम टुडू एवम स्थानीय पुलिस बल मोजूद थे।

इंडिया गठबंधन में राजद को मिले बोकारो सीट : युवा राजद

बोकारो(बिभा) : झारखंड में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया है कुल दो चरणों में चुनाव संपन्न होना है ऐसे में इंडिया गठबंधन में जल्द से जल्द सीटों का बंटवारा हो जाना चाहिए युवा राजद प्रदेश महासचिव ने कहा कि गठबंधन में राजद को सम्मानजनक सीटे मिलनी चाहिए साथ ही बोकारो विधानसभा सीट भी राजद के कोटे में मिलनी चाहिए क्योंकि राजद ने पूर्व में बोकारो विधानसभा का प्रतिनिधित्व किया है बोकारो क्षेत्र में लालू जी के विचारधारा को मानने वालों की संख्या लाखों में है । जिला अध्यक्ष संतोष गिरी ने कहा कि सामाजिक न्याय की सोच बोकारो के मतदाताओं की है गौरतलब है कि हर बार राजद ने गठबंधन धर्म का पालन करते हुए त्याग किया है ऐसे में गठबंधन में बोकारो सीट राजद को मिलना चाहिए और लड़ना चाहिए .

बोकारो आरपीएफ की मदद से खोया हुआ बैग यात्री को मिला

बोकारो(बिभा) : रेलवे स्टेशन पर सुंदरम कुमार तिवारी नामक एक व्यक्ति बोकारो से पटना जाने के क्रम मे वंदे भारत एक्सप्रेस से सीट नंबर सी 5/26 से वह सफर करनी थीं उसी दरमियान कुछ कारण वस वह ट्रेन से नीचे उतरा कुछ देर बाद जब वह ट्रेन पर चढ़ने गया तब ट्रेन का दरवाजा लॉक हो चुका था और ट्रेन पर नहीं चढ़ा सके और उसका बैग जिसका मूल्य लगभग 14,000 रुपया बताया जा रहा है जिसमें 9000 हार्ड कैश तीन बैग के साथ दस्तावेज और कपड़े थे जो कि सीट पर ही रह गया। त्वरित इसकी सूचना बोकारो आरपीएफ को दी गई सूचना मिलते ही ट्रेन पर एस्कॉर्ट कर रहे हैं एएसआई मीना कुमारी, बसंत कुमार ऐएसआई प्रभात कुमार को भी उक्त घटना की सूचना दे दी गई खोज बिन के बाद मौके पर पहुंचे आरपीएफ टीम ने उक्त बैग को अपने पास सुरक्षित ले दूसरे ट्रेन संख्या 13319 से वापस उसे बोकारो भेज दिया गया जहां सुंदरम कुमार तिवारी ने उक्त बैग की पहचान की तत्पश्चात आफ पोस्ट द्वारा सत्यापन कर उपरोक्त बरामद बैग उसके मालिक को सौंप दिया गया ।

डीडीसी ने विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के साथ की बैठक

आदर्श आचार संहिता का पालन करें सभी दल

बिभा संवाददाता

बोकारो : समाहरणालय सभागार में बुधवार को विधानसभा निर्वाचन 2024 के स्वतंत्र, निष्पक्ष,पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद ने मान्यता प्राप्त विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में विधानसभा निर्वाचन 2024 से संबंधित कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई। मौके पर निवार्ची पदाधिकारी बोकारो सह अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल ढ़ांडा, सामग्री कोषांग की नोडल पदाधिकारी श्रीमती मेनका, कार्मिक कोषांग की सहयोगी पदाधिकारी श्रीमती शालिनी खालखो आदि उपस्थित थे।
बैठक में उप विकास आयुक्त ने राजनीतिक पार्टियों के विभिन्न प्रतिनिधियों को बताया कि विधानसभा आम चुनाव 2024 की घोषणा कर दी है। इसके अनुसार 34 गोमिया, 35 बेरमो, 36 बोकारो एवं 37 चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के लिए दूसरे चरण में 20 नवंबर 2024 को मतदान होना है। चुनाव की अधिसूचना 22 अक्टूबर, नाम निर्देशन की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर, नाम निर्देशन प्रपत्रों की स्क्रूटनी 30 अक्टूबर, अभ्यर्थिता वापस लेने की तिथि 01 नवंबर, मतदान की तिथि 20 नवंबर एवं मतगणना की तिथि 23 नवंबर निर्धारित की गई है।
वहीं,बताया कि विधानसभा निर्वाचन 2024 का कार्यक्रम जारी होने के साथ ही पूरे जिले में आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू हो गया है। सभी प्रतिनिधियों को आदर्श आचार संहिता के अनुपालन, जुलूस, सभाएं, रैली सहित निर्वाचन आयोग की ओर से जारी गाइड लाइन के अक्षरशः अनुपालन पर विस्तृत चर्चा की।
मौके पर उपस्थित निवार्ची पदाधिकारी बोकारो सह अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल ढ़ांडा ने आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के अनुपालन के सम्बन्ध में सभी पार्टी प्रतिनिधियों को अवगत कराया। उन्होंने चुनावी प्रचार के दौरान साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखने, मस्जिद, चर्च, मंदिर या अन्य पूजा स्थलों का उपयोग चुनाव प्रचार के लिये मंच के रूप में नहीं करने, व्यक्तियों घरों के सामने धरना-प्रदर्शन नहीं किए जाने आदि जैसे विषयों पर चुनाव आयोग द्वारा जारी गाइड लाइन की विस्तृत जानकारी दी। पार्टी प्रतिनिधियों को इससे संबंधित दस्तावेज भी उपलब्ध कराया गया। उन्होंने सभी से अपील किया कि वह चुनाव आयोग द्वारा जारी गाइड लाइन को अध्ययन स्वयं कर लें तथा उसका अनुपालन सुनिश्चित करें।
बैठक में विभिन्न पार्टी प्रतिनिधियों द्वारा आदर्श आचार संहिता के अनुपालन के सम्बन्ध में कई सवाल जवाब भी किए गए। जिसका पदाधिकारियों ने निर्वाचन आयोग की गाइड लाइन के अनुसार क्रमवार जवाब दिया गया। साथ ही, अगर अभी भी किसी का मतदाता सूची में नाम नहीं है, तो उन्हें फार्म छह भरने को लेकर प्रेरित करने को कहा। बैठक में झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी, राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, आजसू पार्टी, नेशनल पिपुल्स पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी आदि के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस अधीक्षक ने सभी थानेदारों को विधि व्यवस्था बनाए रखने का दिया दिशा निर्देश

बिभा संवाददाता

बोकारो : नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक, बोकारो मनोज स्वर्गियारी की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गयी। उक्त आहूत बैठक में जिले के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी पुलिस उपाधीक्षक, सभी अंचल पुलिस निरीक्षक, सभी थाना/ओ०पी० प्रभारी शामिल हुए। बैठक के क्रम में पुलिस अधीक्षक द्वारा एक-एक कर सभी से परिचय लिया गया, तदोपरांत आगामी विधानसभा आम निर्वाचन-2024 के मद्देनजर चुनाव के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं स्वच्छ वातावरण में संपन्न कराने से संबंधित विचार-विमर्श किया गया एवं निम्नांकित बिन्दुओं पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।
चुनाव संबंधी लॉ एवं ऑर्डर रिपोर्ट -क बी-8, बी-9 & बी-10 दैनिक प्रतिवेदन को उच्च प्राथमिकता के साथ सुबह 5.00 बजे तक चुनाव कोषांग को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। अपने-अपने थाना/ओ०पी० में लंबित जमानतीय तथा गैर-जमानतीय वारण्ट, इश्तेहार एवं कुर्की का त्वरित निष्पादन हेतु निर्देशित किया गया। फिरारी / वांछित अभियुक्तों गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया। जिलान्तर्गत शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों का सत्यापन व शस्त्रों का ससमय जमा करना सुनिश्चित करने ।
बीएनएसएस, 2023 की सुसंगत धाराओं 126, 127, 128, 129, आर /डबल्यू 170 , 2023 एवं आर /डबल्यू 135 ,2023 के तहत वैसे व्यक्ति जो चुनाव कार्य को बाधित कर सकते हैं, के विरूद्ध निरोधात्मक कार्रवाई करने। बी सक्रिय अपराधियों के विरूद्ध सीसीए प्रस्ताव भेजने, शांति भंग करने वाले व्यक्तियों का पहचान कर गुण्डा पंजी में नाम प्रविष्टि करने, संपत्ति मूलक कांडों में संलिप्त अभियुक्तों का निगरानी प्रस्ताव भेजना, दागियों का भौतिक सत्यापन कर निरोधात्मक कार्रवाई करने इत्यादि विषयों पर निर्देशित किया गया। एमसीसी (आदर्श आचार संहिता) का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कांड दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई करने। मतदान भवनों, सी०ए०पी०एफ० एवं अन्य बाह्य बलों के आवासन स्थलों का भौतिक निरीक्षण करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही इन भवनों में आवश्यकता का आकलन कर अग्रतर कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। जिलान्तर्गत अवस्थित 8 अन्तरर्राज्यीय चेकनाका व 6 अन्तरजिला चेकनाका को सक्रिय कर कैश, अवैध शराब, ड्रग्स, नारकोटिक्स एवं अन्य अवैध वस्तुओं तस्करी के रोकथाम व जप्ती करने व अवैध शराब एवं अवैध आग्नेयास्त्र के विरूद्ध लगातार छापामारी कर जप्ती / बरामदगी सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अलावे अन्य बिन्दुओं पर विचार-विमर्श व आवश्यक निर्देश दिया गया।

बोकारो इस्पात संयंत्र में 41 ओसीटीटी प्रशिक्षुओं ने दिया योगदान

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में 41 ओ सी टी टी प्रशिक्षुओं ने योगदान दिया तथा दिनाँक 16 अक्टूबर को प्रशिक्षुओं का छह सप्ताह का लोकल इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन तथा सुरक्षा शपथ के साथ किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक राजन प्रसाद उपस्थित थे. कार्यक्रम में अधिशासी निदेशक जयदीप दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक राजीव धवन तथा मुख्य महाप्रबंधक मनीष जलोटा भी उपस्थित थे. छह सप्ताह के प्रशिक्षण के पश्चात सभी प्रशिक्षुओं का पदस्थापन बोकारो स्टील प्लांट में किया जायेगा.
कार्यक्रम के स्वागत अभिभाषण में उप महाप्रबंधक राजेश कुमार ने प्रशिक्षुओं को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए बोकारो स्टील प्लांट में उनका स्वागत किया. मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक राजन प्रसाद ने अपने संबोधन में प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए प्रशिक्षुओं को सुरक्षा संस्कृति व अनुशासन को अपनाते हुए प्लांट के निरंतर विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने प्रशिक्षुओं को इस्पात उद्योग में वर्तमान समय में व्याप्त प्रतिस्पर्धा और बोकारो स्टील प्लांट के द्वारा उठाए गए प्रतिस्पर्धात्मक कदम पर भी प्रकाश डाला.
अधिशासी निदेशक दासगुप्ता ने भी अपने उदबोधन में प्रशिक्षुओं को सुरक्षा और अनुशासन की अहमियत को रेखांकित करते हुए आगे बढ़ने तथा नए प्रशिक्षुओं से बोकारो स्टील प्लांट की अपेक्षाओं पर प्रकाश डाला.

बीएसएल की टीम ने जीता डायरेक्टर पर्सनल कप

बिभा संवाददाता

बोकारो : ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए), नई दिल्ली द्वारा आयोजित रण नीति डायरेक्टर पर्सनल कप बिजनेस सिमुलेशन गेम्स का ग्रैंड फिनाले एमटीआई रांची में आयोजित किया गया. ग्रैंड फिनाले में बोकारो स्टील प्लांट से महाप्रबंधक सुधीर, सहायक महाप्रबंधक अमित आनंद और वरीय प्रबंधक प्रीति कुमारी की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया. बोकारो स्टील प्लांट की ही दूसरी टीम ने स्पर्धा में प्रथम रनर-अप का स्थान हासिल किया जिसमें उप महाप्रबंधक राहुल सिंह, वरीय प्रबंधक ओवैस अहमद और प्रबंधक राहुल रंजन पांडा शामिल थे.
उल्लेखनीय है कि प्लांट-स्तरीय प्रतियोगिता के लेवल -1 में कुल 142 से अधिक टीमों के बीच कड़े मुकाबले के पश्चात विभिन्न सेल प्लांट इकाइयों का प्रतिनिधित्व कर रहे 21 उत्कृष्ट टीमें फाइनलिस्ट रहे. ग्रैंड फिनाले से पहले, दिनाँक 14 अक्टूबर, 2024 को इन 21 टीमों के बीच एक सेमीफाइनल राउंड आयोजित किया गया जिसके उपरांत 11 टीमें फाइनल राउंड में पहुंचीं. बोकारो इस्पात संयंत्र के शीर्ष प्रबंधन ने इस उपलब्धि पर दोनों टीमों को बधाई दी है.

एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल बोकारो के खिलाड़ियों को दी गई 3,60,000 रुपये का छात्रवृत्ति

बिभा संवाददाता

बोकारो : एम जी एम स्कूल बोकारो के खिलाड़ियों ने पिछले साल छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में में हुए एस जी एफ आई नेशनल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर एक सिल्वर पदक के साथ 6 ब्रोंज पदक अपने नाम किया, जिसमें झारखंड की नई खेल नीति 2022 के तहत खिलाड़ियों को झारखंड सरकार के द्वारा स्कॉलरशिप प्रदान की गई' स्कॉलरशिप प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों के नाम है - साक्षी श्रीवास्तव कक्षा 12वीं छात्रवृत्ति की राशि 60,000, जेबा नाज कक्षा 12वीं छात्रवृत्ति की राशि 50,000 ,प्रियांशु राज सिंह कक्षा 11वीं छात्रवृत्ति की राशि 50,000 ,हर्षित कुमार कक्षा 12वीं छात्रवृत्ति की राशि 50,000, वेदांत भरद्वाज कक्षा दसवीं छात्रवृत्ति की राशि 50,000, तृप्ति झा कक्षा दसवीं छात्रवृत्ति की राशि 50,000 एवं एंजेल रानी कक्षा दसवीं छात्रवृत्ति की राशि 50,000 स्कॉलरशिप के रूप में दी गई । स्कॉलरशिप मिलने पर खिलाड़ियों ने झारखंड सरकार के प्रति प्रसन्नता जाहिर करते हुए इसे एक सराहनीय कदम एवं खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाने के लिए सही बताया।
एम जी एम स्कूल के खेल शिक्षक राजीव सिंह ने बताया कि इस बार भी एम जी एम स्कूल से जुडो एवं गतका खेल में 21 खिलाड़ियों का चयन एस जी एफ आई नेशनल चैंपियनशिप के लिए हुआ है और प्रशिक्षक ने उम्मीद जताई कि खिलाड़ी पिछले बार से भी ज्यादा बेहतर करेंगे' इस मौके पर स्कूल के प्राचार्य फादर डॉक्टर जोशी वर्गीस ने खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन और उनके स्कॉलरशिप मिलने पर खुशी जताई ' वहीं स्कूल के उपप्राचार्या रेखा बनर्जी और एकेडमिक डायरेक्टर जॉर्ज जोसेफ एवं हेडमिस्ट्रेस सपना जोशी ने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं दी ।

डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों ने फिर लहराया कामयाबी का परचम

इंडियन ओलंपियाड क्वालीफायर इन मैथेमेटिक्स में 59 अंकों के साथ श्लोक बना स्टेट टॉपर, 12वीं में आरुष को राज्य में दूसरा स्थान

बिभा संवाददाता

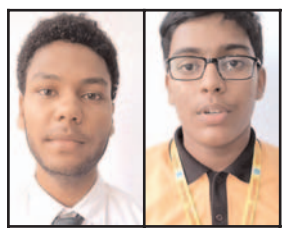

बोकारो। अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता की कड़ी में डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल) बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार फिर कामयाबी का परचम लहराया है। राष्ट्रीय स्तर की लब्ध-प्रतिष्ठित गणितीय परीक्षा इंडियन ओलंपियाड क्वालीफायर इन मैथेमेटिक्स (आईओक्यूएम) में लगातार दूसरे वर्ष विद्यालय का पूरे राज्य में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। परीक्षा की कैटेगरी ए (कक्षा 8-11) में नौवीं कक्षा के विद्यार्थी श्लोक आनंद ने झारखंड में सर्वाधिक 59 अंक हासिल कर स्टेट टॉपर होने का गौरव पाया है। वहीं, कैटेगरी बी (कक्षा- 12) में आरुष बनर्जी ने 54 अंक प्राप्त कर सूबे में दूसरा स्थान प्राप्त किया और जिले में अव्वल रहा। विद्यालय के कुल 15 छात्र-छात्राओं ने इस परीक्षा में शानदार सफलता पाई है। विद्यालय में कैटेगरी ए में कक्षा 9 के छात्र श्लोक आनंद 59, शिवम ओझा 51 और कक्षा 11 के अनुज 44 अंक लाकर क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। इसके बाद क्रमशः कक्षा 11 के आयुष राज (42), कुमार अनमोल (41), कक्षा 10 के आरुष रंजन (41), आयुष लच्छीरामका (40), शीर्ष क्रेजिया (33), कक्षा 9 के सुधांशु कुमार (32), 11वीं कक्षा से मालविन परीरा (29) तथा 10वीं के जय सात्विक मेदिरेड्डी (27) ने सफलता प्राप्त की। इसी प्रकार, कैटेगरी बी में 12वीं कक्षा के छात्र आरुष बनर्जी 54 अंक लाकर पहले, नितिन कुमार सिंह 41 अंक के साथ दूसरे तथा आदित्य राज चौहान 35 अंक लाकर तीसरे स्थान पर रहे। जबकि, बालिकाओं की कैटेगरी में कक्षा 10 की छात्रा आयुषी सिंह ने 26 अंक के साथ सफलता पाई।
गौरतलब है कि विगत वर्ष भी डीपीएस बोकारो के आरुष बनर्जी ने झारखंड में स्टेट टॉपर होने का गौरव पाया था। लगातार दूसरे वर्ष अपने विद्यालय के छात्र-छात्राओं के इस बेहतरीन प्रदर्शन पर प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने इस उपलब्धि को पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि यह डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों की शैक्षणिक कुशलता, उनकी कड़ी मेहनत, गणित के प्रति उनके जुनून और हमारे शिक्षकों के समर्पण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।
उल्लेखनीय है कि आईओक्यूएम भारत में गणितीय ओलंपियाड कार्यक्रम का पहला चरण है, जिसे गणितीय योग्यता और समस्या-समाधान कौशल के कठोर परीक्षण के लिए जाना जाता है। यह भारतीय राष्ट्रीय गणितीय ओलंपियाड (आईएनएमओ) में प्रतिनिधित्व करने के जिज्ञासु विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

सोशल मीडिया से दूर है स्टेट टॉपर श्लोक, इंजीनियर बनने की ख्वाहिश

आईओक्यूएम (गणित में भारतीय ओलंपियाड क्वालीफायर) की कैटेगरी ए में 59 अंकों के साथ झारखंड में अव्वल रहे डीपीएस बोकारो के मेधावी विद्यार्थी श्लोक आनंद को सोशल मीडिया से परहेज है। एक खास बातचीत में उसने कहा कि पढ़ाई पर फोकस करने के लिए उसने यह दूरी बनाई है। उसका न तो कोई फेसबुक और न ही इंस्टाग्राम अकाउंट है। नौवीं कक्षा के छात्र श्लोक की दिली ख्वाहिश आगे चलकर एक कंप्यूटर इंजीनियर बनने की है। पटना में सिविल इंजीनियर किशोर कुमार एवं गृहिणी रुनम कुमारी के होनहार पुत्र श्लोक ने स्कूल के अलावा रोजाना लगभग चार घंटे अलग से पढ़ाई कर यह सफलता पाई है। कक्षा 3 से वह लगातार डीपीएस बोकारो में अध्ययनरत है और अपनी कामयाबी का श्रेय प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार के निर्देशन में यहां के शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन को दिया है। उसे पढ़ाई के अलावा शतरंज खेलने का काफी शौक है। उसने आईओक्यूएम जैसी परीक्षाओं में सफलता के लिए बेसिक और निर्धारित टॉपिक पर फोकस करने का संदेश अपने सहपाठियों को दिया है।

रोजाना 10 घंटे पढ़ाई करता है सेकेंड स्टेट टॉपर आरुष

आईओक्यूएम की कैटेगरी बी में 54 अंक लाकर राज्य में दूसरा तथा जिले में पहला स्थान प्राप्त करने वाला डीपीएस बोकारो में 12वीं कक्षा का मेधावी विद्यार्थी आरुष बनर्जी पढ़ाई के प्रति काफी गंभीर रहा है। विद्यालय-अवधि को मिलाकर वह रोजाना लगभग 10 घंटे पूरे मनोयोग से पढ़ाई करता है। इसी का नतीजा है कि इस बार भी राज्य स्तर पर उसने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। वह इसी परीक्षा में पिछले साल स्टेट टॉपर आया था। पुणे में बतौर चिकित्सक पदस्थापित डॉ. देवाशीष बनर्जी एवं बोकारो में शिक्षिका के रूप में कार्यरत बबीता बनर्जी का पुत्र आरुष कक्षा नर्सरी से ही डीपीएस बोकारो का होनहार छात्र रहा है। शुरू से ही वह ओलंपियाड आदि में सक्रियता के साथ भाग लेता रहा है। उसने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय में स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण, प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार के मार्गदर्शन एवं शिक्षकों के सहयोग को दिया है। उसे कंप्यूटर साइंस में रुचि है और आगे चलकर वह एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनना चाहता है। आरुष अपनी मां को ही अपना आदर्श मानता है और पढ़ाई के अलावा वॉलीबॉल खेलने का उसे काफी शौक है। अपने सहपाठियों को उसने पूरे मन से और रुचि के साथ परीक्षाओं की तैयारी करने का संदेश दिया है।

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रांची में 23 नवंबर तक निषेधाज्ञा लागू

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में विधानसभा चुनाव के ऐलान के साथ ही प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गयी है। इसी क्रम में राजधानी रांची विधानसभा क्षेत्र में निष्पक्ष चुनाव और शांतिपूर्ण माहौल बनाये रखने के लिए निषेधाज्ञा जारी की गयी है। चुनाव प्रक्रिया की समाप्ति होने तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रांची सदर अनुमंडल अंतर्गत सभी विधान सभा क्षेत्रों में निषेधाज्ञा जारी कर दिया गया है।

रांची के सदर अनुमंडल दंडाधिकारी उत्कर्ष कुमार के जरिये राजधानी में निषेधाज्ञा जारी कर दिया गया है। डीसी कार्यालय से मंगलवार देर रात जारी सूचना में बताया गया है कि निषेधाज्ञा 23 नवंबर रात 11.00 बजे तक लागू रहेगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। आदेश में बताया गया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधान सभा निर्वाचन 2024 की घोषणा कर दी गई है और घोषणा की तिथि से ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। इस अवधि में विभिन्न राजनीतिक दलों तथा प्रत्याशियों के द्वारा चुनाव प्रचार के लिए जनसभा, जुलूस का आयोजन किया जाएगा। जनसभा और जुलूस में राजनितिक प्रतिद्वंदिता

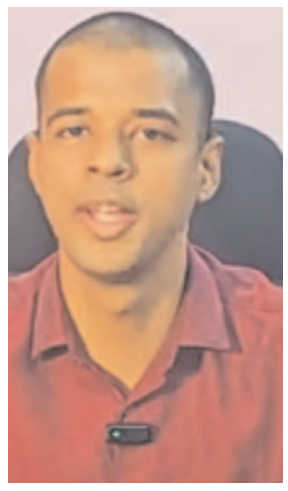

एवं प्रतिस्पर्धा के कारण शस्त्र एवं शक्ति प्रदर्शन कर मतदाताओं को प्रभावित और आंतकित किये जाने तथा विधि-व्यवस्था भंग होने की प्रबल संभावना बनी रहती है। इसके अतिरिक्त मतदाताओं को डराने, धमकाने जातीय, साम्प्रदायिक तथा धार्मिक विद्वेष की भावना फैलाने के लिए असामाजिक तत्वों के सक्रिय होने के कारण विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इससे लोक शांति भंग हो सकती है।

इसको लेकर अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर, उत्कर्ष कुमार के द्वारा निष्पक्ष चुनाव और शांतिपूर्ण माहौल बनाये रखने के लिए चुनाव प्रक्रिया की समाप्ति होने तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा-163 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रांची सदर अनुमंडल अंतर्गत सभी विधान सभा क्षेत्रों में निषेधाज्ञा जारी करते हुए निम्नांकित आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार, किसी भी व्यक्ति, राजनितिक दल, संगठन, उम्मीदवार और अभ्यर्थी के जरिये राजनीतिक प्रयोजन से संबंधित किसी भी प्रकार की सभा, जुलूस, धरना-प्रदर्शन बिना सक्षम पदाधिकारी के पुवार्नुमति के आयोजित नहीं किया जाएगा। जुलूस में किसी भी व्यक्ति के पास किसी भी प्रकार का धारदार हथियार (अस्त्र एवं शस्त्र) जो मानव शरीर के लिए घातक हो को लेकर चलने पर प्रतिबंध लगाया जाता है। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग रात्रि 10.00 बजे से प्रातः 6.00 बजे तक वर्जित रहेगा। इसके अलावा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में परिभाषित किसी भी अपराध करने तथा शांति भंग करने के उद्देश्य से पांच या उससे अधिक व्यक्ति किसी भी स्थान पर एकत्रित नहीं होंगे। यह आदेश पूवार्नुमति प्राप्त सभा, जुलूस, शादी, बारात पार्टी, शव-यात्रा, हाट-बाजार और अस्पताल जा रहे मरीज के साथ-साथ जा रहे व्यक्तियों एवं विद्यालय तथा महाविद्यालय जाने वाले छात्र-छात्राओं एवं कर्त्तव्य पर तैनात सरकारी कर्मचारी, पुलिस बल पर लागू नहीं रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

पेट्रोल पम्प पर मतदान करने के लिए किया गया जनजागरण

खूँटी(बिभा) । जिले में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मतदाता जागरण कार्यक्रम के तहत बुधवार को जिले के कई पेट्रोल पंप पर मतदाता जागरण कार्यक्रम किया गया। इस दौरान पेट्रोल पंप में आने वाले ग्राहकों एवं पेट्रोल पम्प पर कार्यरत कर्मियों को खूँटी एवं तोरपा विधानसभा क्षेत्र में 13 नवंबर को होने वाले मतदान के दिन अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं मौके पर जागरूक मतदाता के रूप में पहचान पत्र दिखाने वाले ग्राहकों को चॉकलेट देकर पुरस्कृत भी किया गया। साथ ही सभी कर्मियों एवं ग्राहकों को मतदाता प्रतिज्ञा दिलाते हुए लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया।

आगामी विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

खूँटी(बिभा) । आगामी विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर प्रशिक्षण कोषांग द्वारा लोयोला इंटर कॉलेज खूँटी एवं बिरसा महाविद्यालय में मतदान प्रक्रिया से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से बुधवार को अड़की एवं कर्रा प्रखंड/अंचल कार्यालय के पदाधिकारियों, कर्मियों एवं शिक्षकों को निर्वाचन कार्य से संबंधित गहन प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण प्राप्त करने आये लोगों ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने आये लोगों ने बताया कि चाय पानी का भी व्यवस्था नहीं थी। जबकि पहले व्यवस्था होता था। वहीं तीन पालियों में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस दौरान निर्वाचन प्रक्रिया, ईवीएम वीवीपैट की तकनीकी जानकारी, निर्वाचन मार्गदर्शिका से जुड़े कई महत्वपूर्ण जानकारी दिया गया। जिससे आगामी विधानसभा चुनाव में सभी गाईड लाइंस का अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए सफलता पूर्वक चुनाव सम्पन्न कराया जा सके।

विधानसभा चुनाव में मतदान केंद्रों पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं उपलब्धता को लेकर किया गया बैठक

खूँटी(बिभा) । विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर मतदान केंद्रों पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएँ की व्यवस्था पर सुविधाओं को दुरुस्त करने को लेकर बुधवार को विभिन्न प्रखण्ड स्थित सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक संग प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा बैठक किया गया। बैठक में मुख्य रूप से मतदान केन्द्रों एवं क्लस्टर पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं की व्यवस्था को दुरुस्त करने पर चर्चा किया गया। सुनिश्चित न्यूनतम सुविधा के तहत पेयजल, शौचालय, विद्युत, रैंप आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिससे विधानसभा चुनाव में मतदान करने आने वाले मतदाताओं एवं क्लस्टर पर मतदान कर्मियों और सुरक्षा बलों को समस्या ना हो, उन्हें मूलभूत सुविधा मुहैया कराई जा सके।

निर्वाचन व्यय-लेखा कोषांग, हेल्पलाइन एवं जन शिकायत कोषांग-सह-नियंत्रण कक्ष की बैठक

खूँटी(बिभा) । समाहरणालय स्थित सभागार में बुधवार जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त लोकेश मिश्रा द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर गठित व्यय-लेखा कोषांग, हेल्पलाइन एवं जन शिकायत कोषांग-सह-नियंत्रण कक्ष के वरीय पदाधिकारी एवं सभी प्रभारी पदाधिकारी संग बैठक किया गया। बैठक में विधानसभा चुनाव 2024 के सफल संचालन को लेकर गठित विभिन्न कोषांगों के पदाधिकारियों को आपसी समन्वय तथा निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते हुए कोषांगों के दायित्व निर्वहन का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा व्यय-लेखा कोषांग को सक्रिय होकर निर्वाचन के दौरान अभ्यर्थी द्वारा किए गए दैनिक निर्वाचन व्यय का अनुवीक्षण एवं सम्पूर्ण रेकॉर्ड संधारण का निर्देश दिया गया। हेल्पलाइन एवं जन शिकायत कोषांग-सह- नियंत्रण कक्ष को चुनाव के दौरान सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया गया। आमजनों, मतदाताओं, अभ्यर्थियों या राजनीतिक दालों से किसी भी प्रकार की जानकारी, सहायता या शिकायत प्राप्ति पर ससमय निष्पादन का निर्देश दिया गया।

नव प्रोन्नत 464 एएसआई को बैज पहनाकर किया सम्मानित

रांची(बिभा)। रांची के काके रोड स्थित पुलिस लाइन में बुधवार को पीपिंग सेरेमनी आयोजित की गई। इसमें नव प्रोन्नत 464 एएसआई को बैज पहनाकर सम्मानित किया गया। मौके पर एसएसपी ने कहा कि नवप्रोन्नत एएसआई ऐसा बदलाव लायें, जिससे खुद के साथ-साथ रांची पुलिस की एक अच्छी छवि बन सके। सम्मानित किये गये नवप्रोन्नत पुलिसकर्मियों में खुशी साफ झलक रही थी। इस मौके पर एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, सिटी एसपी राजकुमार मेहता, कोतवाली डीसीपी प्रकाश सोय और सदर डीएसपी संजीव बेसरा सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

सिलाफारी क्षेत्र से पेड़ से टंगा काँटी के युवती का शव बरामद, परिजन लगा रहे हत्या की आशंका

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के कर्रा थाना क्षेत्र के काँटी पोड़ा टोली निवासी एक युवती का सड़ा गला दुर्गन्धित शव सिलाफारी पाहन टोली स्थित जंगली क्षेत्र के डऊ पेड़ में दुपट्टे से टंगा मंगलवार शाम को कर्रा पुलिस ने बरामद किया है। मृतक महिला की पहचान कांटी पोढ़ाटोली निवासी मैनेजर लोहरा की पत्नी बुधन देवी (22वर्ष) के रुप में की गई परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, उन्होंने बताया कि बुधन देवी दुर्गा पूजा के दिन से अपने ससुराल? कांटी पोड़ा टोली से लापता थी। बुधन देवी दुर्गा पूजा देखने के लिए अपने मायके खूँटी टोंड़ाकेल जाना चाहती थी। वहीं लड़की बुधन देवी के पिता दुर्गा पूजा के दिन कांटी पोढ़ाटोली गये थे लेकिन पति मैनेजर लोहरा बच्चे को लेकर कहीं चला गया तो उसके पीछे बुधन देवी भी उसके पीछे खोजने चली गयी। वहीं बुधन के पिता बुधन के लौटने का इंतिजार किये पर वो नहीं लौटी तो वो वापस घर लौट आए। बुधन देवी फोन करके पिता को बुलायी थी और मायके आकर ही कुछ बतलाना चाहती थी ? लेकिन खूँटी टोड़ाकेल नहीं पहुँच पायी। मृतक महिला के पिता दुर्गा लोहरा के बेटी के ससुराल पहुँचाने पर बेटी को ससुराल पर नहीं पाया गया। जिसके बाद मायके के बुधन देवी की खोजबीन करने लगे लेकिन कुछ पता नहीं चला। वहीं मंगलवार शाम को कांटी पोड़ा टोली के पास पेड़ में लटका बुधन देवी शव की सूचना परिजनों व कर्रा थाना को मिला। जिसके बाद कर्रा पुलिस कांटी पोड़ा टोली पहुँचकर शव को कब्जे में करके कर्रा थाना लाया गया। जिसे बुधवार को कर्रा पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूँटी भेजा। जिसपर मृतक महिला के परिजन हत्या का मामला बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि पति सहित सास ससुर व बड़ा जेठ मृतक महिला के साथ काफी परेशान कर रहे थे और जिसे हमेशा मारपीट करते रहते थे। परिजनों का कहना है कि बुधन? देवी ने आत्महत्या नहीं की बल्कि उसकी हत्या हुई है। मृतक का चेहरा पूरा गला हुआ है और फाँसी के जगह पर जमीन में खून काफी निशान देखा गया है। जिसे छिपाने का काम किया जा रहा है और प्रशासन का भी सहयोग नहीं मिल रहा है। जबकि यह जाँच का विषय है।

आदर्श आचार संहिता अनुपालन कराने के लिए अनुमण्डल पदा. ने बैठक कर दिए दिशा निर्देश

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में आगामी विधानसभा निर्वाचन को लेकर लगाए गये आचार संहिता का शत प्रतिशत अनुपालन कराने के लिए बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी सह आदर्श आचार संहिता कोषांग के वरीय प्रभारी पदाधिकारी दीपेश कुमारी द्वारा अपने अनुमंडल कार्यालय कक्ष में सभी संबंधित पदाधिकारियों संग बैठक किया गया। बैठक में उन्होंने जिले में आदर्श आचार संहिता के तहत जारी सभी गाइडलाइंस का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने को लेकर पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि फ्लाइंग स्क्वायड टीम, स्टेटिक सर्विलांस टीम समेत अन्य संबंधित पूरी सक्रियता से अपने दायित्व का निर्वहन करें। जारी निषेधाज्ञा का अनुपालन कराने के अतिरिक्त चेकिंग अभियान समेत अन्य कार्रवाई प्राथमिकता के आधार पर करें एवं किए जाने वाले सभी कार्रवाई का ससमय रिपोर्ट साझा करें। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने पर संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की भी बात कही गई। बैठक में मुख्य रूप से डीसीएलआर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी समेत आदर्श आचार संहिता के अन्य सभी प्रभारी पदाधिकारी एवं सहायक पदाधिकारी/ कर्मी उपस्थित थे।

हटिया रेलवे स्टेशन से भारी मात्रा में गांजा जब्त

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया रेलवे स्टेशन से भारी मात्रा में गांजा जब्त किया है। आरपीएफ रांची के सहायक सुरक्षा आयुक्त अशोक कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि ऑपरेशन नारकोस के तहत हटिया स्टेशन पर आरपीएफ पोस्ट हटिया, आरपीएफ रांची की फ्लाइंग टीम और जीआरपी हटिया की ओर से संयुक्त जांच की गई। चेकिंग के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या दो पर दो ट्रॉली बैग, दो पिट्ठू बैग और एक बैग कुछ भारी चीज पड़ी हुई दिखाई पड़ी। इसका कोई वारिस आसपास नहीं था। यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों से उक्त बैग के बारे में पूछा गया लेकिन कोई भी दावेदार के रूप में सामने नहीं आया। संदेह होने पर, सभी पांच बैग को एक-एक करके खोला गया। बैग से मिले 20 पैकेटों का डीडी किट से परीक्षण किया गया जो पॉजिटिव पाया गया। जब्त गांजा का वजन कुल 41 किलोग्राम पाया गया, जिसका अनुमानित कीमत 4,10,000 रुपये आंका गया।

आचार संहिता अनुपालन के लिए जमा कराया जाने लगा है लाईसेंसी अग्नेयास्त्र

बिभा संवाददाता

खूँटी । आगामी विधानसभा निर्वाचन के कारण लगे आचार संहिता अनुपालन को लेकर पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निर्देश पर जिले के विभिन्न थाना में अग्नेयास्त्र धारियों को उनके लाइसेंस व शस्त्र को जमा किया जाना शुरू हो गया है। जिसमें बुधवार को कर्रा व जरियागढ़ थाना में आर्म्स धारियों को बुलाकर उनके लाईसेंस एवं आर्म्स की जाँच की गयी। इसे जाँच करने के लिए जिला कार्यपालक दंडाधिकारी अनुराधा कुमारी जरियागढ़ थाना पहुँची और आर्म्स धारियों को बुलाकर उनके लाईसेंस एवं आर्म्स की जाँच की। उन्होंने कहा कि आदर्श चुनाव संहिता लागू होने के कारण सभी आर्म्स धारियों को निकटतम थाना या गन हाउस में शस्त्र को जमा कर थाना में जमा शस्त्र का रशीद ले लें। मौके पर कार्यपालक दंडाधिकारी अनुराधा कुमारी जरियागढ़ थाना प्रभारी राजु कुमार एवं कर्रा थाना में पदाधिकारी व अन्य लोग उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में फादर फुलजेम्स बागे की मौत, आज हस्सा में होगा अंतिम संस्कार

बिभा संवाददाता

खूँटी । जरिया थाना क्षेत्र के डोड़मा-गोविन्दपुर मुख्य सड़क में राजकीय उच्च विद्यालय डहकेला के निकट दो बाईक के आमने सामने भिड़ंत से रोमन कैथोलिक चर्च के फा जेम्स फुलजेम्स बागे की मृत्यु घटना स्थल पर हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पल्सर मोटरसाइकिल जेएच-01 बीडी 6038 एवं अपाची मोटर साइकिल जेएच-01ईएक्स 2738 के बीच बुधवार की शाम में डोड़मा डोड़मा की ओर से जम्हार स्थित चर्च जा रहे थे। इसी क्रम में कुरीद गाँव समीप मुख्य सड़क पर दो बाईक के आमने सामने टक्कर से जम्हार के फा. जेम्स फुलजेम्स बागे की मृत्यु हो गयी। जो विपरीत दिशा से आ रहे मोटरसाइकिल से टकराकर गिर गए। जिसे सदर अस्पताल खूँटी लाया गया जहाँ चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं जरिया गढ़ थाना द्वारा दोनों बाईक को जरियागढ़ थाना में लाया गया है।

खूँटी धर्म प्रांत बिकर जनरल फा विशु बेंजामिन आईंद ने बताया कि मृतक फादर फुलजेम्स बागे नोर्बटाइन समाज के पुरोहित भी थे। जो कोलेबिरा के डोमटोली गाँव के निवासी जोहन बागे के चार बेटों में सबसे बड़े बेटे थे। जो मृदुभाषी व अपने कर्मों से ईश्वरीय कार्यों को पूरा करनेवाले दृढ़ निश्चयी व्यक्तित्व के धनी थे। वहीं शव का अन्त्यपरिक्षण कराकर हस्सा गाँव स्थित पारिस भेज दिया गया जहाँ आज स्व जेम्स फुलजेम्स बागे के पार्थिव देह का अंतिम संस्कार हस्सा गाँव स्थित पारिस परिसर में किया जाएगा। इनके निधन पर फा एलियाजर सोय, फा सुनील कण्डुलना, प्रकाश मिंज, खूँटी धर्म प्रांत बिकर जनरल फा विशु बेंजामिन आईंद, बिशप बिनय कण्डुलना व उनके हापट अरुल अमल राज, मुरहू प्रखण्ड के प्रमुख अरुण साबू, पूर्व उपप्रमुख सुबोध मांझी, आदि अनेक लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

आचार संहिता का अनुपालन के लिए हटाए जा रहे बैनर पोस्टर

बिभा संवाददाता

खूँटी । चुनाव आयोग द्वारा झारखंड में आचार संहिता लगने के साथ ही आदर्श आचार संहिता का पालन करने की दृष्टिकोण से उपायुक्त के निर्देश पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी की अगुवाई में नगर पंचायत क्षेत्र सहित अन्य क्षेत्रों में सरकारी जगह पर लगाए गए बैनर पोस्टर को हटाया गया। वही किसी भी दलों का या राजनीति व्यक्ति के बैनर पोस्टर और पार्टी संगत कार्यों के उल्लेख पोस्टर को सार्वजनिक जगहों से हटाया गया। साथ ही निर्देश दिया गया है कि राजनीतिक दलों से संबंधित व्यक्ति अपने बैनर पोस्टर झंडा पताका आदि हटा लें। इसके लिए उन्हें आचार संहिता लागू होने के 48 घंटे का समय दिया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के अनुपालन के दृष्टिकोण से पूरे क्षेत्र से राजनीति से संबंधित सभी बैनर पोस्टर हटाए जाने हैं। अप 48 घंटे के अंदर सभी जगह से सभी बैनर पोस्टर पता का झंडा आदि हटा दिये जाएंगे। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और निष्पक्ष निर्वाचन और मतदान पर्व में भाग लेने के लिए लोगों को जागृत भी कराया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक मतदाता मतदान करने के लिए निकलें और अपने विचार के अनुसार उम्मीदवार का चयन कर सकें। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने बताया कि आचार संहिता का अनुपालन के लिए राजनीतिक दलों के लोगों के द्वारा लगाया गया बैनर पोस्टर को हटाने का निर्देश दे दिया गया है। वहीं जनजागरण के कार्य जिले भर में शुरू कर दिया गया है।

पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जन जागरण अभियान पर कितना होगा आनेवाले दिनों में असरकारक

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिलेभर में लगातार पुलिस प्रशासन द्वारा जनजागरण अभियान जारी है। जिसमें पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निर्देश पर विभिन्न थाना क्षेत्रों में स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा जनजागरण की बात कही जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को अवैध अफीम की खेती नहीं करने, डायन बिसाही कुप्रथा, मानव तस्करी, मॉब लिंचिंग, सड़क सुरक्षा ,डायल 112 संबंधित विषयों पर मुरहू थाना क्षेत्र अंतर्गत सरवादा स्थित संत जेवियर उच्च विद्यालय में विद्यार्थियों के बीच कानूनी जानकारी दी गयी। वहीं जिले के अफीम प्रभावित थाना क्षेत्र रहे मारंगहादा थाना क्षेत्र के ग्राम डाढ़ीगुटू एवं लांदुप पंचायत के मुखिया की उपस्थिति में ग्रामीणों को अफीम के खेती से होने वाले दुष्प्रभाव की जानकारी दी गयी। साथ ही, डायन बिसाही कुप्रथा और डायल-112 संबंधित विषयों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। लेकिन इसका प्रभाव जनता के बीच कितना पड़ता है यह कितना समझ में आता है यह आने वाले दिनों में अफीम की खेती से ही पता चलेगा कि पुलिस प्रशासन जनता को कितना समझ पाई हो या फिर समझा पाने में नाकामयाब रही है।

बीएसएनएल : कहीं भीतरघात का शिकार तो नहीं?

निर्मल रानी

यदि बी एस एन एल में ही सर्वोच्च पदों पर बैठे अधिकारियों की साजिश के चलते और उनकी उद्योगपतियों व कॉर्पोरेट घरानों से मिली भगत के परिणाम स्वरूप इस पीएसयू की इतनी दयनीय हालत हो रही है तो ऐसे 'विभीषणों ' का भी बेनकाब होना बेहद जरूरी है। न केवल सरकार बल्कि स्वयं बीएसएनएल कर्मियों को भी इस बात पर नजर रखनी होगी कि भारत सरकार का यह लोकप्रिय केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम बी एस एन एल किन कारणों से अपने उपभोक्ताओं को समुचित सेवायें नहीं दे पा रहा है? बी एस एन एल, कहीं भीतरघात का शिकार तो नहीं?

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) भारत सरकार के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) का एक प्रमुख एवं लोकप्रिय उपक्रम है। बीएसएनएल का स्वामित्व दूरसंचार विभाग के पास है और दूरसंचार विभाग संचार मंत्रालय का एक हिस्सा है। भारत सरकार ही बीएसएनएल की 100% शेयर पूंजी का मालिक भी है। इस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में संचार मंत्रालय का कामकाज अश्विनी वैष्णव देख रहे हैं जोकि भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री हैं। हालाँकि भारतीय संचार क्षेत्र में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल तथा वोडाफोन आइडिया जैसे और भी कई छोटी व क्षेत्रीय निजी कम्पनीज सक्रिय हैं परन्तु इन सबसे प्रतिस्पर्धा होने के बावजूद आज भी बीएसएनएल को देश में सबसे अधिक उपभोक्ता रखने का गौरव हासिल है।

आंकड़ों के मुताबिक जुलाई 2024 तक बीएसएनएल के पास देश में लगभग 88.512 मिलियन मोबाइल फोन के ग्राहक थे। इसका मुख्य कारण यह भी था कि देश की प्रमुख टेलीकॉम कंपनियों ने जून 24 में ही अपने अपने मोबाइल टैरिफ बढ़ा दिये थे। इनमें रिलायंस जियो ने जहां 27 जून को अपने टैरिफ में 12 से 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी वहीं भारती एयरटेल ने 8 जून को अपना टैरिफ 11 से 21 प्रतिशत तक बढ़ा दिया था। इसी तरह वोडाफोन आइडिया ने भी 29 जून, 24 को अपना टैरिफ 10 से 24 प्रतिशत तक बढ़ा दिया। इसी बढ़ोतरी के फौरन बाद ही बीएसएनएल में 2.93 मिलियन ग्राहकों की वृद्धि हुई। जबकि निजी दूरसंचार कंपनियों को अपने करोड़ों ग्राहकों से हाथ धोना पड़ा। उस समय बीएसएनएल ने पहली बार ग्राहकों की इतनी वृद्धि दर्ज की थी। जून- जुलाई 24 में बीएसएनएल ने लगभग 2.9 मिलियन उपयोगकर्ता अपने साथ जोड़े।

बीएसएनएल को ऐसा ही एक अवसर उस समय भी हाथ लगा था जबकि 2020-2021 में हुये किसान आंदोलन के समय पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश के किसानों द्वारा 2020 में भारतीय संसद द्वारा पारित तीन कृषि अधिनियमों के विरुद्ध आंदोलन चलाया जा रहा था। उस समय किसान, अंबानी-अडानी द्वारा संचालित उद्यमों व उपक्रमों का भी विरोध कर रहे थे।

किसानों का कहना था कि मोदी सरकार अंबानी-अडानी जैसे निजी उद्योगपतियों को फायदा पहुँचाने के लिये ही तीन कृषि अधिनियम लाई है। इसलिये किसानों द्वारा पंजाब, हरियाणा में रिलायंस जियो का भी बड़े पैमाने पर विरोध यहां तक कि बहिष्कार किया जा रहा था। रिलायंस जियो के तो कई मोबाईल टावर्स में भी उस समय तोड़ फोड़ की खबरें आई थीं। बहरहाल जिन उपभोक्ताओं को लुभाने के लिए निजी कम्पनीज सैकड़ों हजारों करोड़ रुपए विज्ञापन या प्रलोभन में खर्च करती हैं वही उपभोक्ता बिना किसी प्रयास के बीएसएनएल को स्वयं ही मिल रहे थे इससे बड़ी लोकप्रियता की बात बीएसएनएल के लिये और क्या हो सकती है?

परन्तु चिंता का विषय है कि देश का सबसे बड़ा संचार नेटवर्क होने के बावजूद नेटवर्क और स्पीड दोनों ही मामलों में बीएसएनएल अपने में सुधार नहीं कर पा रहा है। उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल व हरियाणा यहाँ तक कि चंडीगढ़ में तो इसकी गति नाममात्र है। सवाल यह है कि देश का सबसे बड़ा व सबसे साधन संपन्न नेटवर्क व सबसे अधिक टावर्स रखने के बावजूद आखिर क्या वजह है कि गांव में तो दूर शहरों तक में इसके पूरे मोबाईल सिग्नल नहीं आ पाते? आज के युग में जबकि 5 -10 रुपये से लेकर लाखों रुपए तक की लेनदेन मोबाईल गूगल या पे फोन जैसे माध्यमों से की जा रही हो, ऐसे में अन्य निजी कम्पनीज की ही तरह बीएसएनएल का भी राष्ट्रव्यापी नेटवर्क तीव्र गति के साथ उपलब्ध होना बेहद जरूरी है। परन्तु एक तरफ तो देशभक्ति का जज्बा रखने वाले ग्राहकों का बीएसएनएल की ओर आकर्षित होना और दूसरी तरफ बीएसएनएल द्वारा अपने ग्राहकों की जरूरतों और नेटवर्क व स्पीड की कमी के चलते उन्हें होने वाली परेशानियों की अनदेखी करना या इसका तत्काल समाधान न करना बीएसएनएल के ग्राहकों के मन में संदेह जरूर पैदा करता है।

दरअसल पिछले एक दशक से ऐसी तमाम खबरें आ रही हैं जिनसे यह पता चलता है कि सरकारें उद्योगपतियों व कॉर्पोरेट घरानों की हितैषी के रूप में काम कर रही हैं। जिसतरह विद्युत, रेल, बंदरगाह, इन्शुरन्स, बैंकिंग, तेल, गैस, कोयला, सैन्य सामग्री, विमानन व संचार जैसे अनेक क्षेत्रों में सरकारों की सरपरस्ती में उद्योगपतियों व कॉर्पोरेट घरानों का दखल बढ़ा है और देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी इन उद्योगपतियों के लिये व्यवसायिक आधार तैयार कर कई देशों में इन्हें माइनिंग, बिजली व निर्माण आदि के ठेके दिलवाये गये हैं उन्हें देखकर यह संदेह होना भी स्वभाविक है कि कहीं बीएसएनएल को बदनाम करने व इसे कमजोर करने के लिये ही तो यह षड़यंत्र किसी बड़ी व सत्ता संरक्षित साजिश के तहत तो नहीं किया जा रहा?

यदि बीएसएनएल ईमानदारी से चाहे तो कम से कम समय में अपने उपभोक्ताओं को हो रही इन परेशानियों से निजात दिला सकता है। और यदि बीएसएनएल की ओर से पूरे देश के हर कोने तक अपना नेटवर्क व पूरा सिग्नल पहुंचा दिया जाये और उसकी गति में सुधार कर दिया जाये तो निश्चित रूप से निजी कम्पनीज की तरफ से अभी और भी करोड़ों उपभोक्ता अपना मुंह फेर लेंगे। परन्तु सत्ता में बैठे उद्योगपतियों के वे शुभचिंतक जो वास्तव में सरकार में उद्योगपतियों व कॉर्पोरेट घरानों के हितों के न केवल पैरोकार हैं बल्कि सच पूछिए तो उन्हीं के सीधे प्रतिनिधि के रूप में सत्ता में अहम पदों पर बैठे हुये हैं। ऐसे लोगों के सत्ता के शीर्ष पदों पर रहते क्या बीएसएनएल, प्रमुख निजी टेलीकॉम कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा कर सकेगा? बीएसएनएल मोबाइल के मौजूदा नेटवर्क तथा उसकी मंद गति को देखकर इस बात पर संदेह होना स्वाभाविक है। और यदि बी एस एन एल में ही सर्वोच्च पदों पर बैठे अधिकारियों की साजिश के चलते और उनकी उद्योगपतियों व कॉर्पोरेट घरानों से मिली भगत के परिणाम स्वरूप इस पीएसयू की इतनी दयनीय हालत हो रही है तो ऐसे 'विभीषणों ' का भी बेनकाब होना बेहद जरूरी है। न केवल सरकार बल्कि स्वयं बीएसएनएल कर्मियों को भी इस बात पर नजर रखनी होगी कि भारत सरकार का यह लोकप्रिय केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम बी एस एन एल किन कारणों से अपने उपभोक्ताओं को समुचित सेवायें नहीं दे पा रहा है? बी एस एन एल, कहीं भीतरघात का शिकार तो नहीं?

संपादकीय

सरकार का सख्त रुख

भारत और कनाड़ा के बीच कूटनीतिक टकराव ने नया मोड़.ले लिया है। सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े.आरोपों के कारण भारत ने कनाड़ा के छह राजनयिकों को निष्कासित करने से पहले उच्चायुक्त और कुछ अधिकारियों को कनाड़ा से वापस बुलाने का फैसला किया। विदेश मंत्रालय ने कनाड़ा के प्रभारी राजदूत स्टीवर्ट वीलर को तलब किया और स्पष्ट रूप से चेताया कि भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा और अन्य राजनयिकों एवं अधिकारियों को निराधार तरीके से निशाना बनाया गया जो नई दिल्ली को पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हाल के वर्षों में दूसरा अवसर है जब किसी पश्चिमी देश के राजनयिक को इस तरह की फटकार लगाई गई है। इससे पहले दिसम्बर, 2020 में भी कनाड़ा के राजदूत को विदेश मंत्रालय ने फटकार लगाई थी। उस दौरान कनाड़ा ने भारत के किसान आंदोलन को लेकर मानवाधिकारों के हनन की बात कही थी। इस बार भारत के सख्त रुख को लेकर विदेश नीति के जानकारों का नजरिया अलग-अलग है। एक मत यह है कि भारत ने कनाड़ा ही नहीं, बल्कि अमेरिका को भी संदेश दिया है। वस्तुतः खालिस्तानी अलगाववादी निज्जर को लेकर कनाड़ा और अमेरिका दोनों आरोप लगाते रहे हैं कि निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों का हाथ है। इस संबंध में भारत ने कनाड़ा से सबूत मांगे हैं, लेकिन उसने कोई सबूत नहीं दिया। प्रधानमंत्री ट्रूड़ो सिखों के वोट के लिए इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगाते रहते हैं। जाहिराना तौर पर कनाड़ा के नेताओं के बयानों को भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के रूप में देखा गया था और विदेश मंत्रालय ने इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज की थी। हालांकि भारत और कनाड़ा के बीच व्यापक रिश्ते रहे हैं, लेकिन खालिस्तानी आंदोलन से जुड़े.सिखों द्वारा भारत में स्वतंत्र सिख राष्ट्र-राज्य की मांग के कारण दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण रहे हैं। कनाड़ा में सिख आबादी खासी है। ट्रूड़ो राजनीतिक फायदे के लिए सिखों का समर्थन करते रहते हैं। इस बार मोदी सरकार के सख्त रुोख से दोनों देशों के कूटनीतिक रिश्ते खत्म होने के कगार पर हैं। वास्तव में पश्चिमी देशों का सत्ता प्रंतिष्ठान, सिविल सोसाइटी और मीड़िया का रुोख भारत की राष्ट्रवादी मोदी सरकार के प्रति अनुकूल नहीं रहा है। वे किसी न किसी मुद्दे को लेकर मोदी सरकार को निशाना बनाने की कोशिश करते रहते हैं। अब मोदी सरकार ने ऐने लोगों के प्रति 'भय बिन होए न प्रीति' की नीति अपनाई है।

चिंतन-मनन

भक्त के भीतर रहते हैं कृष्ण

जब भगवान चैतन्य बनारस में हरे कृष्ण महामंत्र के कीर्तन का प्रवर्तन कर रहे थे, तो हजारों लोग उनका अनुसरण कर रहे थे।

तत्कालीन बनारस के अत्यंत प्रभावशाली और विद्वान प्रकाशानंद सरस्वती उनको भावुक कहकर उनका उपहास करते थे। कभी-कभी भक्तों की आलोचना दार्शनिक यह सोचकर करते हैं कि भक्तगण अंधकार में हैं और दार्शनिक दृष्टि से भोले-भाले भावुक हैं, किंतु यह तथ्य नहीं है। ऐसे अनेक बड़े-बड़े विद्वान पुरुष हैं, जिन्होंने भक्ति का दर्शन प्रस्तुत किया है। किंतु यदि कोई भक्त उनके इस साहित्य का या अपने गुरु का लाभ न भी उठाए और यदि वह अपनी भक्ति में एकनिष्ठ रहे, तो उसके अंतर से कृष्ण स्वयं उसकी सहायता करते हैं।अतः कृष्णभावनामृत में रत एकनिष्ठ भक्त ज्ञानरहित नहीं हो सकता। इसके लिए इतनी ही योग्यता चाहिए कि वह पूर्ण कृष्णभावनामृत में रहकर भक्ति संपन्न करता रहे। आधुनिक दार्शनिकों का विचार है कि बिना विवेक के शुद्ध ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। उनके लिए भगवान का उत्तर है- जो लोग शुद्धभक्ति में रत हैं, भले ही वे पर्याप्त शिक्षित न हों तथा वैदिक नियमों से पूर्णतया अवगत न हों, किंतु भगवान उनकी सहायता करते ही हैं। भगवान अजरुन को बताते हैं कि मात्र चिंतन से परम सत्य भगवान को समझ पाना असंभव है, क्योंकि भगवान इतने महान हैं कि कोरे मानसिक प्रयास से उन्हें न तो जाना जा सकता है, न ही प्राप्त किया जा सकता है। भले ही कोई लाखों वर्षों तक चिंतन करता रहे, किंतु यदि भक्ति नहीं करता, यदि वह परम सत्य का प्रेमी नहीं है, तो उसे कभी भी कृष्ण या परम सत्य समझ में नहीं आएंगे।परम सत्य, कृष्ण, केवल भक्ति से प्रसन्न होते हैं और अपनी अचिंत्य शक्ति से वे शुद्ध भक्त के हृदय में स्वयं प्रकट हो सकते हैं।शुद्धभक्त के हृदय में तो कृष्ण निरंतर रहते हैं और कृष्ण की उपस्थिति सूर्य के समान है, जिसके द्वारा अज्ञान का अंधकार तुरंत दूर हो जाता है।

अन्तर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवसः गरीबी के शर्म के कलंक को धोना होगा

अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस हर साल 17 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने की शुरूआत 17 अक्टूबर, 1987 को हुई थी। उस दिन, पेरिस के ट्रोकाडेरो में एक लाख से ज्यादा लोग इकट्ठा हुए थे। इस दिन को मनाने का मकसद, अत्यधिक गरीबी, हिंसा, और भूख से पीड़ित लोगों को सम्मानित जीवन उपलब्ध कराना है। इस दिवस की 2024 की थीम है, ह्यसामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार को समाप्त करना, न्यायपूर्ण, शांतिपूर्ण और समावेशी समाज के लिए मिलकर कार्य करना।ह्न यह दिन गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की जरूरत पर जोर देता है। इस दिवस का मकसद गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनना, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करना और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर जोर देना भी है। जो गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है। गरीबी को खत्म करना सिर्फ. गरीबों की मदद करना नहीं है - बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है। गरीबी किसी व्यक्ति के मानवाधिकारों का हनन है। यह न केवल अभाव, भूख और पीड़ा का जीवन जीने की ओर ले जाती है, बल्कि मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं के आनंद का भी बड़ा अवरोध है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2022 के अंत तक विश्व की 8.4 प्रतिशत जनसंख्या, या लगभग 670 मिलियन लोग, अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे। अनुमान है कि वैश्विक जनसंख्या का लगभग 7 प्रतिशत लगभग 575 मिलियन लोग 2030 तक भी अत्यधिक गरीबी में फंसे रह सकते हैं।

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार देना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत दस वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। वर्ष 2005 से 2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है। वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार भारत में कुल 23 करोड़ गरीब हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि तमाम कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद गरीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नए विचारों एवं कल्याणकारी योजनाओं पर विमर्श के साथ गरीबों के लिये आर्थिक स्वावलम्बन-स्वरोजगार की आज देश को सख्त जरूरत है। गरीबों को मुफ्त की रेवड़िया बांटने एवं उनके वोट बटोरने की स्वार्थी राजनीतिक मानसिकता से उपरत होकर ही गरीबमुक्त संतुलित समाज संरचना की जा सकती है।

गरीबी पहले भी अभिशाप थी लेकिन अब यह संकट और गहराया है। गरीबी केवल भारत की ही नहीं, बल्कि दुनिया की एक बड़ी समस्या है। गरीबी एक गंभीर बीमारी है, किसी भी देश के लिए गरीबी एक बदनुमा दाग है। जब किसी राष्ट्र के लोगों को रहने को मकान, जीवन निर्वाह के लिये जरूरी भोजन, कपड़े, दवाइयां आदि जैसी चीजों की कमी महसूस होती है, तो वह राष्ट्र गरीब राष्ट्र की श्रेणी में आता है। इस गरीबी से मुक्ति के लिये सरकारें व्यापक प्रयत्न करती हैं। हम जिन रास्तों पर चल कर एवं जिन योजनाओं को लागू करते हुए देश में समतामूलक संतुलित समाज निर्माण की आशा करते हैं वे योजनाएं विषम और विषभरी होने के कारण सभी कुछ अभिनय लगता है, छलावा लगता है, भ्रम एवं फरेब लगता है। सब नकली, धोखा, गोलमाल, विषमताभरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लोक राज्य, स्वराज्य, सुराज्य, रामराज्य का सुनहरा स्वप्न ऐसी नींव पर कैसे साकार होगा? क्योंकि यहां तो सारे राजनीति दल एवं लोकतंत्र को हांकने वाले सब अपना-अपना साम्राज्य खड़ा करने में लगे हैं। विश्व की सारी संपदा, सारे संसाधन गरीबी को मिटाने में लगते तो आज स्थिति बहुत भिन्न होती, किन्तु बीच में सत्ता की लालसा एवं विश्व पर साम्राज्य स्थापित करने की महत्वाकांक्षाओं ने व्यवधान खड़े कर दिये। इसी कारण जो संपदा है, वह मानव को सुखी, संतुलित या सामान्य बनाने की दिशा में नहीं लगी, संहारक अस्त्रों के निर्माण, आतंकवाद एवं युद्ध की मानसिकता में लगी। एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र को भयभीत रखने में अपनी ऊर्जा खपा रहा है, न कि गरीब इंसान की गरीबी दूर करने में।

आज का भौतिक दिमाग कहता है कि घर के बाहर और घर के अन्दर जो है, बस वही जीवन है। लेकिन राजनीतिक दिमाग मानता है कि जहां भी गरीब है, वही राजनीति के लिये जीवन है, क्योंकि राजनीति को उसी से जीवन ऊर्जा मिलती है। यही कारण है कि इस देश में सतहत्तर साल के बाद भी गरीबी कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है, जितनी गरीबी बढ़ती है उतनी ही राजनीतिक जमीन मजबूती होती है। क्योंकि सत्ता पर काबिज होने का मार्ग गरीबी के रास्ते से ही आता है। बहुत बड़ी योजनाएं इसी गरीबी को खत्म करने के लिये बनती रही हैं और आज भी बन रही हैं। लेकिन गरीब खत्म होते गये और गरीबी आज भी कायम है। सरकारी योजनाओं की विसंगतियां ही है कि गांवों में जीवन ठहर गया है। बीमार, अशिक्षित, विपन्न मनुष्य मानो अपने को ढो रहा है। कह तो सभी यही रहे हैं--बाकी सब झूठ है, सच केवल रोटी है। रोटी केवल शब्द नहीं है, बल्कि बहुत बड़ी परिभाषा समेटे हुए है अपने भीतर। जिसे आज का मनुष्य अपनी सुविधानुसार परिभाषित कर लेता है। रोटी कह रही है-मैं महंगी हूँ तू सस्ता है। यह मनुष्य का घोर अपमान है। रोटी कीमती, जीवन सस्ता। मनुष्य सस्ता, मनुष्यता सस्ती। और इस तरह गरीब को अपमानित किया जा रहा है, यह सबसे बड़ा खतरा है। गरीब यानी जिसके पास धन उसकी जरूरत से कम हो या जो दो वक्त की रोटी की जुगाड़ नहीं कर सकता। जो अपनी बूढ़ी मां का इलाज नहीं करवा सकता। जो अपने बच्चों की फीस नहीं भरवा सकता।

गरीबी व्यक्ति को बेहतर जीवन जीने में अक्षम बनाता है। गरीबी के कारण व्यक्ति को जीवन में शक्तिहीनता और आजादी की कमी महसूस होती है। गरीबी उस स्थिति की तरह है, जो व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार कुछ भी करने में अक्षम बनानी है। गरीबी ऐसी त्रासदी एवं दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति है जिसका कोई भी अनुभव नहीं करना चाहता। एक बार महात्मा गांधी ने कहा था कि गरीबी कोई दैवीय अभिशाप नहीं है बल्कि यह मानवजाति द्वारा रचित सबसे बड़ी समस्या है। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए। यहां प्रश्न है कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? जो शिष्य को अच्छे-बुरे का भेद न बता सके, वह गुरु कैसा?

गांधी और विनोबा ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 'सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया। जे. पी. ने जाति धर्म से राजनीति को बाहर निकालने के लिए 'संपूर्ण क्रांति' का नारा दिया। जो उनको दी गई श्रद्धांजलि के साथ ही समाप्त हो गया। 'गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। स्थिति ने बल्कि नया मोड़ लिया है कि जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते हैं, वे सत्ता प्राप्त कर सकते हैं। कैसे समतामूलक एवं संतुलित समाज का सुनहरा स्वप्न साकार होगा? कैसे मोदीजी का नया भारत निर्मित होगा?

-ललित गर्ग

साइबर ठगी का बढ़ता दायरा, सज्जनों पर संकट

विजय कुमार जैन

आधुनिक संचार क्रांति के युग में मोबाइल एवं इंटरनेट जितने लाभदायक हैं उससे ज्यादा हानिकारक भी हैं। मोबाइल एवं इंटरनेट के माध्यम से भारत ही नहीं दुनिया में आए दिन साइबर ठगी की घटनाएं सुनने में आ रही है साइबर अपराध करने वालों की गैंग जानबूझकर ऐसे समय संबंधित को निशाना बनाते हैं जब वह विचार ही नहीं कर पाता और उनके द्वारा जितनी राशि की मांग की जाती है तत्काल उनके खाते में डाल देते हैं। इसके बाद पछतावा ही हाथ रहता है। मैं साइबर ठगी की कुछ घटनाओं का यहां पर उल्लेख करना चाहूंगा गुना जिले में श्री द्वारका प्रसाद शर्मा महिला बाल विकास विभाग में लिपिक हैं, इनको अपरिचित मोबाइल से फोन आया और मोबाइल नंबर का केवाईसी करने की बात कही ओटीपी पूछा और बैंक खाते से रू.16000 निकल लिये ।श्री बलवीर सिंह गुर्जर निवासी साडा कॉलोनी राघौगढ़ सेवानिवृत्त गुना तहसीलदार रीडर इनके पंजाब नेशनल बैंक शाखा साडा कॉलोनी राघौगढ़ के खाते में किसी ने रू.1 जमा किया उन्होंने जैसे ही मोबाइल खोलकर बैंक अकाउंट देखा उनके बैंक खाते से पहली बार रुपए 9970, दूसरे बार 9999 कट गए।

उन्होंने तत्काल बैंक शाखा में जाकर अपना खाता ब्लॉक कराया। रुठियाई तहसील राघौगढ़ निवासी रविंद्र सिंह परिहार के पास फोन आया और बताया कि आपका बेटा पुलिस थाने में बैठा है उन्होंने कहा कि मेरा बेटा तो नौकरी पर है उधर से कहा आपका बेटा एक लड़की के साथ होटल में अनैतिक कार्य करते हुए पकड़ा गया है। अपने बेटे को बचाना है तो तत्काल तीन लाख रुपए खाते में डालो। उन्होंने अपनी पत्नी से कहा बेटे को फोन लगाओ। उन्होंने बेटे से पूछा कहां हो बेटे कहा कि मैं तो ऑफिस में हूं फिर उन्होंने जिनका फोन आया था बेटा का फोन कनेक्ट कर बात करवायी। बेटे ने उनसे भला बुरा कहा तब फोन काट दिया।एक सेवानिवृत अधिकारी जिनकी लड़की इंदौर में पढ़ती है घटना चार माह पुरानी है उनके पास फोन आया आपकी बेटी थाने में बैठी है अनैतिक स्थिति में होटल में पकड़ी है उन्होंने दूसरे नंबर से बेटी को फोन लगाया बेटी कॉलेज में थी फोन बंद था इस कारण बात नहीं हो सकी। जिनका फोन आया था उन्होंने कहा अपनी बेटी को बचाना चाहते हो तो तत्काल रू 6 लाख रुपए खाते में डालो घबराहट में उन्होंने तीन लाख रुपये खाते में भेज दिये ।फिर लड़की का फोन आया कि पापा जी फोन क्यों किया। तब उन्होंने सारी घटना बतायी। उनके साथ साइबर ठगी हो गई ।मैं स्वयं भी साइबर ठगी से होते-होते बचा फोन आया मेरे से कहा कि आपके मोबाइल नंबर की केवाईसी होना है मैंने उनसे कहा मेरा नंबर तो एयरटेल का है अब बी एस एन एल में केवाईसी क्यों हो रही है तो उधर से जवाब आया आपकी सिम पुरानी है पहले बी एस एन एल की थी इसलिए आपको 24 घंटे के अंदर केवाईसी करना आवश्यक है अन्यथा सिम बंद हो जाएगी ।मैंने उनसे पूछा कि मुझे क्या करना है उन्होंने कहा कि हम आपको एक प्रोफार्मा भेज रहे हैं उसमें हम जो जानकारी पूछे उनका आप मोबाइल चालू रखकर हमें जवाब देते जाएं। मैंने उनके कुछ प्रश्नों के उत्तर दिए थोड़ी देर बाद मेरी पौत्री 14 वर्षीय तन्वी जैन मेरे पास आई और बोली दादाजी मुझे ऐसा लग रहा है आप साइबर ठगी के शिकार होने वाले हैं। आप तत्काल इस नंबर को काट दें और इस नंबर को ब्लॉक कर दें। इस प्रकार में साइबर ठगी से बच पाया । साइबर ठगी की ही यह घटना मेरे मित्र श्री राघवेंद्र सिंह परिहार सेवानिवृत्ति कृषि अधिकारी राघौगढ़ ने मुझे बताया मैं ऑनलाइन दवाइयां मंगाता था। उनके लिए अपरिचित नंबर से फोन आया और कहा कि आप जिस कंपनी से दवाइयां ऑनलाइन मांगते हैं उस कंपनी ने ड्रा निकाला है ड्रा में आपके नाम कार निकली है आपको बधाईयां।परिहार जी ने उनसे पूछा मुझे क्या करना है उन्होंने कहा कार तो हम आपके लिए कोलकाता में डिलीवरी दे देंगे या फिर आप कहेंगे तो आपके निवास पर पहुंचा देंगे। आपको मात्र इतना करना है आप रजिस्ट्रेशन के पैसे हमारे खाते में डाल दो ।उन्होंने कहा मेरा भतीजा कोलकाता में ही सर्विस में है वह आपसे मिलेगा कहां मिलना है पता आप मुझे भेजिए दूसरी ओर से पता नहीं आया और वह साइबर ठगी से बच गये। पिछले माह एसिया

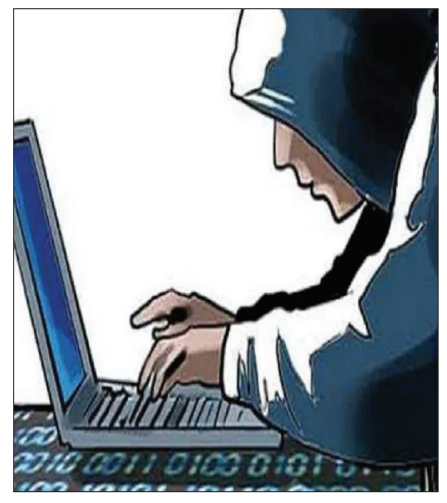

के बड़े उद्योग पति ओसवाल ग्रुप लुधियाना के मालिक की भारत की संभवतः अभी तक की सबसे बड़ी सायवर ठगी हुई। यह ठगी साढ़े सात करोड़ रुपये की थी। इस सायवर ठगी का समाचार देश के अनेक समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित हुआ। वर्तमान में साइबर ठगी की घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है आम भोले भाले नागरिक उनके जाल में फंसकर अपना नुकसान कर रहे हैं। मोबाइल एवं इंटरनेट का उपयोग करते समय हर व्यक्ति की जागरूकता आवश्यक है के वाई सी के झांसे में ना आए ओटीपी ना भेजें।

(लेखक वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं)

कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर लगे पत्थर के बारे में जो बताया जाता है वह कितना सच है

ओडिशा के कोणार्क शहर में प्रतिष्ठित सूर्य मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहरों में शामिल हैं। वैसे तो इस मंदिर का निर्माण हजारों वर्षों पूर्व हुआ माना जाता है लेकिन कई इतिहासकार मानते हैं कोणार्क सूर्य मंदिर का निर्माण 1253 से 1260 ई. के बीच हुआ था। भारत के सुप्रसिद्ध मंदिरों में शुमार कोणार्क सूर्य मंदिर में सूर्य देव को रथ के रूप में विराजमान किया गया है तथा पत्थरों को उत्कृष्ट नक्काशी के साथ उकेरा गया है। स्थानीय लोग यहां सूर्य-भगवान को बिरंचि-नारायण भी कहते थे।

कोणार्क सूर्य मंदिर की खासियत

केसरी वंश के राजा द्वारा निर्मित इस मंदिर की शिल्पकला दर्शनीय है। मंदिर का निर्माण सूर्य के काल्पनिक रथ का रूप देकर किया गया है। सूर्य मंदिर चौकोर परकोटे से घिरा है। इसके तीन तरफ ऊंचे-ऊंचे प्रवेशद्वार हैं। पूरब दिशा में मुख्य द्वार है जिसके सामने समुद्र से सूर्य उदय होता दिखाई पड़ता है। इसमें सूर्य भगवान को अपने विशाल चौबीस पहियों तथा सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर दिनभर की यात्रा के लिए निकलते हुए दिखाया गया है। रथ के सात घोड़ों को सूर्य के प्रकाश के सात रंगों तथा चौबीस पहियों की परिक्रमा के प्रतीक रूप में दिखाया गया है। कोणार्क सूर्य मंदिर ओडिशा के स्वर्णकाल तथा कलिंग शैली की शिल्पकला का प्रतीक है। इस मंदिर की दीवारों पर पत्थर की नक्काशी की हुई अनेक आकर्षक प्रतिमाएं हैं। सूर्य भगवान के रथ की अलंकृत नक्काशी वाला यह बेजोड़ मंदिर भव्यता में अद्भुत है।

कोणार्क मंदिर से जुड़ी अजब कथा

कई कथाओं में इस प्रकार का उल्लेख मिलता है कि कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर एक चुम्बकीय पत्थर लगा है जिसके प्रभाव से, कोणार्क के समुद्र से गुजरने वाले सागरपोत इस ओर खिंचे चले आते हैं, जिससे उन्हें भारी क्षति हो जाती है। एक अन्य कथा में उल्लेख मिलता है कि शिखर पर लगे इस पत्थर के कारण पोतों के चुम्बकीय दिशा निरूपण यंत्र सही दिशा नहीं बता पाते थे इसलिए कुछ आक्रांता इस पत्थर को निकाल कर ले गये जिससे मंदिर को नुकसान हुआ था। हालांकि यह सब कही-सुनी बातें हैं इसका कोई ऐतिहासिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

कोणार्क मंदिर देखने कैसे आएं

यदि आप भी कोणार्क सूर्य मंदिर आना चाहते हैं तो भुवनेश्वर और पुरी से यहां आसानी से आ सकते हैं। ओडिशा पर्यटन विकास निगम की ओर से यहां भ्रमण की भी व्यवस्था कराई जाती है। वैसे कोणार्क में रहने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। पर्यटक चाहें तो भुवनेश्वर से यहां आकर भ्रमण कर के उसी दिन वापस लौट सकते हैं। कोणार्क में रहने के लिए पर्यटन विभाग के लाज, टूरिस्ट बंगला और निरीक्षण भवन भी हैं।

कोणार्क का समुद्र तट भी अवश्य देखें

कोणार्क का समुद्र तट विश्व के सुंदरतम तटों में से एक माना गया है। यहां समुद्र के रेतीले गुट का आनंद उठाया जा सकता है। समुद्र की खूबसूरती निहारते हुए उठती-गिरती लहरों को देखना मंत्रमुग्ध कर देता है। यह एक सुंदर पिकनिक स्थल भी है। समुद्र तट सूर्य मंदिर से तीन किलोमीटर दूर है। इसके अलावा कोणार्क की दुर्लभ कलाकृतियों का संग्रह देखने के लिए मंदिर के पास ही स्थित संग्रहालय भी जा सकते हैं।

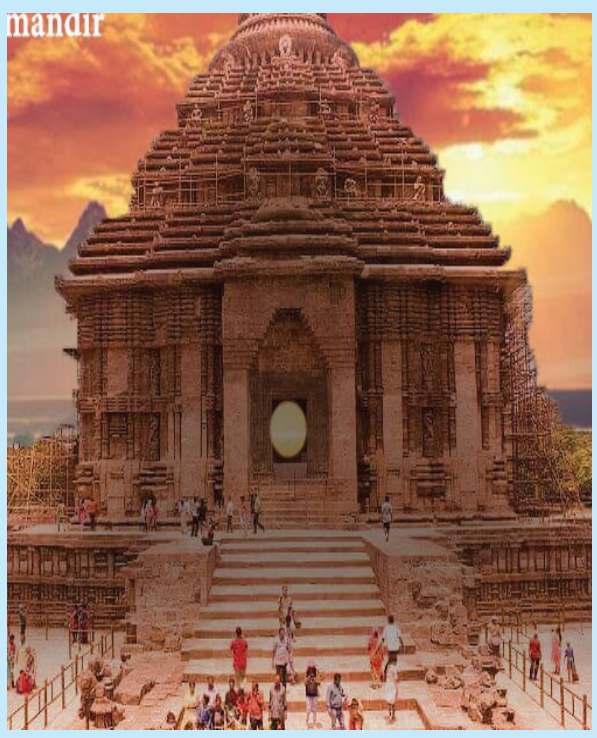

गुजरात का यह मंदिर दिन में दो बार हो जाता है गायब, जानिए क्या है रहस्य

भारत में कई हिस्सों में भगवान शिव के कई प्राचीन मंदिर हैं जहाँ दूर-दूर से लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। लेकिन आज हम आपको भगवान शिव के एक ऐसे अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो दिन में दो बार गायब हो जाता है। जी हाँ, गुजरात में स्थित स्तंभेश्वर मंदिर को 'गायब मंदिर' भी कहा जाता है। देश-विदेश से शिव भक्त अपनी मनोकमना पूर्ण होने की कामना के साथ इस मंदिर में आते हैं। आइए जानते हैं भगवान भोलेनाथ के इस अद्भुत मंदिर के बारे में -

वडोदरा के पास स्थित है स्तंभेश्वर मंदिर

स्तंभेश्वर मंदिर गुजरात के जम्बूसार तहसील में कवि कंबोई गांव में स्थित है। यह मंदिर वडोदरा से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित होने के कारण वडोदरा के पास सबसे लोकप्रिय दार्शनिक स्थलों में से एक है। यह मंदिर लगभग 150 साल पुराना है और इसे %गायब मंदिर% भी कहा जाता है। सालभर मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। खासतौर पर सावन के महीने में इस मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से महादेव के दर्शन करने के लिए यहां आते हैं।

स्कंद पुराण में मिलता है उल्लेख

स्कन्द पुराण में दिए गए उल्लेख के अनुसार स्तम्भेश्वर मंदिर को भगवान कार्तिकेय के ताड़कासुर नाम के राक्षस को नष्ट करने के बाद स्थापित किया था।

कहा जाता है कि राक्षस ताड़कासुर भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त था। उसने भगवान को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या कीऔर भोलेनाथ ने उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर उसे एक वरदान मांगने को कहा। तब ताड़कासुर ने आशीर्वाद माँगा कि भगवान शिव के छह दिन के पुत्र के अलावा कोई भी उसे मार न सके। उसकी इच्छा पूरी होने के बाद, ताड़कासुर ने तीनों लोकों में हाहाकार मचा दिया। तब ताड़कासुर के अत्याचार को समाप्त करने के लिए भगवान शिव ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से भगवान कार्तिकेय की रचना की। ताड़कासुर को मारने वाले भगवान कार्तिकेय भी उसकी शिव भक्ति से प्रसन्न थे। इसलिए, प्रशंसा के संकेत के रूप में, उन्होंने उस स्थान पर एक शिवलिंग स्थापित किया जहां ताड़कासुर का वध किया गया था।

एक अन्य संस्करण के अनुसार, ताड़कासुर को मारने के बाद भगवान कार्तिकेय खुद को दोषी महसूस कर रहे थे क्योंकि ताड़कासुर राक्षस होने के बाद भी भगवान शिव का भक्त था। तब भगवान विष्णु ने कार्तिकेय को यह कहते हुए सांत्वना दी कि आम लोगों को परेशान करके रहने वाले राक्षस को मारना गलत नहीं है। हालाँकि, भगवान कार्तिकेय शिव के एक महान भक्त को मारने के अपने पाप से मुक्त होना चाहते थे। इसलिए, भगवान विष्णु ने उन्हें शिव लिंग स्थापित करने और क्षमा के लिए प्रार्थना करने की सलाह दी।

मंदिर के गायब होने के पीछे है यह वजह

स्तंभेश्वर मंदिर के गायब होने के पीछे की वजह प्राकृतिक है। दरअसल, यह मंदिर समुद्र के किनारे से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। इसलिए दिन में समुद्र का स्तर इतना बढ़ जाता है कि मंदिर जलमग्न हो जाता है। फिर कुछ जो देर में जल का स्तर घट जाता है जिससे मंदिर फिर से दिखाई देने लगता है से प्रकट होता है। चूंकि समुद्र का स्तर दिन में दो बार बढ़ जाता है इसलिए मंदिर हमेशा सुबह और शाम के समय कुछ देर के लिए गायब हो जाता है। इस नज़ारे को देखने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से इस मंदिर में आते हैं।

बिना तेल और घी के जलता है दीया, तिरुपति बालाजी मंदिर से जुड़े चमत्कारी रहस्यों के बारे में कितना जानते हैं आप?

भारत में एक ऐसा मंदिर मौजूद है जहाँ भगवान स्वयं विराजमान है। यह मंदिर है भगवान तिरुपति बालाजी का जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मन्दिर भारत के सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में से एक है। तिरुमला की पहाड़ियों पर बना श्री वैंकटेश?वर बालाजी मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के तिरुपति में स्थित है। यह मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है और तिरुपति के सबसे बड़े आकर्षण का केंद्र है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति एक बार यहाँ दर्शन कर ले उसके भाग खुल जाते हैं। इस मंदिर की लोकप्रियता से हर कोई वाकिफ है पर क्या आप मंदिर के चमत्कारी रहस्यों के बारे में जानते हैं। आज हम आपको इन्हीं रहस्यों के बारे में बताने वाले हैं-

मान्यता है कि जब भगवान की पूजा की जाती है तो उनकी मूर्ति मुस्कुराने लगती है। भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति में माता लक्ष्मी भी समाहित है। मान्यता है कि भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर की मूर्ति इस मंदिर में स्वयं प्रकट हुई थी।

कहा जाता है भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति पर लगे हैं बाल असली हैं। यह बाल कभी भी उलझते नहीं हैं और हमेशा मुलायम रहते हैं।

जब आप मंदिर के गर्भ गृह के अंदर जायेंगे तो ऐसा लगेगा कि भगवान श्री वेंकेटेश्वर की मूर्ति गर्भ गृह के मध्य में स्थित है, पर जब आप गर्भ गृह से बाहर आकर मूर्ति को देखेंगे तो प्रतीत होगा कि भगवान की प्रतिमा दाहिनी तरफ स्थित है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है लेकिन फिर भी भगवान की मूर्ति से समुद्र की आवाजें सुनाई देती हैं। यहाँ के लोगों का मानना है कि भगवान की यह मूर्ति समुद्र से प्रकट हुई थी इसलिए इससे समुद्र की आवाज सुनाई देती है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर के द्वार पर एक छड़ी रखी हुई है। इस छड़ी को लेकर अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित है। एक कथा के अनुसार जब भगवान विष्णु धरती पर माता लक्ष्मी को ढूंढने आये थे तो यह छड़ी उन्हें उनका पता बता रही थी।

ऐसी मान्यता है कि यह वहीं छड़ी है जिससे बचपन में भगवान वेंकटेश्वर जी को चोट लगी थी। चोट का निशान आज भी उनकी मूर्ति के चेहरे पर है। इसलिए हर शुक्रवार उनके चेहरे पर चन्दन का लेप लगाया जाता है।

श्री तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में श्रृंगार, प्रसाद के चढ़ाये जाने वाली सामग्री तिरुपति बालाजी के गांव से आती है। यह गांव मंदिर से 23 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यहाँ बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध है।

श्री वेंकेटेश्वर बालाजी मंदिर में एक ऐसा दीया रखा हुआ है जो हमेशा जलता रहता है और चौंकाने वाली बात यह है कि इस दीपक में कभी भी तेल या घी नहीं डाला जाता। दीपक को सबसे पहले किसने और कब प्रज्वलित किया था यह बात अब तक रहस्य बनी हुई है।

सर्दियों में लेना है स्नोफॉल का मजा तो जरूर जाएं भारत की इन 5 खूबसूरत जगहों पर

भारत में कई ऐसी जगहे हैं जो अपनी खूबसूरत वादियों और सर्दियों में बर्फबारी के लिए दुनियाभर में मशहूर हैं। अगर आप अपना विंटर वेकेशन प्लान कर रहे हैं और इस बार परिवार के साथ बर्फबारी का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो आज हम आपको ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं आप स्नोफॉल का मजा ले सकते हैं-

शिमला : स्नोफॉल का जिक्र होते ही हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला का नाम सबसे पहले जहन में आता है। यह स्नोफॉल के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां के हरे भरे पहाड़, ऊंची चोटियां ठंड के दिनों में बर्फ से पूरी तरह ढंककर और भी खूबसूरत दिखते हैं। शिमला को लॉन्ग मून नाइट्स यानी लंबी चांदनी रातों का मौसम भी कहा जाता है। दिसंबर से फरवरी के बीच यहां बर्फबारी का आनंद लिया जा सकता है। इस मौसम में आप यहां स्कींग का भी मज़ा ले सकते हैं। शिमला में आइस स्केटिंग दिसंबर से फरवरी तक होती है।

गुलमर्ग : धरती के स्वर्ग जम्मू-कश्मीर में स्थित गुलमर्ग बेहद खूबसूरत जगह है और यहां बर्फबारी का आनंद लेने का अनुभव बहुत खास होता है। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में चारों तरफ बस बर्फ ही बर्फ दिखती है और इसकी खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में स्कीइंग करने वालों की भी भीड़ जुटती है। यहां की कुदरती खूबसूरती आपका मन मोह लेगी।

औली : उत्तराखंड का सबसे पुराना शहर औली बेहद सुंदर है। बर्फबारी के समय यह किसी स्वपनलोक सा दिखता है। औली भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ स्कीइंग के लिए मशहूर है। यहां देवदार पेड़ों की लंबी कतार है। बर्फ से ढके जंगलों के बीच सैर करके आप अपनी यात्रा को यादगार बना सकते हैं।

कुफरी : शिमला के अलावा हिमाचल प्रदेश में स्थित कुफरी भी स्नोफॉल के दौरान बहुत सुंदर दिखता है और लोग यहां स्कींग के लिए आते हैं। सर्दियों के मौसम में यहां सैलानियों की काफी भीड़ जुटती है। यहां लोग पहाड़ों के बीच रोमांच का मज़ा लेते हैं। हाइकिंग, स्कीइंग, खूबसूरत नजारे, देवदार के लंबे-लंबे पेड़ और सुहानी सर्द हवा का मज़ा लेना है तो कुफरी ज़रूर जाएं।

कुल्लू-मनाली : पॉप्युलर हनीमून डेस्टिनेशन कुल्लू मनाली में भी बर्फबारी का मज़ा लिया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश का यह हिल स्टेशन भी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। रोमांच के शौकीनों की तो यह पहली पसंद है। दिसंबर जनवरी में आकर यहां आप भी स्नोफॉल का आनंद ले सकते हैं।

दिल्ली के तापमान में गिरावट शुरू... हवा की गुणवत्ता में भी सुधार

नई दिल्ली । दिल्ली में तापमान में गिरावट शुरू हुई है। वहीं हवा की गुणवत्ता में कुछ सुधार हुआ है। इस बीच,पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई है। इस साल की शुरुआत से 15 अक्टूबर तक पराली जलाने की 2,399 घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 2,791 घटनाएं दर्ज की गई थीं। दिल्ली में खराब होती वायु गुणवत्ता के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के पहले चरण के तहत प्रतिबंध लागू हो गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि सर्दियों में विशेष प्रदूषण रोधी उपायों के अंतर्गत ग्रैप के पहले चरण के तहत प्रतिबंध का उद्देश्य निर्माण स्थलों पर धूल को कम करना, उचित अपशिष्ट प्रबंधन और सड़कों की नियमित सफाई के माध्यम से प्रदूषण को नियंत्रित करना है ग्रैप के पहले चरण में प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की सख्त जांच, बेहतर यातायात प्रबंधन और उद्योगों, बिजली संयंत्रों और ईंट भट्ठों में उत्सर्जन नियंत्रण को अनिवार्य बनाया गया है। इसके तहत 500 वर्ग मीटर या उससे ज्यादा के आकार के प्राइवेट कंस्ट्रक्शन और डेमोलिशन प्रोजेक्ट्स पर रोक। दिल्ली के 300 किलोमीटर के दायरे में पॉल्यूशन फैलाने वाली इंडस्ट्रियल यूनिट और थर्मल पावर प्लांटों पर कार्रवाई पटाखों के प्रोडक्शन, स्टोरेज, और बिक्री पर रोक। 10-15 वर्ष पुराने डीजल/पेट्रोल वाहन पर रोक। खुले में कचरा जलाने पर रोक। खुले स्थानों पर कूड़ा-कचरा फैलाने पर रोक।

मुंबई में 10 मंजिला इमारत में आग.... तीन की मौत, तीन घायल

मुंबई । मुंबई के अंधेरी वेस्ट में 10 मंजिला इमारत में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। आग में झुलसने से तीन लोगों की मौत हुई है। वहीं, तीन अन्य लोग घायल हो गए। घायलों की पहचान चंद्रप्रकाश सोनी (74), कांता सोनी (74) और 42 वर्षीय पेलुबेटा के रुप में हुई है। घायलों को कूपर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के अनुसार, आग लगने की सूचना पर दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची। फिलहाल अभी तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियों, हाइड्रेंट, टर्नटेबल सीढ़ी और एक एम्बुलेंस मौजूद हैं। आग एक आवासीय फ्लैट तक ही सीमित है और अधिकारी स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। फिलहाल आग पर काबू पाया जा रहा है।

मां ने रात में कंघी करने से रोका... बेटी फांसी पर झूली

शहडोल । माता-पिता का समझाना आज कल बच्चों को इतना बुरा लगाता हैं कि अपनी जान तक की परवाह नहीं करते। ऐसा ही कुछ मध्य प्रदेश के शहडोल जिले से बेहद ही हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवती ने बालों में कंघी करने से मां के द्वारा मना करने पर सुसाइड किया। मामला छत्तीसगढ़ बार्डर पर स्थित झिकबिजुरी चौकी क्षेत्र के पथरिया टोला के जंगल का है। ग्राम कुटेला के रहने वाली एक 20 वर्षीय युवती आरती उर्फ गुड्डी को मां ने देर शाम बालों में कंघी करने से मना किया। मां की यह बात युवती को इतनी नागवारा गुजरी कि वह नाराज होकर घर से बाहर निकल गई। इसके बाद पथरिया टोला के जंगल में एक पेड़ में फांसी का फंदा बनाकर झूल गई। हालांकि पुलिस को घटनास्थल के पास कुछ आपत्तिजनक चीजें भी मिली है, जिससे ऐसा लग रहा है कि युवती के सुसाइड की वजह कुछ और भी हो सकती है। फिलहाल युवती के सुसाइड का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। वहीं, मामले में शहडोल एडिशनल एसपी अभिषेक दिवान का कहना है कि युवती के सुसाइड की जानकारी लगने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरु कर दी है। प्रथम दृष्टया मृतका की माता द्वारा बताया गया है कि रात में कंघी करने से मना किया था जिसके बाद वह कही चली गई। इसके बाद उसका फांसी के फंदे झूलता शव मिला है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

छत्तीसगढ़ के ग्राउंड वॉटर में मिला यूरेनियम, खतरनाक बीमारियों का बड़ा खतरा

रायपुर। एक रिसर्च में छत्तीसगढ़ के कई जिलों में ग्राउंड वाटर में जहरीले यूरेनियम की खतरनाक मात्रा का खुलासा हुआ है। दुर्ग, राजनांदगांव, कांकेर, बेमेतरा, बालोद और कवर्धा के कई गांवों के पानी में यूरेनियम की मात्रा तय मानक से तीन गुना ज्यादा पाई गई है। भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) के रसायनशास्त्र विभाग की इस रिसर्च में पाया कि पानी में यूरेनियम की मात्रा 30 पीपीबी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए, लेकिन इन इलाकों के पानी में यह मात्रा 86 से 105 पीपीबी पाई है। इससे अगले कुछ सालों में कैंसर, किडनी और त्वचा संबंधी गंभीर बीमारियों का खतरा पैदा हो सकता है। बीआईटी की टीम ने 6 जिलों के गांवों में पानी के सैंपल की जांच की। बालोद जिले के देवतराई गांव का पानी सबसे ज्यादा दूषित पाया, जिसमें यूरेनियम की मात्रा 89 पीपीबी थी।

मुर्शिदाबाद में टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्या, क्षेत्र में तनाव, पुलिस बल तैनात

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बहरामपुर में एक टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई इसके बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया है। मृतक की पहचान प्रदीप दत्ता के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दत्ता जब सुबह की मॉर्निंग वॉक पर निकले थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोलियां बरसाईं। हमलावरों ने दत्ता पर बहुत पास से सात गोलियां चलाई। बताया जा रहा है कि गोली चलने की आवाज सुनकर लोग अपने घर से बाहर आ गए और देखा कि दत्ता खून से लथपथ थे। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बहरामपुर में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। वहीं पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है और हत्या के पीछे का कारण जानने की कोशिश कर रही है। वहीं हमलावरों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जिला पुलिस अधिकारी ने बताया घटना की जानकारी हासिल करने स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है।

नीतीश के साथ फिर गठबंधन के सवाल पर बोले तेजस्वी यादव, अब सवाल ही नहीं, उनका समय खत्म हो गया है

पटना (एजेंसी)। राजद नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ गठबंधन की अटकलों को खारिज कर दिया और दावा किया कि थके हुए जदयू अध्यक्ष के लिए समय आ गया है। जनवरी में जब कुमार अचानक भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में लौट आए तो यादव को उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। तेजस्वी ने कहा कि बिहार में दिन-ब-दिन कानून-व्यवस्था की स्थिति पर नजर डालें तो...ऐसा कोई विधानसभा क्षेत्र नहीं है, जहां हत्या, लूटपाट, अपहरण और बलात्कार जैसे अपराध नहीं होते हों।

राजद नेता ने दावा किया कि बड़ी मुश्किल से एफआईआर दर्ज होती है, जांच शून्य होती है, पीड़ित परिवार को कभी न्याय नहीं मिलता और आरोपी छूट जाता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति भयावह हो गई है। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार अब बिहार नहीं चला पा रहे हैं, थक चुके हैं, उनकी स्थिति हम देख सकते हैं। बांका जिले में पत्रकारों से बात करते हुए, राजद नेता ने उन्हें चुनौती दी कि वे केंद्र में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके जाति जनगणना करवाएं, साथ ही राज्य के लिए विशेष दर्जा और हाल की बाढ़ से तबाह हुए क्षेत्रों के लिए राहत पैकेज भी हासिल करें।

एक सवाल के जवाब में, अब विपक्ष के नेता, यादव ने कहा अब नीतीश कुमार के साथ हाथ मिलाने का सवाल ही नहीं उठता। उनका समय समाप्त हो गया है। वह थक गए हैं और अब बिहार पर शासन करने में सक्षम नहीं हैं। विशेष रूप से, यादव की पार्टी, जिसका नेतृत्व उनके पिता लालू प्रसाद कर रहे हैं, की जद (यू) के साथ दो साझेदारियाँ रही हैं, दोनों ही अल्पकालिक रहीं। दोनों पार्टियों ने पहली बार 2015 में गठबंधन किया था, जब गठबंधन ने विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दर्ज की थी, हालांकि कुमार दो साल बाद एनडीए में वापस चले गए।

योगी सरकार के मंत्री के नाम पर पोती कालिख, गेट पर लिख चोर-बेईमान !

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी में योगी सरकार के एक राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के आवास पर चोर-बेईमान लिखा गया है। इतना ही नहीं उनके आवास पर राज्यमंत्री के नेम प्लेट पर कालिख तक पोत दी गई है। यह सबकुछ कांग्रेस के नेताओं ने किया। दरअसल, कांग्रेस के नेता आक्रोशित हैं। बताया जा रहा है कि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की तरफ से कांग्रेस नेता एवं राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी को लेकर टिप्पणी की गई थी। जिसके विरोध में राज्यमंत्री के घर पर चोर-बेईमान लिखा गया है। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह के आवास पर बुधवार को कांग्रेस नेता अनिल यादव पहुंचे। अनिल यादव ने सबसे पहले राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह के आवास पर चोर बेईमान लिखा, उसके बाद आवास पर लगे नेम प्लेट (नाम पट्टिका) पर कालिख पोत दी। खास बात यह रही कि यह सब करते हुये कांग्रेस नेता का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि प्रियंका गांधी वायनाड से चुनाव लड़ने जा रही हैं, कांग्रेस ने उन्हें वायनाड लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाया है। इसी पर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने टिप्पणी कर दी। उन्होंने यह टिप्पणी अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर की है। उन्होंने लिखा है कि अन्ततः लड़की लड़ नहीं पाई और भाग ही गई वहां जहां लड़ना न पड़े। बूढ़ी जो हो गई। वहीं कालिख पोते जाने की जानकारी जब मंत्री के आवास पर मौजूद लोगों को हुई तो उन्होंने आनन-फानन में चोर-बेईमान लिखा हुआ को मिटा दिया है।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले अजित पवार को लगा बड़ा झटका, एनसीपी के 600 से अधिक कार्यकर्ताओं ने छोड़ी पार्टी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले अजित पवार को मंगलवार को बड़ा झटका लगा। पुणे शहर इकाई से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के 600 से अधिक पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया। आक्रोशित कार्यकर्ता पुणे शहर अध्यक्ष दीपक मानकर को एमएलसी पद नहीं देने के राज्यपाल के फैसले का विरोध कर रहे थे। यह घटनाक्रम उसी दिन हुआ जब भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की।

मानकर के समर्थक मंगलवार शाम पुणे शहर के नारायणपेठ इलाके में राकांपा कार्यालय में एकत्र हुए और एक बैठक की, जहां उन्होंने अपने इस्तीफे की घोषणा की। सामूहिक इस्तीफे में शहर उपाध्यक्ष, विधानसभा क्षेत्र प्रमुख, विभिन्न सेल प्रमुख और पार्टी कार्यकर्ता जैसे प्रमुख नाम शामिल थे। विशेष रूप से, शहर इकाई ने राज्यपाल के कोटे से पार्टी को आवंटित तीन एमएलसी सीटों में से एक पर मानकर की नियुक्ति की मांग की थी। हालाँकि, राकांपा ने राजनीति में मौजूदा पारिवारिक संबंधों वाले लोगों को फिर से नामांकित करने का फैसला किया। उन्होंने निराशा

और मोहभंग व्यक्त करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और डिप्टी सीएम अजीत पवार को सौंपने के लिए एक ज्ञापन भी तैयार किया।

उन्होंने कहा कि मानकर ने पुणे शहर में राकांपा को मजबूत किया है और इसलिए वह एमएलसी सीट के हकदार हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस अपमान से भविष्य में पार्टी कमजोर होगी। अपने ज्ञापन में नेताओं ने कहा, 'हमें विश्वास था कि अजित पवार पार्टी कार्यकर्ताओं को न्याय दिलाएंगे। हालांकि, दीपक मानकर को एमएलसी सीट से वंचित कर हमारा भरोसा तोड़ दिया गया है।' इस बीच, एनसीपी पुणे शहर के उपाध्यक्ष दत्ता सागरे ने कहा, 'हमारे शीर्ष नेतृत्व द्वारा पुणे शहर के अध्यक्ष दीपक मानकर को राज्यपाल के कोटे से एमएलसी पद से वंचित किए जाने के विरोध में आज 600 पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया।'

सलमान खान को माफ कर देगा बिश्नोई समाज... शर्तें मान लें

जोधपुर (एजेंसी)। बीते 26 साल से अभिनेता सलमान खान और बिश्नाई समाज के बीच तनातनी चल रही है। वजह ये है कि 1998 में सलमान खान ने काले हिरन का शिकार किया था। इससे विश्नाई समाज नाराज है। समाज का कहना है कि सलमान खान झूठ न बोलें, पानी छानकर पिए,भगवान बिष्णु का आराधना और प्रार्थना सहित 29 नियमों का पालन करें तो पूरा विवाद खत्म हो जाएगा।

फिल्म हम साथ-साथ हैं की शूटिंग के दौरान जोधपुर के कांकाणी गांव में काले हिरण के शिकार के मामले में सलमान खान सहित कई फिल्मी हस्तियों पर आरोप लगाए गए थे। यह मामला अभी भी न्यायालय में विचाराधीन है, लेकिन अब सवाल उठता है कि क्या बिश्नोई समाज सलमान खान को माफ कर सकता है? अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बूड़िया ने इस विषय पर अहम बयान दिया है।

देवेंद्र बूड़िया का कहना है कि अगर सलमान खान अपने कृत्य के लिए समाज से माफी मांगते हैं और मुकाम में आकर अपनी गलती को स्वीकार करते हैं, तो बिश्नोई समाज के 29 नियमों के तहत उन्हें माफ किया जा सकता है। बिश्नोई समाज के दसवें नियम में यह प्रावधान है कि गलती करने वाले को क्षमा किया जा सकता है। यह नियम समाज के धर्मगुरु भगवान जंभेश्वर जी द्वारा स्थापित किया गया था, जिसके अनुसार दया और क्षमा के भाव से अपराधी को माफ करने की व्यवस्था है।

बिश्नोई समाज प्रकृति प्रेम और शांति का प्रतीक माना जाता है, और अपने 29 नियमों के माध्यम से यह समाज न केवल धार्मिक अनुशासन बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को भी बढ़ावा देता है। महिपाल बिश्नोई, जो इस घटना से जुड़े रहे, ने बताया कि 1998 की उस रात गांव वालों ने गोली की आवाज सुनी थी और बाद में दो काले हिरणों का शव पाया गया। समाज के लोगों ने एक जिप्सी को घटनास्थल से भागते देखा, जिसमें सलमान खान और उनके साथी मौजूद थे। बिश्नोई समाज का मानना है कि प्रकृति और जीवों की रक्षा करना उनका धर्म है। हालांकि, देवेंद्र बूड़िया के बयान के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या सलमान खान माफी मांगेंगे और क्या समाज उन्हें क्षमा करेगा।

इन नियमों का करना होगा पालन

सुबह स्नान करना और शुद्धता बनाए रखना, शील, संतोष, और शुद्धता का पालन करना,

सुबह-शाम संध्या और प्रार्थना करना, शाम को आरती करना और भगवान विष्णु के गुण गाना, सुबह हवन करना, पानी छानकर पीना और शुद्ध वाणी बोलना, ईंधन और दूध छानकर लेना,

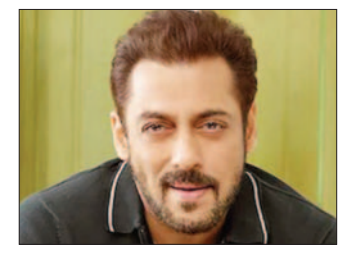

क्षमा और सहनशीलता का पालन करना, दया और नम्रता से जीवन जीना,

चोरी न करना, निंदा न करना, झूठ न बोलना, वाद-विवाद से बचना, अमावस्या का व्रत रखना, विष्णु भजन करना, सभी प्राणियों पर दया रखना, पेड़ों को नहीं काटना, अपने हाथ से खाना पकाना, बैल को बधिया (नपुंसक) न करना, नशे (अमल), तंबाकू, भांग और शराब का सेवन न करना, मांस का सेवन न करना, नीले रंग के कपड़े न पहनना।

अब मणिपुर में होगी शांति, मैतेई, कुकी और नगा के बीच बनी सहमति, केंद्रीय गृहमंत्रालय ने बुलाई थी विधायकों की बैठक

नई दिल्ली। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच शांति की पहली हुई। केंद्रीय गृह मंत्रालय की पहल पर मणिपुर के मैतेई, कुकी और नगा समुदायों के 20 विधायक दिल्ली पहुंचे। बैठक पहले गृह मंत्रालय में तय थी, लेकिन बाद में उन्हें खान मार्केट स्थित आईबी दफ्तर ले जाया गया। मंगलवार को बैठक में आईबी के पूर्वोत्तर के संयुक्त निदेशक राजेश कांबले, बीजेपी के समन्वयक संबित पात्रा, केंद्र के सुरक्षा सलाहकार एके मिश्रा और अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में पहले कुकी, फिर मैतेई और बाद में नगा नेताओं से बातचीत की गई, जिसमें उन्होंने अपनी-अपनी मांगें केंद्र के सामने रखीं। इसके बाद सभी नेताओं को एकत्रित कर संकल्प दिलाया कि मणिपुर में न तो कोई गोली चलेगी और न ही किसी की जान जाएगी। तीनों समुदायों के प्रतिनिधियों ने इस पर सहमति जताई और एक-दूसरे से हाथ मिलाया। सूत्रों के मुताबिक मणिपुर में हालात को सुधारने के लिए नगा लोगों का अहम रोल था। राज्य में 2016 में सात नए जिले बनाए गए थे, जिन्हें कुकी बहुल कहा जाता है, हालांकि यहां नगा भी रहते हैं। नगा संगठन, यूनाइटेड नगा काउंसिल, इन जिलों को वापस लेने और 1972 की स्थिति को बहाल करने की मांग कर रहा है। 11 सितंबर को गृह मंत्रालय से 15 दिन में इस मुद्दे को हल करने की चेतावनी दी थी। कुकी जनजाति ने तीन मुख्य मांगें उठाई जिसमें सीएम एन. बीरेन सिंह को हटाना, कुकी इलाकों में अलग प्रशासन की मांग और हथियारबंद समूहों को गैर-कानूनी घोषित करना। इन मांगों पर अंतिम निर्णय कुकी काउंसिल की बैठक में लिया जाएगा, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी।

बंगाल खाड़ी में उठा तूफान आज पुडुचेरी और नेल्लोर तट से टकराने की आशंका

कोलकाता(एजेंसी)। बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी में दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान में बदल गया है और गुरुवार सुबह पुडुचेरी और नेल्लोर के बीच तूफान के तट से टकराने की आशंका है और इससे दक्षिण तट और रायलसीमा के कई स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। आंध्र प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मौसम विभाग ने कहा कि तूफान के गुरुवार सुबह पुदुचेरी और नेल्लोर के बीच तट के पास टकराने की उम्मीद है। तट के किनारे हवाएं चल रही हैं जिनके 40-60 किमी/घंटा की गति होने की उम्मीद है।

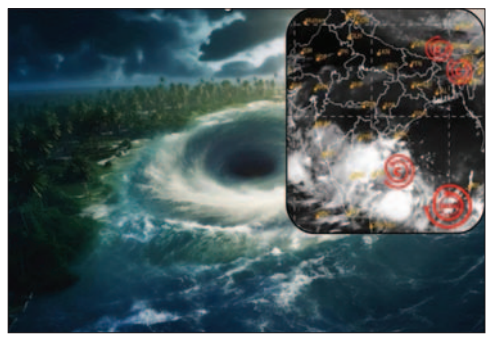

चेन्नई और तमिलनाडु के कई इलाकों में विगत दिवस हुई भारी बारिश से शहर में आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया। रिहायशी इलाकों और सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया। बारिश के कारण यातायात थम सा गया है। सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित हो गईं और कई घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। दक्षिणी रेलवे ने जलभराव के चलते चेन्नई सेंट्रल-मैसूर कावेरी एक्सप्रेस सहित चार एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया है। कई ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया गया है कुछ को चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन से पहले ही रोक दिया था। कई घरेलू उड़ानें रद्द की गईं हैं क्योंकि पर्याप्त संख्या में यात्री नहीं आए। आईएमडी के मुताबिक चिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र एक अवसाद में बदल गया है और गुरुवार सुबह चेन्नई तट को पार करने की उम्मीद है।

आईएमडी ने कहा कि तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और चेन्नई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश और एक या दो स्थानों पर मूसलाधार भारी बारिश होने की संभावना है। कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि भारी बारिश के पूर्वानुमान के बाद बेंगलुरु में आपदा प्रतिक्रिया बल के जवानों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी जरुरत के लिए 40 कर्मियों को तैनात किया जा रहा है। हमने तत्काल प्रतिक्रिया के लिए अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं को स्टैंडबाय पर रखा है। शहर के नागरिक निकाय बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने आठ क्षेत्रों में 24 घंटे चालू रहने वाले विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किए हैं और बारिश से संबंधित समस्याओं की रिपोर्ट करने एक हेल्पलाइन नंबर 1533 भी चालू किया है। जिस पर सूचना दी जा सकती है।

तमिलनाडु में बारिश का दौर जारी, तटरक्षक दल कोअलर्ट पर रखा गया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के तटों पर मौसम की बिगड़ती स्थिति के बीच भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने अपनी आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों को सक्रिय कर दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में बचाव और राहत अभियान तेज कर दिया गया है। चेन्नई के कुछ क्षेत्रों में 20 सेंटीमीटर से अधिक बारिश हुई, जिसके कारण अधिकारियों को 15 और 16 अक्टूबर को स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित करनी पड़ी। चेन्नई स्थित तटरक्षक के क्षेत्रीय मुख्यालय (पूर्व) ने हाई अलर्ट पर रहने के लिए 148 प्रशिक्षित कर्मियों वाली 29 आपदा प्रतिक्रिया टीमों (डीआरटी) को तैनात किया है।

इस बीच, 1,000 मानसून चिकित्सा शिविर भी स्थापित किए गए हैं, जिनमें चेन्नई में 100 ऐसी सुविधाएं शामिल हैं। बारिश से संबंधित कार्यों में अधिकारियों की सहायता के लिए 13,000 से अधिक स्वयंसेवक आगे आए हैं। कुल मिलाकर, तमिलनाडु में 65,000 स्वयंसेवक स्टैंडबाय पर हैं। तटरक्षक अधिकारियों के अनुसार, ये टीमें आपात स्थिति में तेजी से प्रतिक्रिया देने के लिए आवश्यक जीवन रक्षक और चिकित्सा गियर से लैस हैं, जो प्रतिकूल मौसम से प्रभावित लोगों को महत्वपूर्ण बचाव और चिकित्सा सहायता प्रदान करती हैं।

29 डीआरटी में से 10 टीमों को विशेष रूप से चेन्नई में तैनात

किया गया है ताकि क्षेत्र में उत्पन्न होने वाली किसी भी आपात स्थिति के लिए त्वरित और स्थानीय प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके। ये टीमें बाढ़ बचाव, चिकित्सा निकासी और आपातकालीन राहत वितरण सहित विभिन्न आपदा परिदृश्यों को संभालने के लिए तैयार हैं। तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के तटों पर आईसीजी के रिमोट ऑपरेटिंग स्टेशन और जहाज तटीय अधिकारियों और स्थानीय समुदायों के साथ निरंतर संचार में रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण को लेकर हरियाणा और पंजाब को फटकार लगाई

-आदेश का पालन नहीं हुआ तो मुख्य सचिव पर होगी अवमानना की कार्रवाई

-दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से लोग हो रहे परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर को लेकर हरियाणा और पंजाब को फटकार लगाई है। बुधवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि आदेश का पालन नहीं हुआ तो हरियाणा के मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने पहले आदेश का पालन नहीं किए जाने को लेकर बुधवार 16 अक्टूबर को हरियाणा और पंजाब सरकार को जबरदस्त फटकार लगाई है। कोर्ट ने चेतावनी दी और कहा कि यदि उसके आदेश का पालन नहीं किया गया तो हरियाणा के मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि आखिर पराली जलाने वालों के खिलाफ मुकदमा चलाने और नाममात्र को जुर्माना लगाकर लोगों को छोड़ने से राज्य क्यों कतरा रहा है? इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार को एक सप्ताह का समय देने की बात कहते हुए कहा कि यदि आदेश का पालन नहीं किया गया तो मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना का मामला दर्ज करेंगे। कोर्ट के इस सवाल पर कि आप लोगों पर मुकदमा चलाने से क्यों कतराते हैं? हरियाणा के वकील ने बताया कि हमने इस साल करीब 17 के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं।

कानून का उल्लंघन करने वालों पर एक भी मुकदमा नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने जहां यह कहा कि आयोग का कोई भी सदस्य वायु प्रदूषण से निपटने के लिए योग्य नहीं हैं वहीं इस बात को लेकर हैरानी भी जताई कि कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया गया यहां तक कि कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभी तक एक भी मुकदमा नहीं चलाया गया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि सब कुछ महज कागजों पर चल रहा है। पराली जलाने वालों को रोकने में असफल रहने के चलते सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के मुख्य सचिव को अगली सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेश होने का आदेश भी दे दिया।

नाममात्र का जुर्माना और कुछ नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि आप तो नाममात्र का जुर्माना ले रहे हैं। हद यह है कि इसरो आपको बता रहा कि आग कहां लगी थी और आप कहते हैं कि आपको कुछ नहीं मिला। कोर्ट ने कहा कि कानून उल्लंघन के 191 मामले आए और आपने सिर्फ नाममात्र का जुर्माना लिया। एनसीटी क्षेत्र अधिनियम के तहत आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों की अवहेलना की गई है। इस पर हरियाणा सरकार की ओर से पेश हुए वकील ने गलती स्वीकार करते हुए कहा कि मैं अपनी ओर से हुई चूक या गलती को स्वीकार करता हूं। इस पर कोर्ट का कहना था कि यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है यदि मुख्य सचिव किसी के इशारे पर काम कर रहे हैं तो उनके खिलाफ भी हम समन जारी करेंगे।

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को फटकार लगाई और कहा कि पंजाब सरकार ने भी पराली जलाने पर रोक के आदेश पर कुछ नहीं किया। विगत 03 सालों में पंजाब ने एक भी व्यक्ति पर मुकदमा नहीं चलाया। नाममात्र का जुर्माना लगा रहे हैं और कुछ नहीं किया गया। धान की पराली जलाई जा रही है और आप वायु प्रदूषण निवारण अधिनियम 1981 के तहत कुछ करना ही नहीं चाहते। वायु लगातार प्रदूषित हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने पर रोक लगाने में असफल रहने पर पंजाब सरकार के मुख्य सचिव को भी अगले बुधवार 23 अक्टूबर को सुनवाई में अदालत में व्यक्तिगत तौर पर पेश होने के आदेश दिए हैं।

पंजाब और हरियाणा को फटकार लगाने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को भी आदेश दिया कि हरियाणा और पंजाब के जिन अधिकारियों ने कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया उनके खिलाफ वो कारवाई करे। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण से लोगों का जीना मुहाल हो जाता है, ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने इस बार सख्ती दिखाई है, ताकि समस्या का समाधान निकाला जा सके।

टाटा समूह सेमीकंडक्टर, असेंबली, इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में नौकरियों पैदा करेगा

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने दिया बयान

नई दिल्ली । टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की राह में नई नौकरियों को लाने की बात कहीं है। चेयरमैन चंद्रशेखरन ने कहा है कि भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है और देश को बढ़ते कार्यबल की रोजगार जरूरतों को पूरा करने के लिए 10 करोड़ नौकरियों का सृजन करने की जरूरत है। टाटा समूह देश में अधिक से अधिक विनिर्माण नौकरियां बनाने पर भी ध्यान दे रहा है, क्योंकि पूरा इकोसिस्टम भारतीय कंपनियों, विशेषकर 500,000 छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए कई अवसरों से भरा हुआ है।

चंद्रशेखरन के अनुसार, टाटा समूह सेमीकंडक्टर, प्रिसिशन मैन्युफैक्चरिंग, असेंबली, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और संबंधित उद्योगों में निवेश कर रहा है, इसलिए वह अगले पांच वर्षों में पांच लाख विनिर्माण नौकरियां पैदा करेगा। सेमीकंडक्टर विनिर्माण जैसे क्षेत्र कई अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें विकसित राष्ट्र बनने के लिए 100 मिलियन नौकरियां पैदा करने की जरूरत है। देश में हर माह करीब दस लाख लोग कार्यबल में शामिल होते हैं, जिससे देश के भविष्य के विकास के लिए विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन आवश्यक होता है। पिछले महीने, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टाटा संस और पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कारपोरेशन (पीएसएमसी) की नेतृत्व टीम से मुलाकात की, जो गुजरात के धोलेरा में 91,000 करोड़ रुपये की लागत से मेगा सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन फैसिलिटी तैयार कर रही हैं।

मार्च में, प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में टाटा-पीएसएमसी चिप प्लांट की आधारशिला रखी थी। फैब निर्माण से क्षेत्र में 20,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कुशल नौकरियां पैदा होंगी। इतना ही नहीं असम में टाटा समूह का सेमीकंडक्टर प्लांट प्रतिदिन 4.83 करोड़ सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन करेगा, साथ ही चालू होने पर 15,000 प्रत्यक्ष और 13,000 तक अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करेगा।

टाटा संस हुई कर्ज मुक्त, नए उद्यमों में निवेश बढ़ाने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली।

18 साल में पहली बार टाटा संस शुद्ध आधार पर कर्ज मुक्त कंपनी बनी है। टाटा समूह की मुख्य होल्डिंग कंपनी टाटा संस पर वित्त वर्ष 2023 के आखिर में 22,176 करोड़ रुपए का कर्ज था जो मार्च 2024 में घटकर 363.2 करोड़ रुपए रह गया था। वित्त वर्ष 2024 के आखिर में टाटा संस के पास 3,042 करोड़ रुपए की नकदी और समतुल्य राशि थी, जो इससे एक साल पहले 1,534 करोड़ रुपए थी। कंपनी पर कर्ज खत्म होने के बाद 2,679.2 करोड़ रुपए की नकदी बचेगी। मार्च 2020 के आखिर में टाटा संस पर सबसे ज्यादा 31,603 करोड़ रुपए का कर्ज था और उसका शुद्ध कर्ज एवं इक्विटी का अनुपात 0.56 गुना था।

कर्ज-मुक्त बैलेंस शीट और समूह की सूचीबद्ध कंपनियों जैसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा मोटर्स, टाइटन और टाटा कंज्यूमर से ज्यादा लाभांश मिलने से टाटा संस को नए उद्यमों में निवेश बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे पहले वित्त 2006 में टाटा संस शुद्ध आधार पर कर्ज मुक्त हुई थी। उसके बाद विदेशी में कई बड़े अधिग्रहण किए गए थे, जिसने समूह को पूरी तरह से बदल दिया। टाटा संस की बैलेंस शीट और विभिन्न उद्यमों में इसके पूंजी निवेश की रफ्तार में संबंध दिखता है। वित्त वर्ष 2005-06 से 2014-15 के दौरान जब टाटा संस की बैलेंस शीट मजबूत थी तब उसने कई सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध उद्यमों में निवेश किया था। दिलचस्प बात यह है कि टाटा स्टील ने अक्टूबर 2006 में कोरस समूह के लिए 8.1 अरब डॉलर की बोली लगाई थी और 12.1 अरब डॉलर की प्रतिस्पर्धी बोली लगाकर ब्रिटेन की इस कंपनी का अधिग्रहण किया था। टाटा मोटर्स ने जनवरी 2008 में ब्रिटेन की लक्जरी कार विनिर्माता जगुवार लैंड रोवर को 2.3 अरब डॉलर में अधिग्रहण किया था। 2006 के बाद की अवधि में टाटा केमिकल्स, इंडियन होटल्स और टाटा ग्लोबल बेवरिजेज ने भी विदेश में कई बड़े सौदे किए थे। टाटा समूह की कंपनियों ने अपने संसाधनों और कर्ज के जरिये इन अधिग्रहण सौदों को पूरा किया था। टाटा संस इन सौदों में परोक्ष रूप से शामिल थी और संबंधित कंपनियों को अतिरिक्त इक्विटी पूंजी मुहैया कराई थी जिससे वे बड़ा कर्ज जुटा सके।

37 दिन बाद काम पर लौटे सैमसंग इंडिया के कर्मचारी, खत्म की हड़ताल

कर्मचारियों ने प्रबंधन के खिलाफ काम नहीं करने पर जताई सहमति

नई दिल्ली।

सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की फैक्टरी में कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल मंगलवार को खत्म हो गई। तमिलनाडु सरकार ने बताया कि सभी कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की श्रीपेरंबुदूर इकाई के कर्मचारियों ने राज्य सरकार और प्रबंधन के साथ हुई बातचीत के बाद 37 दिन लंबी हड़ताल वापस ले ली।

सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीआईटीयू) के नेतृत्व में हड़ताल कर रहे कर्मचारियों की वेतन वृद्धि समेत ज्यादातर मांगों को सैमसंग प्रबंधन ने पहले ही मान लिया था। इसके बावजूद सीटू ने अपनी यूनियन की मान्यता की मांग को लेकर हड़ताल जारी रखी है, जिसका मामला अदालत में चल रहा है। इस मामले पर कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच कानूनी नतीजे का इंतजार करने पर सहमति बनी है। साथ ही सरकार ने भी यूनियन के पंजीकरण की मांग का समर्थन किया, जिसके बाद यूनियन हड़ताल वापस लेने पर सहमत हो गई। बातचीत के दौरान प्रबंधन और हड़ताली कर्मचारी दोनों के प्रतिनिधि इस बात पर सहमत हुए कि सभी कर्मचारी तुरंत हड़ताल खत्म कर देंगे और काम पर लौट आएंगे। प्रबंधन ने कहा कि हड़ताल में शामिल कर्मियों को प्रताड़ित नहीं किया जाएगा। दूसरी ओर कर्मचारियों ने पूरा सहयोग करने और काम पर लौटने के साथ प्रबंधन के हितों के खिलाफ किसी भी तरह का काम नहीं करने पर भी सहमति जताई है। सरकारी बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने इस सलाह को मान लिया है। कर्मचारियों ने बताया है कि वे तुरंत हड़ताल खत्म कर काम पर लौट आएंगे। इसके साथ सैमसंग फैक्टरी में हड़ताल खत्म हो गई है और सभी कर्मचारियों ने काम फिर से शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि कर्मचारी बुधवार को सैमसंग इंडिया वर्कर्स यूनियन की आमसभा के बाद आधिकारिक तौर पर हड़ताल वापस ले लेगी। हालांकि, नेताओं ने कहा कि उनकी सभी मांगे सरकार और कंपनी दोनों ने मान ली हैं।

भारत में तेजी से फलता-फूलता जा रहा ऑनलाइन गेमिंग बाजार

मुंबई । भारत का ऑनलाइन गेमिंग बाजार का वर्तमान मूल्य 3.1 बिलियन डॉलर है। रेगुलेशन और टैक्सेशन से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद इसके 2034 तक 60 बिलियन डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। भारत के गेमिंग सेक्टर में अमेरिकी योगदान महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल 2.5 बिलियन डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में से 1.7 बिलियन डॉलर सिर्फ अमेरिका से आया है।

गेमिंग कारोबार के जानकार के अनुसार, यह भारत के तेजी से बढ़ते गेमिंग बाजार में वैश्विक निवेशकों के विश्वास को दिखाता है, जिसके 2034 तक 60 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस एफडीआई का 90 प्रतिशत हिस्सा पे-टू-प्ले सेगमेंट में है, जो कि इस सेक्टर के समग्र मूल्यांकन का 85 प्रतिशत है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपने हाई टैक्स रेट के लिए जाना जाता है। ऑनलाइन गेमिंग के लिए प्लेयर्स को अपनी कुल जमा पर सभी फॉर्मेट के लिए 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी चुकाना होता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र केंद्रीय उत्पाद वर्गीकरण (यूएन सीपीसी) गेमिंग को ऑनलाइन जुए से अलग परिभाषित करता है। 600 मिलियन से ज्यादा गेमर्स के साथ इस सेक्टर का तेजी से मुद्रीकरण किया जा रहा है। यह निर्यात के लिए अवसर पेश करता है। हालांकि, भारतीय कंपनियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए, हमें प्रगतिशील टैक्स और रेगुलेटरी नीतियों के साथ समान अवसर की आवश्यकता है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो। रिपोर्ट में 12 प्रमुख गेमिंग बाजारों में रेगुलेटरी फ्रेमवर्क और टैक्सेशन पॉलिसी पर नजर डाली गई। इसमें पता चला कि सभी 12 देशों में गेम्स ऑफ चांस को लेकर अलग कानूनी परिभाषा है। इस परिभाषा के साथ स्किल गेमिंग फॉर्मेट को लेकर अंतर स्पष्ट होता है।

सोने ने लगाई छलांग, 76700 रुपए प्रति 10 ग्राम पार, चांदी भी चमकी

नई दिल्ली।

सोने ने बुधवार को ऑल टाइम हाई का रेकॉर्ड बना दिया। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 76700 रुपए प्रति 10 ग्राम पार कर गई। मंगलवार के मुकाबले बुधवार को इसमें 363 रुपए की तेजी आई। इसके साथ 10 ग्राम सोने की कीमत 76723 रुपए हो गई। यह पहली बार है जब सोने ने रिकॉर्ड बना लिया है। बुधवार को चांदी में भी उछाल आया। सोने की कीमत में पिछले दो दिनों से गिरावट देखी जा रही थी लेकिन बुधवार को तेजी आई। मंगलवार को सोना 76360 रुपए पर बंद हुआ था। बुधवार को यह फ्लैट कीमत पर खुला लेकिन इसके बाद इसमें पंख लग गए। एक समय यह 76750 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई थी। हालांकि बाद में इसमें उतार-चढ़ाव जारी रहा। बुधवार को चांदी भी चमकी। एमसीएक्स पर दोपहर तक यह 544 रुपए बढ़कर 92194 रुपए प्रति किलो पहुंच गई। मंगलवार को यह 91623 रुपए प्रति किलो पर बंद हुई थी। इससे पहले दो दिन तक इसमें भी मंदी थी। बुधवार दोपहर तक इसमें आधे फीसदी से ज्यादा उछाल आ गया। हालांकि यह अभी अपनी उच्चतम कीमत से कम है। इस महीने की शुरुआत में चांदी की कीमत प्रति किलो 93 हजार रुपए प्रति किलो पार कर गई थी। सोने की कीमत पिछले 15 दिनों में डेढ़ फीसदी से ज्यादा बढ़ गई है। त्योहारी और शादियों के सीजन को देखते हुए सोना महंगा हो सकता है। जानकार बताते हैं कि अगले साल की शुरुआत में सोना 80 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम हो सकता है। वहीं मिडिल ईस्ट में तनाव और अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ओर से ब्याज दर कम होने की संभावना को देखते हुए इसमें और तेजी आ सकती है। एक तरफ भारत में सोने की कीमत में तेजी आई तो वहीं वैश्विक स्तर पर इसमें गिरावट आई है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करने के कारण सोने की कीमत में तेजी आई है। वहीं अमेरिका में सोने में गिरावट आई है। यहां सोना 0.53 फीसदी की गिरावट के साथ 2,676.57 डॉलर प्रति औंस हो गया।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ ही 84.03 पर बंद हुआ । आज सुबह रुपय 84.01 पर खुला । वहीं गत दिवस रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ ही 84.04 रुपये पर बंद हुआ था । शेयर बाजार के कमजोर कारोबार से भी आज रुपये की बढ़त पर अंकुश रहा। सकारात्मक घरेलू बाजारों से मिलने वाला समर्थन विदेशी पूंजी की निकासी से खत्म हो रहा था। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से भी रुपये पर दबाव आया । इससे भारत का पहले से ही चिंताजनक व्यापार घाटा और बढ़ गया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 84.06 प्रति डॉलर पर खुला और फिर शुरुआती सौदों के बाद 84.07 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.05 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखापने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ 103.25 पर रहा।

अदाणी ग्रीन एनर्जी ने डॉलर बॉन्ड से धन जुटाने की योजना रोकी

मुंबई । रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में काम करने वाली अदाणी ग्रुप की कंपनी, अदाणी ग्रीन एनर्जी ने डॉलर बॉन्ड के माध्यम से धन जुटाने की योजना को रोक दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, निवेशकों ने कंपनी की अपेक्षा से अधिक यील्ड पर बोली लगाई, जो कंपनी के लिए स्वीकार्य नहीं थी। इस कारण कंपनी ने धन जुटाने की योजना को रद्द कर दिया। एक बैंकर के मुताबिक, प्रारंभिक मार्गदर्शन के तहत 20 साल की परिपक्वता अवधि के लिए 7 प्रतिशत यील्ड की पेशकश की गई थी। मामले से जुड़े बैंकर ने कहा, कुछ निवेशक उच्च यील्ड की मांग कर रहे थे, जो अडानी समूह के हिसाब से सही नहीं थी, इसलिए उन्होंने सौदे को रद्द करने का निर्णय लिया।' दूसरे बैंकर ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों से संबंधित व्यापक बाजार अनिश्चितता और घरेलू राजनीतिक जोखिमों के कारण निवेशक अधिक यील्ड की मांग कर रहे थे, जो बॉन्ड जारीकर्ताओं की पुनर्भुगतान क्षमता को प्रभावित कर सकता है। मार्च में, अदाणी ग्रीन एनर्जी ने करीब 3 अरब डॉलर की बोलियां प्राप्त करने के बाद 18-वर्षीय बॉन्ड के माध्यम से 40.9 करोड़ डॉलर जुटाए। ताजा बॉन्ड इश्यू का नेतृत्व अदाणी ग्रीन की यूनिट्स - अदाणी हाइब्रिड एनर्जी जैसलमेर वन, अदाणी हाइब्रिड एनर्जी जैसलमेर टू, अदाणी हाइब्रिड एनर्जी जैसलमेर फोर और अदाणी सोलर एनर्जी जैसलमेर वन ने एक संरचित बॉन्ड डील के माध्यम से किया था।

क्यूआईपी से अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी ने कमाए 4,200 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी, अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अपने संस्थागत शेयर बिक्री या क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के समापन का ऐलान किया है। क्यूआईपी से अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी ने 4,200 करोड़ कमाए हैं। अडाणी एंटरप्राइजेज ने 9 अक्टूबर को संस्थागत शेयर बिक्री की शुरुआत की थी। अडाणी एंटरप्राइजेज ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स को 1 रुपए के फेस वैल्यू वाले 1.41 करोड़ इक्विटी शेयरों के निर्गम और आवंटन को मंजूरी दे दी। कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि क्यूआईपी के लिए इश्यू प्राइस 2,962 रुपए प्रति शेयर तय किया है, जो कि 3,117.47 रुपए प्रति शेयर के फ्लोर प्राइस से पांच फीसदी की छूट है। मंगलवार के क्लोजिंग प्राइस की तुलना में, इश्यू प्राइस पर दी गई छूट फ्लोर प्राइस की तुलना तकरीबन समान ही है। एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने बताया कि क्वांट म्यूचुअल फंड अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के हाल ही में खत्म हुए क्यूआईपी में सबसे बड़े प्रतिभागी के रूप में उभरा है, जिसने कुल इश्यू शेयरों का करीब 47 फीसदी हिस्सा प्राप्त किया। क्वांट म्यूचुअल फंड की फ्लैगशिप स्कीम, क्वांट स्मॉल कैप फंड ने क्यूआईपी का 17.41 फीसदी का बड़ा आवंटन हासिल किया है। अन्य क्वांट योजनाएं जैसे क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड, क्वांट एक्टिव फंड, और क्वांट फ्लेक्सी कैप फंड ने भी क्यूआईपी में 7 फीसदी से ज्यादा की अहम हिस्सेदारी ली है। क्यूआईपी के अन्य प्रमुख प्रतिभागियों में विनरो कमर्शियल (इंडिया) लिमिटेड शामिल है, जिसने अनुमानित 525 करोड़ रुपए की राशि के लिए 12.5 फीसदी हिस्सेदारी ली और ट्री लाइन एशिया मास्टर फंड (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड, जिसे कुल आवंटन का 5.95 फीसदी हासिल हुआ। इसके अतिरिक्त, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 5.06 फीसदी का आवंटन मिला, जिसके लिए अनुमानित निवेश 212 करोड़ रुपए से ज्यादा का है।

बंधन लाइफ और बंधन बैंक ने बिहार और झारखंड में एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की

रांची/जमशेदपुर : बंधन लाइफ और बंधन बैंक ने जीवन बीमा योजनाएं प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी का शुभारंभ दो नए प्लान्स : आई-गारंटी विश्वास, गारंटीड लाभ वाली एक बचत बीमा प्लान, और आई-इन्वेस्ट क्क एक यूनिट-लिंक्ड बीमा प्लान की पेशकश के साथ हुआ। अक्टूबर 2024 से ये प्लान्स बिहार और झारखंड में बंधन बैंक की 181 शाखाओं पर उपलब्ध होंगे। बंधन बैंक के मौजूदा ग्राहक कुछ ही मिनटों में पॉलिसी प्राप्त कर सकते हैं यदि वे बीमा की शर्तों को पूरा करते हैं तो। आने वाले सप्ताहों में कई नए प्लान्स जैसे 'शुभ समृद्धि' और अन्य बचत प्लान्स को शामिल किए जाने के साथ प्लान्स के पोर्टफोलियो का और भी विस्तार किया जायेगा। वर्ष 2024 के अंत तक बंधन लाइफ की सभी जीवन बीमा प्लान्स की एक व्यापक श्रेणी पूरे देश में उपलब्ध होगी, जिससे भारत के लोगों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने के बंधन के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को बल प्राप्त होगा। बंधन लाइफ के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, सतीश्वर बी. ने कहा, हम इस साझेदारी के साथ और बंधन बैंक के इतने बड़े नेटवर्क के माध्यम से आई-गारंटी विश्वास और आई-इन्वेस्ट क्क को प्रस्तुत करके बहुत प्रसन्न हैं। यह साझेदारी हमारे बीमा प्लान्स को और अधिक सुलभ बनाने में हमारी मदद करेगी।

बंधन बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं चीफ बिजनेस ऑफिसर, राजिंदर कुमार बब्बर, ने कहा ग्राहक के अनुभव को और भी बेहतर बनाने के हमारे प्रयास में, यह साझेदारी हमारे लिए अपनी बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ बीमा प्लान्स का एक व्यापक संग्रह प्रदान करना संभव बनाती है, जिससे हमारे ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय सुरक्षा तक पहुँच प्राप्त करना आसान हो जाता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ । बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों और बिकवाली से आई है । वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। । आज प्रमुख कंपनियों के दूसरी तिमाही के परिणाम निराशाजनक और विदेशी निवेशकों के घरेलू बाजार से पैसा निकालने से भी ये नीचे आया है।

इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर अधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 0.39 फीसदी करीब 318.76 अंक टूटकर 81,501.36 पर बंद हुआ । वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 भी 0.34 फीसदी तकरीबन 86.05 अंक फिसलकर 24,971.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) का शेयर सबसे अधिक 2.87 फीसदी गिरा । इसके अलावा अदाणी पोर्ट्स, इन्फोसिस, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स, कोटक बैंक, आईटीसी, टाइटन, इंडसइंड बैंक, अल्ट्रा सीमेंट, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी नीचे आये ।

वहीं दूसरी ओर एचडीएफ़सी बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 0.92 फीसदी उछला । इसके अलावा भारती एयरटेल, रिलायंस, एशियन पेंट्स, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के शेयर भी उछले हैं।

बाजार जानकारों के अनुसार वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर रुझान, आईटी स्टॉक्स और ऑटो कंपनियों के शेयरों में गिरावट और विदेशी निवेशकों की निकाषी हावी हाने से घरेलू बाजार में गिरावट आई।

दूसरी ओर विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 1,748.71 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

इससे पहले आल सुबह घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर खुला। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले कमजोर रुख से बाजार में ये गिरावट दर्ज की गयी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 198 अंक करीब 0.24 फीसदी नीचे आकर 81,621 पर खुला। वहीं दूसरी ओर निफ्टी-48 अंक तकरीबन 0.19 फीसदी फिसलकर 25,009 पर खुला। वहीं गिफ्ट निफ्टी से बाजार की कमजोर शुरुआत दिख रही है। सुबह गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स करीब 49 अंक फिसलकर 25,069 पर कारोबार कर रहा था।

इससे पहले गत दिवस अमेरिकी शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आया। इस दौरान वॉल स्ट्रीट के तीनों प्रमुख इंडेक्स नुकसान में रहे। नैस्डैक कंपोजिट में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। यह इंडेक्स 1.01 नीचे आया। एसएंडपी 500 0.76 फिसला, डॉव जोन्स भी नुकसान में रहा।

आज शुरुआती कारोबार में एशियाई बाजारों में भी गिरावट आई है। यह इंडेक्स 1.85 फीसदी गिरा, टॉपिक्स 1.13 फीसदी नीचे आया, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी /एएसएक्स 200 0.4 फीसदी की गिरावट के साथ खुला, जबकि कोरिया का कोस्पी 1.22 फीसदी और कोस्डाक 0.93 फीसदी गिरा। पिछले कारोबारी सत्र में बाजार में गिरावट दर्ज की गयी थी।

21 को खुलेगा वारी एनर्जीज़ का आईपीओ, जीएमपी 85 फीसदी के ऊपर होगा

- हुंडई के आईपीओ से निवेशक खुश नहीं, प्रीमियम हर दिन हो रहे कम

नई दिल्ली।

हुंडई का आईपीओ खुल गया, लेकिन निवेशक खुश नहीं हैं, क्योंकि इस स्टॉक के लिए ग्रे मार्केट में प्रीमियम हर दिन कम हो रहे हैं, लेकिन चिंता करने की जरुरत नहीं। वारी एनर्जीज़ का आईपीओ सोमवार को खुलने वाला है। इसका प्राइस बैंड तय हो गया है और सबसे अच्छी बात ये है कि ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम जीएमपी 85 फीसदी तक उछल गया है। वारी एनर्जीज़ ने अपने आईपीओ के लिए 1,427 से 1,503 रुपए प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह आईपीओ 21 अक्टूबर सोमवार को खुलेगा और 23 अक्टूबर तक निवेशक इसमें बोली लगा सकेंगे। निवेशक न्यूनतम 9 शेयरों की एक लॉट में बोली लगा सकते हैं और इसके बाद 9 के मल्टीप्लाई (18, 27, 36ज) की संख्या में शेयरों की बोली लगा सकते हैं। आईपीओ वॉच के मुताबिक हुंडई का ग्रे-मार्केट प्रीमियम बुधवार को कुछ उछला है मंगलवार को यह 45 रुपए था, बुधवार को यह 65 रुपए पर पहुंच गया। हुंडई में बोली लगाने के केवल दो दिन बचे हैं। हालांकि सुबह हुंडई का आईपीओ केवल 22 फीसदी ही सबस्क्राइब हुआ था। मंगलवार को पूरे दिन में यह 18 फीसदी ही बोलियां हासिल कर सका था। इस आईपीओ में कंपनी की फ्रेश इक्विटी शेयरों की बिक्री के जरिए से 3,600 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे। ऑफर फॉर सेल के जरिए 48 लाख शेयर बिक्री के लिए रखे जाएंगे, जिनमें से वारी सस्टेनेबल फाइनेंस और चंदुरकर इन्वेस्टमेंट्स अपने हिस्सेदारी बेचेंगे। प्राइस बैंड के ऊपरी बैंड पर ऑफर फॉर सेल का कुल मूल्य 721.44 करोड़ रुपए हो सकता है, जिससे कुल आईपीओ आकार 4,321.44 करोड़ रुपए का होगा।वारी एनर्जीज़ के शेयर अनलिस्टेड मार्केट में 1,280 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड हो रहे हैं, जोकि 1,503 रुपए के ऊपरी प्राइस बैंड के हिसाब से 85 फीसदी है। इसका मतलब है कि इस आईपीओ के प्रति निवेशकों का अच्छा उत्साह है और इसे बाज़ार में बड़ी संभावनाएं दिख रही हैं। इस आईपीओ में 50फीसदी हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए आरक्षित है, जबकि 15फीसदी नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों के लिए और 35 फीसदी रिटेल निवेशकों के लिए रिजर्व है। कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई दोनों स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट होंगे।

इस त्यौहार एचएंडएम का नया फेस्टिव कलेक्शन

रांची : त्यौहारों को विशेष बनाते हुए, एचएंडएम ने पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए एक शानदार फेस्टिव कलेक्शन पेश किया है। त्यौहार की भावना और आकर्षण को बढ़ाने वाले इस बेमिसाल कलेक्शन में स्टाइलिश महिलाओं के लिए एक से बढ़कर एक ओकेशन वियर और पुरुषों के लिए स्पेशल वियर की शानदार रेंज शामिल है। इस सम्पूर्ण कलेक्शन को त्यौहार को जीवंत बनाने, भीड़ से अलग दिखने और आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है।

एचएंडएम की कॉन्सेप्ट डिजाइनर इलियाना मसगालोस कहती हैं, ₹हमारा दृष्टिकोण फेस्टिव सीजन के लिए कुछ रोमांचक और विशिष्ट बनाना है, ताकि अपने ग्राहकों को एक ऐसा कलेक्शन पेश कर सकें, जो न सिर्फ स्टाइलिश और आधुनिक हो, बल्कि प्रत्येक ग्राहक के व्यक्तित्व को सबसे अलग ढंग से निखारने में भी मदद करे। इन्हें खास तौर पर इस तरह डिजाइन किया गया है कि ये मॉडर्न फैशन से मेल खाने के साथ ही हमेशा सदाबहार बने रहें।

भारत /न्यूजीलैंड : बारिश की भेंट चढ़ा पहले दिन का खेल, बेंगलुरु में टॉस तक भी नहीं हो सका

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार 16 अक्टूबर से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज हो गया है। लेकिन बारिश के कारण बेंगलुरु के एम ए चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले टेस्ट का पहला दिन बाधित हो गया। यहां टॉस तक भी नहीं हो पाया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 चक्र का हिस्सा है।

मौसम विभाग ने पूरे दिन बारिश की भविष्यवाणी की है, जिसके कारण भारतीय खिलाड़ी खुद को एक्टिव रहने के लिए इनडोर नेट्स में प्रैक्टिस कर रहे हैं। भारतीय टीम के खिलाड़ी विराट कोहली यशस्वी जायसवाल मैदान पर नजर आए थे। हालांकि, रिपोर्ट के मुताबिक वह अपने किट के साथ इंडोर नेट्स में गए और कुछ समय बिताया। लंच के बाद भी बारिश होने के कारण पहले दिन का खेल रद्द करनापड़ा। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान दूसरे टेस्ट मैच में भी बारिश के कारण मैच तय नहीं हो सका। हालांकि, पहले दिन टॉस हुआ था और कुछ ओवर का मैच हुआ था लेकिन फिर दो दिन तक बारिश की वजह से खेल नहीं हो सकता था। लेकिन अंतिम दो दिन में भारत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए मैच अपने नाम किया था।

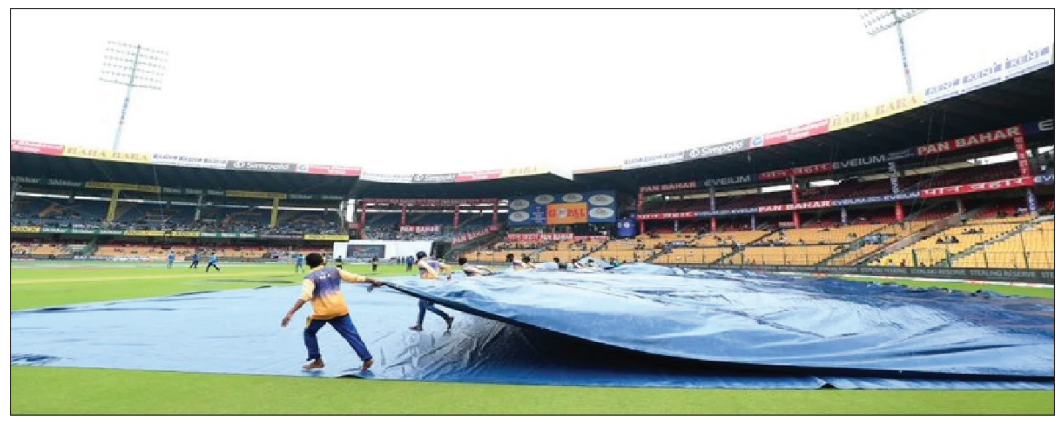

'भारत के बारे में बात करने पर प्रतिबंध है', पाकिस्तान ए क्रिकेट टीम के कप्तान का खुलासा

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान ए टीम के कप्तान मोहम्मद हारिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है कि पुरुष टी20 इमर्जिंग टीम एशिया कप के लिए उनकी टीम को ड्रेसिंग रूम में भारत के बारे में बात करने पर प्रतिबंध है। पाकिस्तान शाहीन 19 अक्टूबर को अपने टूर्नामेंट के पहले मैच में भारत ए से भिड़ेगी। उनके ग्रुप में यूएई और ओमान दो अन्य टीमें हैं।

हारिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में कहा, 'आपको एक बात बताऊं। पहली दफा होगा के इस ड्रेसिंग रूम में भारत पर बात करने पर पाबंदी है।' 23 वर्षीय हारिस ने सीनियर पाकिस्तान टीम के लिए अब तक 6 वनडे और 9 टी20 मैच खेले हैं, ने कहा कि अगर खिलाड़ी केवल भारत के खिलाफमैच के बारे में बात करते हैं तो इससे उन पर अतिरिक्त दबाव बनता है।

उन्होंने कहा, 'हमें (सिर्फ) भारत के बारे में नहीं सोचना है, हमें दूसरी टीमों के बारे में भी सोचना है। मैं (सीनियर) पाकिस्तान टीम में रहा हूं, पिछला विश्व कप भी खेला है। इससे इतना दबाव बनता है कि मानसिक रूप से आप भारत, भारत के बारे में सोचते रहते हैं। हमें दूसरी टीमों का भी सामना करना है। इसलिए इस टीम पर फिलहाल (भारत के बारे में बात करने पर) प्रतिबंध है। हमने अभी तक ड्रेसिंग रूम में भारत के बारे में बात नहीं की है। सिर्फभारत ही नहीं, हमें दूसरी टीमों का भी सम्मान करना है।'

टूर्नामेंट में भारत की अगुआई मध्यक्रम के बल्लेबाज तिलक वर्मा करेंगे जो सीनियर टीम के लिए पहले ही चार वनडे और 16 टी20 मैच खेल चुके हैं। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को वर्मा की जगह उप-कप्तान नियुक्त किया गया है।

आईसीसी रैंकिंग: रैंकिंग में जो रूट को हुआ फायदा, 'स्पेशल-20' क्लब में हुई एंट्री

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने अब आईसीसी टेस्ट रैंकिंग के एक स्पेशल 20 क्लब में एंट्री की है। भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली पहले से ही लिस्ट में विराजमान हैं। दरअसल, रूट ने क्रिकेट इतिहास में 20 पुरुष बैटर्स द्वारा हासिल की गई करियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रेटिंग हैं। कोहली 15वें नंबर पर हैं। वह 937 रेटिंग अंकों तक पहुंच चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन 961 रेटिंग अंकों के साथ टॉप पर हैं।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजों की लेटेस्ट रैंकिंग की बात करें तो जो रूट टॉप पर हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में दोहरा शतक जड़ा था। उन्होंने मुल्तान में 375 गेंदों में 17 चौके जड़े और 262 रन की पारी खेली। ये रूट के टेस्ट करियर का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। रूट ने दोहरा शतक जमाने के बाद रेटिंग अंकों में इजाफा किया है। इससे पहले उनके हाईएस्ट रेटिंग अंक 923 थे। रूट ने रैंकिंग में 100 से ज्यादा अंकों की बढ़त हासिल की।

वहीं न्यूजीलैंड के केन विलियमसन 829 अंक के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। उनके साथ इंग्लैंड के हैरी ब्रूक 829 अंक भी हैं। ब्रूक ने मुल्तान में तिहसा शतक (317) जमाया था उन्होंने 11 स्थान की छलांग लगाई। कोहली सातवें नंबर पर हैं।

महिला टी20 विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में आज ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होगा मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी महिला टी20 विश्वकप क्रिकेट सेमीफाइनल के लिए चार टीमें तय हो गयी हैं। इसमें सेमीफाइनल मुकाबलों की शुरुआत गुरुवार 17 अक्टूबर से होगी। इसमें पहला सेमीफाइनल ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप ए में थी जबकि दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप बी से सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबला 17 अक्टूबर को खेला जाएगा। दोनों टीमें इस मैच के लिए दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मैदान पर उतरेगी। ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया की टीम लीग स्टेज में अपने चारों मैच जीतकर अंक तालिका में पहले स्थान पर रही थी। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने चार में से अपने तीन मुकाबलों को जीता था और वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रही थी। वहीं दूसरा सेमीफाइनल न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेला जाएगा। ये मैच 18 अक्टूबर को शारजाह

क्रिकेट मैदान पर खेला जाएगा। इसमें न्यूजीलैंड की टीम ने ग्रुप ए में चार में से अपने तीन मैच जीते थे। वह 6 अंक लेकर ऑस्ट्रेलिया के बाद वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रही थी। वहीं वेस्टइंडीज की टीम ग्रुप बी की टॉप टीम है। वेस्टइंडीज ने भी अपने चार में से तीन मैच जीते थे, लेकिन बेहतर रन रेट के कारण अंक तालिका में वह दक्षिया अफ्रीका के बराबर अंक होते हुए वह पहले स्थान पर रही। सेमीफाइनल में जीतने वाली टीम रविवार, 20 अक्टूबर को खेले जाने वाले फाइनल में पहुंचेगी। फाइनल मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होगा।

मयंक ओर नितीश को शीघ्र ही टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू का अवसर मिलेगा : रोहित

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि आने वाले समय में तेज गेंदबाज मयंक यादव और ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को भी टेस्ट पदार्पण का अवसर मिलेगा। मयंक और नितीश दोनों ही बांग्लादेश के खिलाप हाल ही में संपन्न तीन मैचों की सीरीज में भारत की टी20 टीम में शामिल थे ओर इसमें इन दोनो का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। दूसरे टी20 मैच में नितीश ने 34 गेंदों पर 74 रन बनाकर प्रभावित किया। इसमें 3 विकेट भी शामिल थे। वहीं मयंक ने भी अच्छी गेंदबाजी करते हुए तीन मैचों में सात से कम की इकॉनमी रेट से चार विकेट लिए। इन दोनों को प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल किया गया है। रोहित ने कहा कि, मैं समझता हूं कि इन दोनो ने ही अब तक बहुत अधिक नहीं खेला है। हम बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं।

डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले गुलाम को बाबर आजम ने बधाई दी

मुल्तान। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज और पूर्व कप्तान बाबर आजम ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन शानदार शतक लगाने वाले बल्लेबाज कामरान गुलाम की जमकर प्रशंसा की है। गुलाम को बाबर आजम की जगह इस मेच में शामिल किया गया था। गुलाम ने इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने अच्छा खेल दिखाते हुए 224 गेंदों पर 11 चौकों और 1 छक्के की मदद से 118 रन बनाए। बाबर ने सोशल मीडिया पर गुलाम को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी औरलिखा – अच्छा खेला कामरान। कामरान ने अपने डेब्यू पर शानदार शतक लगाकर पाक टीम को पांच विकेट पर 259 के स्कोर तक पहुंचाया। इस नये बल्लेबाज ने खराब फॉर्म में चल रहे बाबर की जगह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की और इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमकण का अच्छे से सामना किया। वहीं दिन के अंत में मोहम्मद रिजवान और सलमान आगा क्रमश : 37 और पांच रन बनाकर नाबाद थे। जब मेजबान टीम टॉस जीतकर 19 पर दो विकेट खोकर दबाव में थी तब कामरान ने सैम अयूब के साथ तीसरे विकेट के लिए 149 रन जोड़े जिन्होंने करियर की सर्वश्रेष्ठ 77 रन की पारी खेली और रिजवान के साथ पांचवें विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी की। उन्होंने स्पिनर जो रूट की गेंद पर चौका लगाकर शतक तक पहुंचने में 280 मिनट का समय लिया और अपने डेब्यू टेस्ट में शतक बनाने वाले पाकिस्तान के 12वें बल्लेबाज बन गए।

लियोनेल मेसी ने तोड़ा क्रिस्टियानो रोनाल्डो का रिकॉर्ड, संन्यास को लेकर कही बड़ी बात

फुटबॉल जगत में पिछले दो दशकों से अर्जेंटीना के लियोनल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बीच प्रतिद्वंद्विता चल रही है। दोनों अंतर्राष्ट्रीय और प्रोफेशनल फुटबॉल में एक दूसरे के रिकॉर्ड तोड़ते आ रहे हैं। इस रिकॉर्ड तो तोड़ने के बाद मेसी ने अपने रिटायरमेंट को लेकर भी बड़ी बात कही। वर्ल्ड कप क्वालिफायर मैच में लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना बोलिविया का सामना कर रही थी। इस मैच में उन्होंने 6-0 से जीत हासिल की जिसमें मेसी की हैट्रिक का अहम रोल था। 37 साल के मेसी ने 19वें, 84वें और 86वें मिनट में गोल किए। अर्जेंटीना के दो गोल मेसी के पास पर हुए। उन्होंने लोटारो मार्तिनेज और जूलियन अल्वारेज के लिए गए गोल में एसिस्टेंट की भूमिका निभाई थी। ये मेसी के करियर की 10वीं अंतर्राष्ट्रीय हैट्रिक थी। इस मामले में उन्होंने क्रिस्टियानो रोनाल्डो की बराबरी की। वह दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने 10 हैट्रिक लगाई है। दोनों सबसे ज्यादा हैट्रिक लगाने वाली खिलाड़ी हैं। लियोनेल मेसी ने मैच को लेकर कहा, यहां आकर लोगों का प्यार महसूस करके बहुत अच्छा लगता है जिस तरह से वे मेरा नाम पुकारते हैं उससे मैं बहुत प्रभावित होता हूं। ये मुझे प्रेरित करता है। मैं जहां हूं वहां खुश रहना पसंद करता हूं। अपनी उम्र के बावजूद, जब मैं यहां आथा हूं तो मैं खुद को एक बच्चे की तरह महसूस करता हूं क्योंकि मैं इस टीम के साथ सहज हूं।

नीतू, डिविलियर्स और कुक आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल

दुबई (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी (53 रन पर आठ विकेट) करने वाली भारत की पूर्व स्पिनर नीतू डेविड बुधवार को आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली देश की दूसरी महिला क्रिकेटर बनीं। दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज एलिस्टेयर कुक को भी हॉल ऑफ फेम में जगह मिली।

भारतीय महिला टीम की चयन समिति की मौजूदा अध्यक्ष नीतू को पूर्व कप्तान डाइना इडुल्जी को शामिल किए जाने के एक साल बाद आईसीसी हॉल ऑफ फेम में जगह मिली है। बाएं हाथ की स्पिनर नीतू ने भारत के लिए 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच (10 टेस्ट और 97 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय) खेले। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 47 साल की नीतू 141 विकेट के साथ भारत की दूसरी सबसे सफल गेंदबाज हैं। वह 50 ओवर के प्रारूप में 100 विकेट के आंकड़े को छूने वाली देश की पहली महिला गेंदबाज भी रहीं।

विश्व कप 2005 की सबसे सफल गेंदबाज नीतू ने भारत को पहली बार फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। नीतू ने आईसीसी की विज्ञप्ति में कहा, 'आईसीसी

हॉल ऑफ फेम में शामिल होना बेहद सम्मान की बात है जिसे मैं राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए सर्वोच्च मान्यता मानती हूं।'' उन्होंने कहा, 'यह इस महान खेल के लिए जीवन भर के समर्पण के बाद आता है और यह मेरे लिए इस मुकाम तक पहुंचने की एक बहुत ही विशेष यात्रा है।''

नीतू ने कहा, 'अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों के साथ हॉल ऑफ फेमर माना जाना शानदार है और मैं इस विशिष्ट क्लब का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं।' नीतू ने 1995 में 17 साल की उम्र में नेल्सन में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला। उन्होंने 1995 में ही जमशेदपुर में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की दो रन की करीबी हार के दौरान 53 रन देकर आठ विकेट चटकाए जो आज भी महिला टेस्ट में एक पारी में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत गेंदबाजी प्रदर्शन है। नीतू ने 10 टेस्ट में 41 विकेट चटकाए जबकि 97 एकदिवसीय मुकाबलों में 16.34 के औसत से 141 विकेट हासिल किए। नीतू ने 2006 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया लेकिन दो साल बाद अपना फैसला बदलते हुए एकदिवसीय प्रारूप में एशिया कप और भारत के इंग्लैंड दौरे पर खेलीं।

दूसरी तरफ कुक ने 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 2018 में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक टेस्ट रन और शतक बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा। वह कप्तान के रूप में भी काफी सफल रहे। डिविलियर्स ने 14 साल के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में तीनों प्रारूपों में 20 हजार से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए। मैदान के चारों तरफ शॉट खेलने की क्षमता के लिए डिविलियर्स को 'मिस्टर 360' भी कहा जाता है।

उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की ओर से एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक, शतक और 150 रन का रिकॉर्ड बनाया और उन्हें खेल के इतिहास के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शुमार किया जाता है। आईसीसी हॉल ऑफ फेम जनवरी 2009 में शुरू किया गया जो वैश्विक संचालन संस्था के शताब्दी समारोह का हिस्सा था। इन खिलाड़ियों को शामिल किए जाने का जश्न इस सप्ताह दुबई में विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला के जरिए मनाया जाएगा जो महिला टी20 विश्व कप के समापन के दौरान होगी।

एमबाप्पे के खिलाफ चल रही बलात्कार मामले की जांच, मामले पर फुटबॉलर के प्रतिनिधियों ने दी प्रतिक्रिया

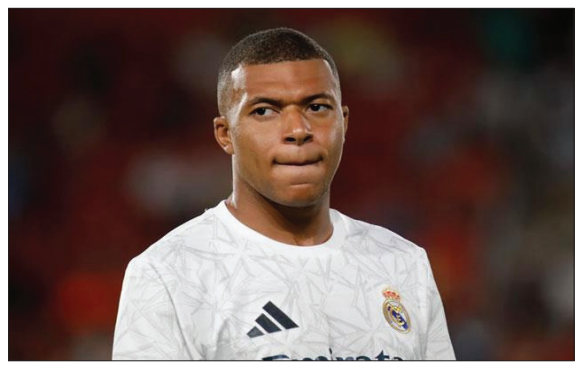

स्टॉकहोम। फ्रांस के फुटबॉल स्टार काइलियान एमबाप्पे के प्रतिनिधियों ने स्वीडन के मीडिया में छपी उस रिपोर्ट को 'झूठी और गैर जिम्मेदाराना' बताया है जिसमें कहा गया है कि उनके खिलाफ बलात्कार के एक मामले में जांच चल रही है। सूत्रों का हवाला दिए बिना स्वीडन के कई मीडिया ने रिपोर्ट दी है कि रीयाल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर एमबाप्पे के खिलाफ बलात्कार के मामले की जांच चल रही है। रिपोर्ट के बाद स्वीडन के अभियोजकों ने मंगलवार को छोटा सा बयान जारी किया कि पुलिस के पास बलात्कार की एक शिकायत आई है लेकिन इसमें किसी का नाम नहीं लिया गया। बयान में कहा गया, 'रिपोर्ट के अनुसार यह घटना स्टाकहोम के एक होटल में 10 अक्टूबर 2024 की है।' एमबाप्पे की मीडिया टीम ने कहा, 'ये आरोप बिल्कुल झूठे और गैर जिम्मेदाराना है। काइलियान एमबाप्पे अपनी प्रतिष्ठा और सम्मान पर किसी तरह की आंच आना बर्दाश्त नहीं करेंगे।' अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर भी एमबाप्पे ने लिखा, 'फेक न्यूज।'

दिल्ली कैपिटल्स में पोंटिंग का उत्तराधिकारी कौन ? 40 वनडे खेला यह दिग्गज आगे आया

नई दिल्ली - भारत के बाएं हाथ के पूर्व खिलाड़ी हेमंग बदानी दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच बनने की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं जबकि तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल का नाम फ्रेंचाइजी के सहयोगी स्टाफ में भूमिका के लिए चर्चा में है। दिल्ली कैपिटल्स ने कुछ सप्ताह पहले ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग को उनकी उपलब्धता संबंधी समस्याओं के कारण मुख्य कोच के रूप में हटा दिया था। पोंटिंग 2018 से टीम के साथ थे। इंडियन प्रीमियर लीग के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया कि दिल्ली कैपिटल्स का प्रबंधन स्तरीय घरेलू कोच ढूंढ रहा है और हेमंग तथा मुनाफ का नाम सामने आया है। अभी अंतिम फैसला नहीं किया गया है लेकिन मुनाफ गेंदबाजी कोच हो सकते हैं। अधिकांश अन्य फ्रेंचाइजी की तरह दिल्ली कैपिटल्स के भी आगामी भव्य नीलामी से पहले तीन खिलाड़ियों को रिटेन (अपने साथ बरकरार रखने) करने की उम्मीद है। टीम कप्तान ऋषभ पंत (18 करोड़ रुपये), ऑलराउंडर अक्षर पटेल (14 करोड) और बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव (11 करोड़) को रिटेन कर सकती है। पांच खिलाड़ियों को रिटेन करने पर 75 करोड़ रुपए खर्च होंगे इसलिए यह माना जा रहा है कि पिछले साल के स्टार खिलाड़ी जेक-फ्रेजर मैकगर्क और दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स को टीम राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड के जरिए चुन सकती है, बशर्ते उनकी कीमत टीम के बजट के भीतर हो। बदानी का नाम मुख्य कोच के रूप में आने का कारण अगले दो वर्षों के लिए प्रबंधन में बदलाव का मामला हो सकता है। टीम के सह-मालिकों में से एक जीएमआर अब टीम का संचालन करेगा। दूसरा सह-मालिक जेएसडब्ल्यू है। माना जाता है कि दोनों सह-मालिकों के बीच दो-दो साल तक टीम का प्रबंधन करने पर सहमति है। बदानी इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद में ब्रायन लारा के साथ काम कर चुके हैं लेकिन अगर उन्हें यह काम मिलता है तो यह उनके लिए बहुत बड़ा मौका होगा। तमिलनाडु के पूर्व बल्लेबाज बदानी ने 2001-2004 के बीच भारत के लिए चार टेस्ट और 40 एकदिवसीय मैच खेले जिसमें 2001 की द्विपक्षीय श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय शतक उनके करियर का मुख्य आकर्षण रहा।

रोहित नीलामी में उतरे तो कई टीमें लगाएंगी बोली - हरभजन

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर वह आईपीएल 2025 सत्र के लिए नीलामी में शामिल होते हैं तो नीलामी का आकर्षक और बढ़ जाएगा। रोहित को मुम्बई इंडियंस ने 2024 आईपीएल सत्र में कप्तानी से हटा दिया था। ऐसे में माना जा रहा है कि वह इस बार नीलामी में उतर सकते हैं। टीम को 5 बार खिताब जिताने के बाद भी जिस प्रकार उन्हें हटाया गया उससे रोहित नाराज माने जा रहे हैं। हरभजन ने कहा कि अगर रोहित नीलामी के लिए अपना नाम देते हैं तो फ्रेंचाइजी को उनके लिए बोली लगाते देखना एक अच्छा अनुभव होगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि मुंबई इंडियंस उन्हें रिटेन करती है या नहीं। अगर वह नीलामी पूल में प्रवेश करते हैं, तो वह बोली को विशेष बना देंगे, क्योंकि बहुत सी टीमें उनके नाम पर बोली लगाएंगी। मुम्बई के साथ तीन आईपीएल खिताब जीतने वाले भज्जी ने रोहित की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें अभी काफी क्रिकेट बचा है। उन्होंने कहा कि रोहित एक नेता और खिलाड़ी के रूप में काफी अच्छे हैं। वह एक उच्च गुणवत्ता वाले क्रिकेटर और एक मैच विजेता हैं। ऐसे में अगर रोहित नीलामी में उतरते हैं तो उन्हें मोटी रकम मिलेगी। नीलामी देखना रोमांचक होगा। रोहित को एक दशक पहले साल 2013 सत्र के बीच में मुंबई ने कप्तान बनाया तब रिकी पोंटिंग ने अपना पद छोड़ दिया था। रोहित ने पूरी तरह से फ्रेंचाइजी की किस्मत बदल दी और टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल कप्तानों में से एक बन गए। इस बीच, उन्होंने आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में भारत की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को सफलता दिलाई। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या मुंबई उन्हें 18वें सीजन से पहले रिलीज करता है या नहीं।

आईओए हमारे सुझावों पर ध्यान नहीं देता, खिलाड़ी आयोग की प्रमुख मैरीकोम ने कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के खिलाड़ी आयोग की अध्यक्ष महान मुक्केबाज एमसी मैरीकोम ने कहा है कि उन्होंने राष्ट्रीय ओलंपिक समिति को सुझाव देना बंद कर दिया है क्योंकि उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता। मैरीकोम उन 10 शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल थीं जिन्हें नवंबर 2022 में आईओए खिलाड़ी आयोग में चुना गया था। आईओए में इस समय खींचतान चल रही है जिसमें पदाधिकारियों का एक वर्ग अध्यक्ष पीटी उषा के कामकाज के तरीके पर सवाल उठा रहा है। उषा ने हालांकि अपने खिलाफ सभी आरोपों से इनकार किया है।

आईओए में चल रहे सत्ता संघर्ष के बारे में पूछे जाने पर मैरीकोम ने पीटीआई से कहा, ''मैं आईओए के कामकाज में शामिल नहीं हूं। हमने आईओए के साथ कई बातें साझा की, लेकिन उन्होंने मेरी बात नहीं सुनी। वे मेरे सुझावों को नहीं सुनते। मैं राजनीति नहीं जानती और मैं किसी को दोष नहीं देना चाहती।'' भारतीय मुक्केबाज पेरिस ओलंपिक से पदक के बिना लौटे और मैरीकोम इस नतीजे से बेहद निराश थीं।

41 वर्षीय मैरीकोम ने अफसोस जताया कि ओलंपिक से पहले भारतीय मुक्केबाजी महासंघ में किसी ने उनकी मदद नहीं मांगी। उन्होंने कहा, ''मैं यह नहीं बता सकती कि क्या गलत हुआ क्योंकि उन्होंने मुझे आमंत्रित ही नहीं किया। वे मेरे अनुभव का इस्तेमाल कर सकते थे। मैं मुक्केबाजों को उनकी कमजोरियां और मजबूत पक्ष बता सकती हूं।'' लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता मैरीकोम को लगता है कि जब तक कोचिंग संरचना में सुधार नहीं किया जाता तब तक पदक नियमित रूप से नहीं आएंगे।

संक्षिप्त समाचार

हवाई हमले में मारा गया हमास एरियल यूनिट का प्रमुख : इजरायली सेना

यरूशलम, एजेंसी। इजरायली सैन्य और सुरक्षा एजेंसी ने कहा है कि गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमले में हमास की हवाई इकाई के प्रमुख की मौत हो गई। इजरायल की सेना और घरेलू सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने एक संयुक्त बयान में इसकी जानकारी दी। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक सितंबर में युद्धक विमानों द्वारा किए गए हमले में हमास के हवाई अभियान के प्रमुख समर अबू दक्का की मौत हो गई। बयान के अनुसार, अबू दक्का कई ड्रोन हमलों में शामिल था और हमास के हवाई अभियान में केंद्रीय भूमिका निभाता था। पिछले साल एरियल यूनिट प्रमुख असिम अबू रकाबा के मारे जाने के बाद दक्का को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इजरायली सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि अबू दक्का 7 अक्टूबर, 2023 को इजरायल के खिलाफ हुए हमले में भी शामिल था। कथित तौर पर उसने दक्षिणी इजरायल में हमास के पैराग्लाइडर और ड्रोन अटैक यूनिट टीम को लीड किया था। उस अचानक हुए अटैक में 1,200 मौतें हुई थीं। जिसके बाद गाजा में जंग के हालात बने। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को एक बयान में जानकारी दी है कि गाजा पर इजरायली हमलों में अब तक 42,289 फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

आर्थिक विकास में चीन और अमेरिका से आगे निकल जाएगा भारत-यूएसआईएसपीएफ अध्यक्ष

वाशिंगटन/ नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष जॉन चैंबर्स ने सोमवार को दावा किया कि भारत प्रमुख आर्थिक मापदंडों में चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका से आगे निकल जाएगा। नई दिल्ली में यूएसआईएसपीएफ द्वारा आयोजित वार्षिक भारत नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2024 में बोलते हुए, चैंबर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक प्रगति की तेज गति की तारीफ की। चैंबर्स ने कहा, महत्वपूर्ण क्षण वह था जब राष्ट्रपति बाइडेन और प्रधानमंत्री मोदी ने वाशिंगटन में मुलाकात की और घोषणा की कि यह अब तक की सबसे रणनीतिक साझेदारी है। यूएसआईएसपीएफ अध्यक्ष ने कहा, जीडीपी प्रति व्यक्ति आय वृद्धि के मामले में भारत चीन से लगभग 100 प्रतिशत और अमेरिका से 33 प्रतिशत बड़ा होगा। यहां जीवन स्तर और समग्र विकास दुनिया के किसी भी अन्य देश से आगे निकल जाएगा। चैंबर्स ने जोर देते हुए कहा, यह भारत की सदी है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका के साथ मिलकर व्यापार, सरकार, शिक्षा जगत के लीडर्स के साथ काम करके भारत वैश्विक विकास के लिए एक मॉडल बन सकता है। यूएसआईएसपीएफ अध्यक्ष ने आगे भविष्यवाणी की कि मजबूत अमेरिकी-भारत साझेदारी के माध्यम से, हम संभावित रूप से भारत की जीडीपी वृद्धि को दो प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ा सकते हैं और अमेरिकी जीडीपी वृद्धि को एक प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं। यूएसआईएसपीएफ शिखर सम्मेलन प्रधानमंत्री मोदी की संयुक्त राज्य अमेरिका की सफल यात्रा के बाद हो रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करना, सप्लाई चेन को बढ़ावा देना, सेमीकंडक्टर निवेश, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नेक्स्ट जेनरेशन टेक्नोलॉजी सहयोग को बढ़ावा देना है।

श्रीलंका में बारिश का कहर, तीन लोगों की मौत

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में भारी बारिश के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने बताया कि मौसम की खराब स्थिति के कारण श्रीलंका में सोमवार सुबह तक तीन लोगों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, डीएमसी ने कहा कि श्रीलंका में सात अक्टूबर से भारी बारिश शुरू हुई और सोमवार सुबह तक देश भर के 12 जिलों में बारिश से उत्पन्न आपदाओं के कारण 34,492 परिवारों के 134,484 लोग विस्थापित हुए हैं। श्रीलंका के सिंचाई विभाग ने पांच मुख्य नदियों के सात स्थानों पर बाढ़ की चेतावनी जारी की है। श्रीलंका के मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, साबरागमुवा, उत्तर-पश्चिमी और उत्तरी प्रांतों तथा गाले और मतारा जिलों में कुछ स्थानों पर 100 मिमी से अधिक भारी बारिश होने की संभावना है। बता दें कि इससे पहले खबर आई थी कि श्रीलंका में बारिश से जुड़ी घटनाओं जैसे बाढ़, तेज हवाएं, पेड़ गिरने और बिजली गिरने के कारण 22 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने बताया था कि सात अक्टूबर से शनिवार सुबह तक दक्षिण एशियाई देश के 11 जिलों में 5 हजार 348 परिवारों के 22 हजार 64 लोग विस्थापित हो चुके हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार, पानी से भरे धान के खेत में एक व्यक्ति डूब गए। बता दें कि इसी साल जून में श्रीलंका में बाढ़ और बारिश से संबंधी घटनाओं में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई थी और छह अन्य लापता बताए हो गए थे।

कनाडा एक ऐसा देश है जो कानून के शासन में निहित है, और हमारे नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है- जस्टिन ट्रूडो

ओटावा , एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि कनाडा कभी भी कनाडा की धरती पर कनाडाई नागरिकों को धमकाने और उनकी हत्या करने में विदेशी सरकारों की संलिप्तता को बर्दाश्त नहीं करेगा, उन्होंने इसे कनाडा की संप्रभुता का अस्वीकार्य उल्लंघन करार दिया. एक बयान में, ट्रूडो ने भारत सरकार से कनाडा सरकार के साथ सहयोग करने और अब तक साझा किए गए सबूतों की विश्वसनीयता और गंभीरता को पहचानने का आग्रह किया. विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि ट्रूडो ने सितंबर 2023 में कुछ आरोप लगाए हैं. हालांकि, कनाडा सरकार ने उनके कई अनुरोधों के बावजूद भारत सरकार के साथ एक भी सबूत साझा नहीं किया है. 14 अक्टूबर को जारी एक बयान में, ट्रूडो ने कहा कि कनाडा एक ऐसा देश है जो कानून के शासन में निहित है, और हमारे नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है. इसीलिए, जब हमारी कानून प्रवर्तन और खुफिया सेवाओं ने विश्वसनीय आरोपों की जांच शुरू की कि भारत सरकार के एजेंट कनाडा की धरती पर एक कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में सीधे तौर पर शामिल थे - तो हमने जवाब दिया. हमने भारत सरकार के साथ अपनी चिंताओं को साझा किया और उनसे इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर प्रकाश डालने के लिए हमारे साथ काम करने को कहा. साथ ही, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने कनाडाई लोगों को सुरक्षित रखने के लिए अपने पास मौजूद सभी साधनों का इस्तेमाल किया है. उन्होंने आगे कहा कि आज, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों को देखते हुए, हम कनाडाई लोगों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त कदम उठा रहे हैं. उन्होंने आरसीएमपी आयुक्त माइक डुहामे के पिछले बयान के बारे में बात की, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि कनाडा के पास सबूत हैं कि भारतीय सरकार के एजेंट ऐसी गतिविधियों में शामिल हैं और लगे हुए हैं जो सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करती हैं, जिसमें गुप्त सूचना एकत्र करने की तकनीक, दक्षिण एशियाई कनाडाई लोगों को लक्षित करने वाला बलपूर्वक व्यवहार और हत्या सहित एक दर्जन से अधिक धमकी भरे और हिंसक कृत्यों में शामिल होना शामिल है और उन्होंने इन कार्रवाइयों को अस्वीकार्य करार दिया. ट्रूडो ने कहा कि जबकि आरसीएमपी और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों ने इस मामले पर भारत सरकार और भारतीय कानून प्रवर्तन समकक्षों के साथ काम करने का प्रयास किया है, उन्हें बार-बार मना कर दिया गया है. यही कारण है कि, इस सप्ताहांत, कनाडाई अधिकारियों ने एक असाधारण कदम उठाया. उन्होंने आरसीएमपी साक्ष्य साझा करने के लिए भारतीय अधिकारियों से मुलाकात की, जिसमें निष्कर्ष निकाला गया कि भारत सरकार के छह एजेंट आपराधिक गतिविधियों में रुचि रखने वाले व्यक्ति हैं. भारत सरकार से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद, उन्होंने सहयोग नहीं करने का फैसला किया है. यह देखते हुए कि भारत सरकार अभी भी सहयोग करने से इनकार कर रही है, मेरे सहयोगी, विदेश मंत्री, मेलानी जोली के पास केवल एक ही विकल्प था. आज, उन्होंने इन छह व्यक्तियों के लिए निर्वासन नोटिस जारी किया. उन्हें कनाडा छोड़ना होगा, उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने कहा कि ये छह व्यक्ति अब कनाडा में राजनयिक के रूप में कार्य नहीं कर पाएंगे या कनाडा में फिर से प्रवेश नहीं कर पाएंगे. उन्होंने कहा कि आरसीएमपी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और कनाडा में सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा बनी रहने वाली आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए यह आवश्यक है. उन्होंने जोर देकर कहा कि कनाडा सरकार सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण रूप से कनाडाई लोगों के अपने देश में सुरक्षित महसूस करने के अधिकार के लिए खड़ी होगी. उन्होंने कहा कि हम कनाडा की धरती पर कनाडाई नागरिकों को धमकाने और मारने में किसी विदेशी सरकार की संलिप्तता को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे - यह कनाडा की संप्रभुता और अंतर्राष्ट्रीय कानून का गहरा अस्वीकार्य उल्लंघन है. कनाडा ने 13 अक्टूबर को एक राजनयिक विज्ञप्ति में सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की 2023 में हत्या में भारतीय उच्चायुक्त की संलिप्तता का आरोप लगाया. भारत के विदेश मंत्रालय ने 14 अक्टूबर को कनाडा के आरोपों को बेतुका आरोप बताया और तर्क दिया कि यह मामला ट्रूडो सरकार के घरेलू मोर्चे पर सामने आ रही राजनीतिक चुनौतियों से जुड़ा है।

ईरान का इजराइल पर हमला करना पड़ा भारी, ब्रिटेन ने लगाया कड़ा प्रतिबंध

लंदन, एजेंसी। ईरान का इजराइल के खिलाफ हमला करना भारी पड़ा. ब्रिटेन ने इरान पर कई सख्त प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है. इसके तहत ब्रिटेन ने ईरान के सैन्य अफसरों और स्पेस एजेंसी पर बैन लगाया है. विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि बार-बार चेतावनी के बावजूद ईरान और उसके सहयोगियों की खतरनाक कृत्यों से मिडल ईस्ट में तनाव और बढ़े हैं. ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने सोमवार को कहा कि एक अक्टूबर को इजराइल पर ईरान के हमले के बाद उसके सैनिकों, रक्षा संगठनों और अंतरिक्ष अभियानों से जुड़े संगठनों पर बैन लगाए गए हैं. नये प्रतिबंधों का लक्ष्य ईरान की सेना, वायु सेना तथा बैलिस्टिक एवं क्रूज मिसाइल विकास से जुड़े संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी हैं.

मिसाइल बनाने से जुड़े संगठन पर बैन : ब्रिटेन ने क्रूज मिसाइल में इस्तेमाल किए जाने वाले हिस्सों और डिजाइन बनाने का काम करने वाले संगठन फरजानेगन प्रोपल्शन सिस्टम डिजाइन ब्यूरो पर भी प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है. इसके अलावा ईरानी अंतरिक्ष एजेंसी पर भी प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है. ये बैलेस्टिक मिसाइल तैयार करने में तकनीकी सहायता करती है. विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि ईरान और उसके समर्थक मिडल ईस्ट में तनाव को बढ़ावा रहे हैं. उन्होंने बयान में कहा कि इजराइल पर उसके बैलिस्टिक मिसाइलों के हमले के बाद हम ईरान को जवाबदेह ठहरा रहे हैं. इन कृत्यों में मदद करने वालों को बेनकाब कर रहे हैं. ईरान अपने सहयोगियों और भागीदारों के साथ अस्वीकार्य धमकियां दे रहा है. इसके खिलाफ पूरे क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए दबाव बनाने के लिए आवश्यक उपाय करना जारी रखेंगे।

अमेरिकी अस्पतालों में मेडिकल प्रोडक्ट्स की कमी, तूफान मिल्टन की वजह से सप्लाई चेन बाधित

सैक्रामेंटो, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका में हेल्थ केयर प्रोवाइडर को मेडिकल प्रोडक्ट्स की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। तूफान हेलेन और मिल्टन ने इंट्रावेनस (आईवी) फ्लुइड्स की सप्लाई चेन को गंभीर रूप से बाधित कर दिया है। अमेरिका में सबसे बड़े अस्पताल-बेस्ड रिसर्च एंटरप्राइज, मास जनरल ब्रिघम ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह रविवार से कम से कम बुधवार तक गैर-आपातकालीन, वैकल्पिक प्रक्रियाओं को स्थगित कर देगा। इसने कहा कि यह साफ नहीं है कि आईवी फ्लुइड्स की आपूर्ति कब सुधरेगी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हेल्थकेयर लॉजिस्टिक्स कंपनी प्रीमियर इंक की तरफ से गुरुवार को जारी एक सर्वे के अनुसार, देश भर में 86 फीसदी से अधिक हेल्थ केयर प्रोवाइडर आईवी फ्लुइड्स की कमी का सामना कर रहे हैं। यह स्थिति तब शुरू हुई जब पिछले महीने के अंत में तूफान हेलेन ने उत्तरी कैरोलिना में बैक्सटर आईवी प्लांट को नुकसान पहुंचाया। इससे देश की 60 फीसदी आईवी सॉल्यूशन सप्लाई निकट भविष्य के लिए ऑफलाइन हो गई। अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री जेवियर बेसेरा ने 9 अक्टूबर को स्वास्थ्य सेवा नेताओं को लिखे पत्र में कहा कि आने वाले हफ्तों में सप्लाई बाधित रह सकती है और तूफान मिल्टन पहले से ही कमजोर बाजार को और अधिक बाधित कर सकता है।

ताइवान की सीमा में घुसे 14 युद्धपोत और 153 विमान, मध्य रेखा के साथ ही चीन ने पार की हद

ताइपे, एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। बीजिंग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एक बार फिर चीनी सेना ने ताइवान की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की। हालांकि, ताइवान की सेना ने भी इसका जवाब दिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के विमान, नौसैनिक पोत और जहाज ताइवान की सीमा के करीब देखे गए।

इतने विमान दिखाई दिए : ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने बताया कि मंगलवार सुबह छह बजे ताइवान के आसपास चीनी 14 नौसैनिक पोत और 12 आधिकारिक जहाज देखे गए। जबकि 153 सैन्य विमानों को उड़ान भरते देखा गया। सेना ने बताया कि 153 विमानों में से 111 ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश किया। बता दें चीन और ताइवान के बीच यह जल संधि एक अनौपचारिक सीमा है। इसके जवाब में ताइवान ने चीन की गतिविधि की निगरानी के लिए विमान, नौसैनिक जहाजों और वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों को तैनात किया। एमएनडी ने यह जानकारी सोशल मीडिया मंच एक्स पर दी।

हम स्थिति पर नजर रखे हुए- एमएनडी : ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, आज सुबह 153 विमान , 14 पोत और 12 जहाज ताइवान के आसपास नजर आए। 111 विमानों ने ताइवान स्ट्रेट की

मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिणपूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश किया। हम स्थिति पर नजर बनाए रखे हुए हैं।

क्या है ग्रे जोन रणनीति : गौरतलब है चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को संप्रभु राष्ट्र मानता है। अब तक चीन ने सीधे ताइवान पर आक्रमण नहीं किया है, लेकिन वो ये सब कुछग्रे जोन में करता है। ये चीन की सेना का एक पैंतरा है, जिससे वो सीधे युद्ध तो नहीं करती लेकिन ये शक्ति प्रदर्शन करती है। ग्रे जोन का मतलब है कि कोई देश सीधा हमला नहीं करता है लेकिन इस तरह का डर हमेशा बनाए रखता है। सीधे सैन्य कार्रवाई की जगह, ऐसी कई चीजें होती रहती हैं, जिनसे हमले का डर बना रहता है। ताइवान के साथ चीन यही कर रहा है। चीन सितंबर 2020 से ग्रे जोन रणनीति का अधिक बार उपयोग कर रहा है। जानकारों का कहना है कि ग्रे जोन युद्ध रणनीति दरअसल, एक तरीका है, जिससे लंबी अवधि में धीरे-धीरे प्रतिद्वंद्वी को कमजोर कर दिया जाता है और चीन ताइवान के साथ ठीक यही करने की कोशिश कर रहा है।

सनकी किंग किम जोंग उन ने द. कोरिया पर निकाला गुस्सा, अंतर-कोरियाई सारी सड़कें उड़ा दीं

प्योंगप्यांग, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के सनकी किंग किम जोंग उन ने कहा कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को अंतर-कोरिया सड़कों के उन उत्तरी हिस्सों को उड़ा दिया है जो अब उपयोग में नहीं हैं। दक्षिण कोरिया द्वारा उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के ऊपर ड्रोन उड़ाए जाने के उसके दावे के बाद दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को सड़कों के कुछ हिस्सों को उड़ा दिया। इसमें कहा गया है कि दक्षिण कोरियाई सेना अपनी तैयारी और निगरानी बढ़ा रही है लेकिन उसने और कोई जानकारी नहीं दी। इस कार्रवाई से एक दिन पहले उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपने शीर्ष सैन्य और सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक बैठक बुलायी थी। बैठक में किम ने दक्षिण कोरिया द्वारा कथित तौर पर ड्रोन भेजे जाने को ''दुश्मन का गंभीर उकसावे वाला कदम बताया। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया द्वारा फिर से ड्रोन भेजे जाने पर उस पर हमले शुरू करने के लिए अपनी सैन्य इकाइयों को तैयार रहने के

लिए कहा था। दक्षिण कोरिया ने ड्रोन भेजे जाने की पुष्टि करने से इनकार कर दिया लेकिन चेतावनी दी थी कि अगर उसके नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डाला गया तो उत्तर कोरिया को इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। अंतर कोरियाई सड़कों को नष्ट करने की कार्रवाई, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की दक्षिण कोरिया के साथ संबंध समाप्त करने तथा उसे औपचारिक रूप से अपने देश का प्रमुख शत्रु घोषित करने की उनकी कोशिश के अनुरूप होगी। साल 2000 में अंतर-कोरियाई संबंधों में नरमी के दौरान दोनों देशों ने भारी किलेबंदी वाली अपनी सीमा को दो सड़क मार्गों और दो रेल पटरियों से फिर से जोड़ा था। लेकिन उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम और अन्य मुद्दों को लेकर बाद में उनका संचालन निलंबित कर दिया गया था। पिछले सप्ताह उत्तर कोरिया ने कहा था कि वह दक्षिण कोरिया के साथ अपनी सीमा को स्थायी रूप से अवरुद्ध कर देगा और दक्षिण कोरियाई व अमेरिकी सेनाओं की ''उकसावे वाली कार्रवाई से निपटने के लिए अग्रिम पंक्ति पर रक्षा क्षमताओं का विकास करेगा।

कनाडाई पत्रकार बोर्डमैन ने कहा कि कनाडा में विश्वसनीय नहीं रहे जस्टिन ट्रूडो

ओटावा, एजेंसी। भारत और कनाडा के बीच बढ़ते तनाव के बीच कनाडाई पत्रकार डैनियल बोर्डमैन ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की विश्वसनीयता और नेतृत्व में बढ़ते भरोसे की कमी की ओर इशारा किया है. बोर्डमैन ने भारत सरकार की ओर से अपने उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों को वापस बुलाने के फैसले को दोनों देशों के बीच बढ़ती दरार का स्पष्ट संकेत बताया. उन्होंने कहा कि कनाडा में कुछ खालिस्तानी सरकारी सिस्टम के भीतर कुछ तत्व हैं, वे इस पर पूरी तरह से हावी हैं. खालिस्तानी तत्व पूरी तरह से हमलावर हैं. वे इसे पूरी जीत के रूप में ले रहे हैं और भारत पर हमला कर रहे हैं. उन्होंने कनाडाई लोगों के बीच आम भावना पर भी टिप्पणी की, इस बात पर जोर देते हुए कि अधिकांश कनाडाई लोग ट्रूडो के तरीके से निराश हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि कनाडा के अधिकांश लोग इस सरकार से बेहद तंग आ चुके हैं. वे संस्थाओं पर भरोसा नहीं करते, मीडिया को विश्वसनीय नहीं मानते, जस्टिन ट्रूडो को विश्वसनीय नहीं मानते. बहुत से कनाडाई इसे देखकर कंधे उचका देंगे और शायद भारत का पक्ष भी लेंगे. उन्होंने कहा कि भारत-कनाडा संबंधों की वर्तमान स्थिति क्रायोस्टेसिस जैसी होगी. मुझे लगता है कि भारतीयों ने कनाडा को तब तक क्रायो पॉड में डाल दिया है जब तक कि हमें नई सरकार नहीं मिल जाती. उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार ट्रूडो

को एक उचित नेता के रूप में नहीं देखती है. उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वे जस्टिन ट्रूडो को एक उचित अभिनेता के रूप में देखते हैं. मुझे नहीं लगता कि जब भारत की बात आती है तो वे उचित अभिनेता हैं, खासकर जब उनका समर्थन जगमीत सिंह द्वारा किया जाता है, जो खुले तौर पर शत्रुतापूर्ण हैं. बोर्डमैन ने भविष्यवाणी की कि यदि सरकार में बदलाव जल्दी नहीं होता है तो राजनयिक ठहराव कम से कम एक और वर्ष तक जारी रह सकता है. उन्होंने सुझाव दिया कि यदि चुनाव होते हैं, तो नई सरकार भारत के साथ संबंधों के लिए एक अलग दृष्टिकोण अपना सकती है. उन्होंने कहा कि फिलहाल अगले एक साल तक संबंधों में सुधार की कोई गुंजाइश नजर नहीं आती है. उन्होंने कहा कि एक साल बाद यहां सरकार बदलने की संभावना है. नई सरकार आतंकवाद विरोधी और भारत समर्थक हो सकती है।

हांगकांग में बदहाली के दुकानों और 1000 रेस्तरां पर लटका ताला

विक्टोरिया, एजेंसी। हवाई कंपनियां हांगकांग के लिए पर्यटकों को छूट दे रही हैं। वहां पर्यटकों के लिए ड्रोन और दूसरे एअर शो हो रहे हैं। हांगकांग ने सैकड़ों सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स को अपने यहां आमंत्रित किया है कि वे आकर देश की खूबसूरती देखें और इसकी कहानी बताएं। इसके बावजूद हांगकांग को पर्यटक नहीं मिल रहे, तो यह आश्चर्य की ही बात है।

दरअसल, एक समय पर्यटन व्यवसाय ही हांगकांग की आर्थिक ताकत था। लेकिन कोविड और राजनीतिक उथल-पुथल के कारण वहां पर्यटकों की संख्या जो घटी, उसमें अब भी वृद्धि नहीं हो पा रही। हांगकांग के लिए परेशानी की बात यह भी है कि थाईलैंड, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे दूसरे एशियाई देशों में पर्यटकों का आंकड़ा कोविड से पहले के स्तर पर आ गया है। लंबे समय से पर्यटकों की कमी के कारण हांगकांग की छोटी-छोटी असंख्य दुकानें और रेस्तरां बंद हो गए हैं। जबकि बड़े होटलों में किसी भी समय दर्जनों कमरे खाली पाए जाते हैं।

ग्राहकों की कमी से छोटी दुकानों और रेस्तरां को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। मार्च से अगस्त के बीच देश में लगभग 1,000 रेस्तरां बंद हो गए हैं। वर्ष 2019 में चीन के वर्चस्ववाद के खिलाफ हांगकांग में हुए जनांदोलन के कारण पर्यटन उद्योग पर प्रतिकूल असर पड़ा। क्रिस्टिन चुंग हांगकांग की इस बदहाली के कई कारण बताए जा रहे हैं। वर्ष 2019 में चीन के वर्चस्ववाद के खिलाफ हांगकांग में हुए जनांदोलन के कारण पर्यटन उद्योग पर प्रतिकूल असर पड़ा। उस साल के उत्तरार्ध में वहां पर्यटकों के आंकड़े में 2018 की तुलना में 40 फीसदी

की कमी आ गई। वर्ष 2020 में कोविड से निपटने के लिए हांगकांग ने अपनी सीमाएं सील कर दी थीं। और अब भारी संख्या में विदेशी नागरिकों और कंपनियों के बाहर निकल जाने से लंबे समय से वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में हांगकांग की जो छवि बनी थी, उसे धक्का लगा है। और सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चीन में खाना और शॉपिंग करना महंगा होने के कारण हांगकांग के स्थानीय लोग शॉपिंग करने और यहां तक कि भोजन करने तक के लिए सीमा पार कर चीन पहुंच रहे हैं। ग्राहकों की कमी से छोटी दुकानों और रेस्तरा को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। हांगकांग फेडरेशन ऑफ रेस्टोरेंट्स ऐंड रिलेटेड ट्रेड्स के प्रमुख सिमॉन वांग का-वो के अनुसार, ग्राहकों के अभाव में मार्च से अगस्त के बीच देश में लगभग 1,000 रेस्तरां बंद हो गए हैं।

जम्हूरियत को बेचने में लगे हैं भाजपा और चुनाव आयोग : झामुमो

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा(झामुमो) के महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने हेमंत सरकार के पिछले पांच साल के कार्यकाल की उपलब्धियां और चुनौतियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब 2019 के चुनाव में बहुमत लाकर सरकार में आए तो कोरोना से उनका स्वागत हुआ। दो साल कोरोना की लड़ाई में बीत गए। जब इससे बाहर आए तो फिर सरकार को गिराने की साजिश शुरू हो गई लेकिन एक-एक कर हर चीज से निपटने में सरकार सफल साबित हुई। अब चुनाव की घोषणा हो गई है फिर से चुनावी मैदान में जाना है।

भट्टाचार्य बुधवार को पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड में सरकार ने युवाओं और छात्रों के लेकर काम किया है। अब चुनाव में इन उपलब्धियों को लेकर जनता के पास जायेंगे। उन्होंने कहा कि पहले हरियाणा का चुनाव महाराष्ट्र के साथ होता था लेकिन इस बार हरियाणा में अकेले चुनाव कराया गया और झारखंड महाराष्ट्र एक साथ हो रहा है। यह बताने को काफी है कि किसके इशारे पर चुनाव आयोग कम कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक फिल्म आई थी बंटी और बबली। इसमें ताजमहल को बेचा था। ऐसे ही बंटी और बबली भाजपा और चुनाव आयोग हो गये हैं, जो जम्हूरियत को बेचने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 43 सीटों पर ही चुनाव की घोषणा क्यों हुई, 47 भी हो सकती थी। इसमें मांडू और रामगढ़ और खिजरी का नाम नहीं है।

सुप्रियो ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना छोड़ो बेकार की बातें। उन्होंने कहा कि इस दौरान मुस्कुराहट ही बता रही थी कि कुछ तो घपला घोटाला होने वाला है। उन्होंने कहा कि मांडू दो जिले में आता है। रामगढ़ और हजारीबाग। रामगढ़ में खड़े होकर रांची को प्रभावित करने का काम भाजपा के नेता करेंगे। एक साजिश के तहत किया गया है कि एक विधानसभा 13 तारीख को और दूसरा बगल की ही जो सीट है उसे 20 तारीख को दूसरे चरण में रखा गया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में ईवीएम में खेल हुआ है। हरियाणा चुनाव के परिणाम चीख-चीख कर बता रहे हैं कि चुनाव निष्पक्ष नहीं हुआ है। आखिर ये भाजपा और चुनाव आयोग पूरा खेल खेलने में लगे। चुनाव को कैसे हाईजेक किया जाये, इसकी पटकथा पहले असम सरकार के भवन में लिखी गई। इसके बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित कार्यालय में अनुमोदन हुआ और फिर उसे पास चुनाव आयोग ने किया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एक निष्पक्ष तंत्र है लेकिन भाजपा ने इसे गुलाम बना लिया। उन्होंने सवाल किया कि आखिर एक ही जिले में अलग-अलग चरण में चुनाव क्यों रखा गया।

संक्षिप्त खबरें

एसीबी ने देवघर सिविल सर्जन का घूस लेते किया गिरफ्तार

देवघर(बिभा) : एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने देवघर के सिविल सर्जन को रंगे हाथ 70 हजार घूस लेते गिरफ्तार किया है. दुमका एसीबी की टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए बेला बागान स्थित आवास से सिविल सर्जन को गिरफ्तार किया. जानकारी के मुताबिक, सिविल सर्जन ने अस्पताल से जुड़े एक काम की रिपोर्ट देने नाम पर घूस की मांग की थी. लेकिन वादी घूस देने को तैयार नहीं था. इसके बाद वादी ने एसीबी से इसकी शिकायत की थी. एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया तो घूस मांगे जाने की बात सही पायी गयी. इसके बाद एसीबी ने सिविल सर्जन को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम सिविल सर्जन को अपने साथ दुमका लेकर चली गयी.

सीसीएल के ढोरी क्षेत्र में शिकायत निवारण शिविर आयोजित

रांची(बिभा) : स्पेशल कैंपेन 4.0 के तहत ढोरी क्षेत्र में 16 अक्टूबर 2024 को सुबह 11:00 बजे एक शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में PXI , बीएंडके, कथारा और गिरिडीह क्षेत्रों के कर्मचारियों और हितधारकों की शिकायतों का संयुक्त रूप से निवारण किया गया।शिविर का आयोजन ढोरी क्षेत्र में हुआ, जहाँ ढोरी,कथारा, बीएंडके और गिरिडीह से आए प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कुल 50 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिन्हें वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सुना गया और उनका समाधान करने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर एन.सी. झा, महाप्रबंधक सीएमसी, ए.के. मलिक, मुख्य प्रबंधक (पी) समाधान, रंजय सिन्हा, जीएम ढोरी के साथ साथ ढोरी, बीएंडके, कथारा के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इसके अलावा, यूनियन प्रतिनिधि और मीडिया कर्मी भी शिविर में उपस्थित रहे । यह शिकायत निवारण शिविर सीसीएल के स्पेशल कैंपेन 4.0 का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों और हितधारकों को शिकायत निवारण प्रक्रिया एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और उनकी समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित करना है। यह पहल सीसीएल की अपने कर्मचारियों और हितधारकों के प्रति उत्तरदायित्व और एक स्वस्थ, सक्रिय एवं प्रभावी कार्य वातावरण को बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जिले के विभिन्न विद्यालयों में स्वीप के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया

दुमका : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे के निर्देश पर जिले के विभिन्न विद्यालयों में स्वीप के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस क्रम में स्वीप के तहत पेंटिंग प्रतियोगिता के माध्यम से मेरा वोट मेरा हक, वोट करेगा दुमका आओ मतदान करें, वोट फॉर झारखंड जैसे स्लोगनों के जरिए मतदाताओं को जागरूक किया गया। इस दौरान स्वीप के तहत विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियों के जरिए सभी को मतदान का महत्व समझाया गया एवं बच्चों को परिजनों एवं अन्य रिश्तेदारों को 20 नवम्बर 2024 अपने अपने मतदान केंद्र में जाकर वोट करने हेतु अपील किया गया।

तीन दिवसीय राज्यस्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता कर शुभारंभ

बिभा संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिला टेबल टेनिस संघ के मेजबानी में आयोजित 24वीं राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का उद्घाटन बुधवार को जिला मुख्यालय के नवादा मोड़ स्थित बंधन मैरिज हॉल में किया गया। इसके साथ ही टी.टी. की दुनिया में बादशाहियत की खोज शुरू हो गई। इस क्षेत्र में महारथ हासिल करने के लिए झारखंड के 142 खिलाड़ी अपनी कलाई और दिमाग का जोर आजमाइश कर रहे हैं।

प्रतियोगित का उद्घाटन संघ के संरक्षक अलख नाथ पांडेय, झारखंड टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष सेबल गुप्ता, सुप्रसिद्ध युवा सर्जन डॉ कुमार निशांत, अध्यक्ष मदन प्रसाद केशरी, सचिव आनंद सिन्हा,सिस्टर रोशना, संजय सोनी, सुशील केशरी, नंद कुमार गुप्ता, ललन सोनी, रविन्द्र जयसवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इस मौके पर संरक्षक अलख नाथ पांडेय ने कहा कि

खेलों में हार जीत आम बात है। अनुशासित खिलाड़ी हर हार से सबक लेकर जीत की ओर अग्रसर होते रहते हैं। आप सभी अनुशासन दिखाते हुए अपने खेल का शत प्रतिशत प्रदर्शन करें। विशिष्ट अतिथि डॉ कुमार निशांत ने कहा कि गढ़वा जिला टेबल टेनिस संघ तीन साल के अंदर दूसरी बार प्रतियोगिता आयोजित कर रही है इसके लिए उन्हें बहुत-बहुत बधाई देता हूं। खेल के विकास के लिए संघ लगातार प्रयासरत है। खेल में हार-जीत से ज्यादा महत्वपूर्ण खेल भावना और खेलना जरूरी है। अध्यक्ष मदन प्रसाद केशरी स्वागत भाषण देते हुए कहा कि गढ़वा जिला ने टेबल टेनिस के क्षेत्र में ओलंपिक खेलने का सपना देखा है और यह सपना झारखंड टेबल टेनिस संघ अपने खिलाड़ियों के बदौलत पूरा करने का प्रयास करेगा। सचिव आनंद सिन्हा ने कहा कि गढ़वा जिले को तीसरी बार राज्य का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है और यह प्रतियोगिता गढ़वा जिला सभी के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न करेगा। इस प्रतियोगिता में राज्य के 10 जिले के विभिन्न आयु वर्ग में 142 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। जिसमें 91 बालक और 52 बालिकाएं शामिल हैं। इस मौके पर झारखंड राज्य टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष शैबाल गुप्ता, गढ़वा जिला टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, दीपक, ललन सोनी, अशोक कुमार दुबे, मुजीबुद्दीन खान, सह सचिव प्रिंस सोनी, रामाशंकर सिंह अभय कुमार, संजय सिंह, आमोद कुमार पाण्डेय,अजय कुमार ठाकुर, पलामू जिला टेबल टेनिस संघ के सचिव नवनीत सुंदरम, प्रवीण मिश्रा सहित कई लोग शामिल थे।

उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन कोषाध्यक्ष कमलेश कुमार दुबे ने किया।

महिला वर्ग के पहले सेमीफाइनल में पूर्वी सिंहभूम ने धनबाद को 3-0 से तथा महिला वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में गढ़वा ने रांची को 3-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाऐं वहीं जूनियर बालक वर्ग में गढ़वा ने पूर्वी सिंहभूम को 3-0 से तथा रांची ने बोकारो को 3-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कियो बालिका वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में रांची में गढ़वा को3-1 से जबकि पूर्वी सिंहभूम ने बोकारो के अनुपस्थिति में फाइनल में प्रवेश कियो समाचार लिखे जाने तक पुरुष वर्ग का सेमीफाइनल गढ़वा का रांची के साथ तथा पूर्वी सिंहभूम का हजारीबाग के साथ चल रहा था।

उपायुक्त ने आम चुनाव को लेकर गठित कोषांग के वरीय पदाधिकारियों संग की बैठक दिए कई आवश्यक निर्देश

बिभा संवाददाता

दुमका : भारत निर्वाचन आयोग द्वारा झारखंड में विधान सभा आम चुनाव-2024 की घोषणा दिनांक-15.10.2024 को कर दी गई है तथा घोषणा की तिथि से ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने समाहरणालय सभागार में विधानसभा आम चुनाव-2024 को लेकर गठित कोषांग के वरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक की एवं कई आवश्यक निदेश भी दिया।

उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में यानि 20 नवंबर को जिले में मतदान है इसे ध्यान में रखते हुए सभी कोषांग अपने कार्यों को ससमय पूर्ण कर लें।प्रशिक्षण कोषांग मतदान दल के प्रशिक्षण का कार्य पूर्ण कर लें।प्रशिक्षण के दौरान निश्चित रूप से ईवीएम जोड़ने,मॉक पोल सहित मतदान दिवस के दिन उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों की जानकारी दी जाय।जानकारी दी गयी कि 19 अक्टूबर से प्रशिक्षण का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अविलंब मेडिकल बोर्ड का भी गठन किया जाय ताकि मेडिकल बोर्ड के रिपोर्ट के आधार पर अपने आप को अस्वस्थ्य बताने वाले कर्मियों को विधानसभा आम चुनाव-2024 में ड्यूटी करने या ड्यूटी से छूट दिए जाने का फैसला लिया जा सके। उन्होंने कहा कि स्वीप कोषांग व्यापक प्रचार प्रसार कर 20 नवंबर को जिले के मतदाताओं को अपने घरों से निकलकर मतदान करने के लिए प्रेरित करें।लोकतंत्र के त्यौहार में हर एक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करे, इसे प्रचार प्रसार के माध्यम से सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने सामग्री कोषांग,एमसीएमसी कोषांग,वाहन कोषांग, एमसीसी कोषांग सहित अन्य कोषांग की समीक्षा की एवं आवश्यक निदेश दिए।

बाबूलाल मरांडी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखा पत्र

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखा है। पत्र में मरांडी ने मुख्य चुनाव आयुक्त से आग्रह किया है कि पंडरा ओपी में दर्ज प्राथमिकी की जांच सीबीआई से कराई जाए। पत्र में लिखा है कि कथित वकील सुजीत कुमार पर ईडी को मैसेज करने के नाम पर अफसरों से ठगी करने का आरोप लगाया गया है। पत्र में लिखा है कि जांच अधिकारी और जांच से जुड़े अन्य पुलिस अधिकारी इस मामले का उपयोग कई सरकारी अधिकारियों से भारी मात्रा में धन उगाही कर रहे हैं। वहीं, सरकारी अधिकारियों के निर्देश पर विपक्षी राजनीतिक दलों को फंसाने के लिए इस केस को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके पीछे सत्ता पक्ष के लोग काम कर रहे हैं। बाबूलाल ने पत्र में लिखा है कि ईडी के नाम पर धोखाधड़ी से जो राशि अर्जित की गई है, उसका इस्तेमाल चुनाव के लिए किया जा रहा है। कई सरकारी अफसर जांच के दायरे में हैं, उन्हें चुनाव के दौरान मतदान का प्रबंधन करने और चुनाव के दौरान उनके एजेंट के रूप में कार्य करने की धमकी दी जा रही है। इस मामले में पुलिस ने संजीव पांडे और वकील सुजीत कुमार को गिरफ्तार किया है। उन्हें विभिन्न थानों में छिपा कर रखा गया है। बाबूलाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त से आग्रह किया है कि पुलिस एसीबी से इस मामले को सीबीआइ में स्थानांतरित किया जाना चाहिए, ताकि चुनाव निष्पक्ष और उचित तरीके से हो सके।

कोहरे के कारण संरक्षा के मद्देनजर ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

बिभा संवाददाता

हाजीपुर : कोहरे के कारण संरक्षित रेल परिचालन को सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से दिनांक 01.12.24 से 28.02.25 तक कुछ ट्रेनों का परिचालन रद्द/आंशिक रूप से रद्द तथा कुछ ट्रेनों के परिचालन के दिनों में कमी की गयी है जिनका विवरण निम्नानुसार है -

पूर्णतः रद्द ट्रेनें

1. गाड़ी सं. 12538 प्रयागराज रामबाग-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस - 02.12.24 से 08.01.25 तक
2. गाड़ी सं. 12537 मुजफ्फरपुर-प्रयागराज रामबाग एक्सप्रेस- 02.12.24 से 08.01.25 तक
3. गाड़ी सं. 22198 वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी)-कोलकाता एक्स.- 06.12.24 से 10.01.25 तक
4. गाड़ी सं. 22197 कोलकाता-वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी) एक्स. - 08.12.24 से 12.01.25 तक
5. गाड़ी सं. 15903 डिब्रूगढ़-चंडीगढ़ एक्सप्रेस - 02.12.24 से 28.02.25 तक
6. गाड़ी सं. 15904 चंडीगढ-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस - 04.12.24 से 02.03.25 तक
7. गाड़ी सं. 15620 कामाख्या-गया एक्सप्रेस - 02.12.24 से 24.02.25 तक
8. गाड़ी सं. 15619 गया-कामाख्या एक्सप्रेस - 03.12.24 से 25.02.25 तक
9. गाड़ी सं. 15621 कामाख्या-आनंद विहार एक्सप्रेस - 05.12.24 से 27.02.25 तक
10. गाड़ी सं. 15622 आनंद विहार-कामाख्या एक्सप्रेस - 06.12.24 से 28.02.25 तक
11. गाड़ी सं. 12873 हटिया-आनंद विहार एक्सप्रेस - 02.12.24 से 09.01.25 तक
12. गाड़ी सं. 12874 आनंद विहार-हटिया एक्सप्रेस - 03.12.24 से 10.01.25 तक
13. गाड़ी सं. 22857 संतरागाछी-आनंद विहार एक्सप्रेस - 02.12.24 से 06.01.25 तक
14. गाड़ी सं. 22858 आनंद विहार-संतरागाछी एक्सप्रेस - 03.12.24 से 07.01.25 तक
15. गाड़ी सं. 18103 टाटा-अमृतसर एक्सप्रेस - 02.12.24 से 26.02.25 तक
16. गाड़ी सं. 18104 अमृतसर-टाटा एक्सप्रेस - 04.12.24 से 28.02.25 तक
17. गाड़ी सं. 14003 मालदा टाउन-नई दिल्ली एक्सप्रेस - 03.12.24 से 01.03.25 तक
18. गाड़ी सं. 14004 नई दिल्ली-मालदा टाउन एक्सप्रेस - 01.12.24 से 27.02.25 तक
19. गाड़ी सं. 14524 अम्बाला-बरौनी हरिहर एक्सप्रेस - 03.12.24 से 25.02.25 तक
20. गाड़ी सं. 14523 बरौनी-अम्बाला हरिहर एक्सप्रेस - 05.12.24 से 27.02.25 तक
21. गाड़ी सं. 14618 अमृतसर-पूर्णिया कोर्ट जनसेवा एक्सप्रेस - 01.12.24 से 28.02.25 तक
22. गाड़ी सं. 14617 पूर्णिया कोर्ट-अमृतसर जनसेवा एक्सप्रेस - 03.12.24 से 02.03.25 तक
23. गाड़ी सं. 12327 हावड़ा-देहरादून उपासना एक्सप्रेस - 03.12.24 से 28.02.25 तक
24. गाड़ी सं. 12328 देहरादून-हावड़ा उपासना एक्सप्रेस- 04.12.24 से 01.03.25 तक

(ख) परिचालन के दिनों में कमी कर के चलायी जाने वाली ट्रेनें

दिनांक 01.12.2024 से 28.02.2025 तक प्रारंभिक स्टेशन से खुलने वाली निम्नलिखित ट्रेनों का परिचालन उनके आगे अंकित दिन को रद्द रहेगा :-

1. गाड़ी सं. 11123 ग्वालियर-बरौनी एक्सप्रेस - प्रत्येक सोमवार एवं गुरूवार को रद्द
2. गाड़ी सं. 11124 बरौनी-ग्वालियर एक्सप्रेस- प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को रद्द
3. गाड़ी सं. 12988 अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस - प्रत्येक मंगल, गुरू एवं शनिवार को रद्द
4. गाड़ी सं. 12987 सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस - प्रत्येक बुध, शुक्र एवं रविवार को रद्द
5. गाड़ी सं. 12505 कामाख्या-आनंद विहार नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस - प्रत्येक रवि एवं बुधवार को रद्द
6. गाड़ी सं. 12506 आनंद विहार-कामाख्या नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस - प्रत्येक मंगल एवं शुक्रवार को रद्द
7. गाड़ी सं. 15483 अलीपुरद्वार-दिल्ली सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस - प्रत्येक बुध एवं शनिवार को रद्द
8. गाड़ी सं. 15484दिल्ली-अलीपुरद्वार सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस - प्रत्येक शुक्र एवं सोमवार को रद्द
9. गाड़ी सं. 12523 न्यू जलपाईगुड़ी-नई दिल्ली एक्सप्रेस - प्रत्येक मंगलवार को रद्द
10. गाड़ी सं. 12524 नई दिल्ली-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस - प्रत्येक बुधवार को रद्द
11. गाड़ी सं. 15909 डिब्रूगढ़-लालगढ़ अवध आसाम एक्सप्रेस - प्रत्येक शनिवार को रद्द
12. गाड़ी सं. 15910 लालगढ-डिब्रूगढ़. अवध आसाम एक्सप्रेस - प्रत्येक मंगलवार को रद्द
13. गाड़ी सं. 12529 पाटलिपुत्र-लखनऊ एक्सप्रेस - प्रत्येक सोम, मंगल एवं बुधवार को रद्द
14. गाड़ी सं. 12530 लखनऊ-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस - प्रत्येक सोम, मंगल एवं बुधवार को रद्द
15. गाड़ी सं. 15079 पाटलिपुत्र-गोरखपुर एक्सप्रेस - प्रत्येक रवि, सोम, बुध एवं शुक्रवार को रद्द
16. गाड़ी सं. 15080 गोरखपुर-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस - प्रत्येक रवि, सोम, बुध एवं शुक्रवार को रद्द
17. गाड़ी सं. 15074 टनकपुर-सिंगरौली त्रिवेणी एक्सप्रेस - प्रत्येक बुधवार को रद्द
18. गाड़ी सं. 15073 सिंगरौली-टनकपुर त्रिवेणी एक्सप्रेस - प्रत्येक गुरूवार को रद्द
19. गाड़ी सं. 15076 टनकपुर-शक्तिनगर त्रिवेणी एक्सप्रेस - प्रत्येक मंगल एवं शनिवार को रद्द
20. गाड़ी सं. 15075 शक्तिनगर-टनकपुर त्रिवेणी एक्सप्रेस - प्रत्येक बुध एवं रविवार को रद्द
21. गाड़ी सं. 22405 भागलपुर-आनंद विहार गरीबरथ एक्सप्रेस - प्रत्येक गुरूवार को रद्द
22. गाड़ी सं. 22406 आनंद विहार-भागलपुर गरीबरथ एक्सप्रेस - प्रत्येक बुधवार को रद्द
23. गाड़ी सं. 13019 हावड़ा-काठगोदाम एक्सप्रेस - प्रत्येक रविवार को रद्द
24. गाड़ी सं. 13020 काठगोदाम-हावड़ा एक्सप्रेस - प्रत्येक मंगलवार को रद्द

(ग) आंशिक रूप से रद्द ट्रेनें

1. गाड़ी सं. 12177 हावड़ा-मथुरा जं. चंबल एक्सप्रेस- 06.12.24 से 10.01.25 तक आगरा कैंट और मथुरा जं के बीच रद्द रहेगी ।
2. गाड़ी सं. 12178 मथुरा जं.-हावड़ा चंबल एक्सप्रेस- 02.12.24 से 06.01.25 तक मथुरा जं और आगरा कैंट के बीच रद्द रहेगी ।

जबलपुर मंडल पर चलने वाले नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण ट्रेनों के परिचालन में किया गया बदलाव

बिभा संवाददाता

धनबादः पश्चिम मध्य रेल में जबलपुर मंडल के गोंदवाली स्टेशन पर चलने वाले नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया जाएगा।

निरस्त की गयी ट्रेनें-

1. 11651 जबलपुर- सिंगरौली एक्सप्रेस 18.10.24 से 29.10.24 तक
2. 11652 सिंगरौली- जबलपुर एक्सप्रेस 19.10.24 से 30.10.24 तक
3. 22165 भोपाल- सिंगरौली ऊजार्धानी एक्सप्रेस 19.10.24, 22.10.24, 23.10.24, 26.10.24
4. 22166 सिंगरौली- भोपाल ऊजार्धानी एक्सप्रेस 22.10.24, 24.10.24, 25.10.24, 29.10.24
5. 22167 सिंगरौली- हजरत निजामुद्दीन ऊजार्धानी एक्सप्रेस 20.10.24, 23.10.24, 27.10.24
6. 22168 हजरत निजामुद्दीन-सिंगरौली ऊजार्धानी एक्सप्रेस 21.10.24, 24.10.24, 28.10.24

मार्ग परिवर्तित वाली ट्रेनें-

1. 19608 मदार - कोलकाता एक्सप्रेस कटनी मुड़वारा-सतना- प्रयागराज छिवकी- पं. दीन दयाल उपाध्याय- सोन नगर-गढ़वा रोड 21.10.24, 28.10.24
2. 19607 कोलकाता- मदार एक्सप्रेस गढ़वा रोड- सोन नगर- पं. दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज छिवकी- सतना- कटनी मुड़वारा 17.10.24, 24.10.24
3. 18009 संतरागाछी- अजमेर एक्सप्रेस गढ़वा रोड- सोन नगर- पं. दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज छिवकी- सतना- कटनी मुड़वारा 18.10.24, 25.10.24
4. 18010 अजमेर- संतरागाछी एक्सप्रेस कटनी मुड़वारा-सतना- प्रयागराज छिवकी- पं. दीन दयाल उपाध्याय- सोन नगर-गढ़वा रोड 20.10.24, 27.10.24
5. 13025 हावड़ा - भोपाल एक्सप्रेस गढ़वा रोड- सोन नगर- पं. दीन दयाल उपाध्याय- प्रयागराज छिवकी- सतना- कटनी मुड़वारा 21.10.24, 28.10.24
6. 13026 भोपाल- हावड़ा एक्सप्रेस कटनी मुड़वारा-सतना- प्रयागराज छिवकी- पं. दीन दयाल उपाध्याय- सोन नगर-गढ़वा रोड 23.10.24
7. 19413 अहमदाबाद-कोलकाता एक्सप्रेस कटनी मुड़वारा- सतना- प्रयागराज छिवकी- पं. दीन दयाल उपाध्याय-सोन नगर- गढ़वा रोड 23.10.24
8. 19414 कोलकाता-अहमदाबाद एक्सप्रेस गढ़वा रोड- सोन नगर-पं. दीन दयाल उपाध्याय- प्रयागराज छिवकी- सतना- कटनी मुड़वारा 19.10.24, 26.10.24

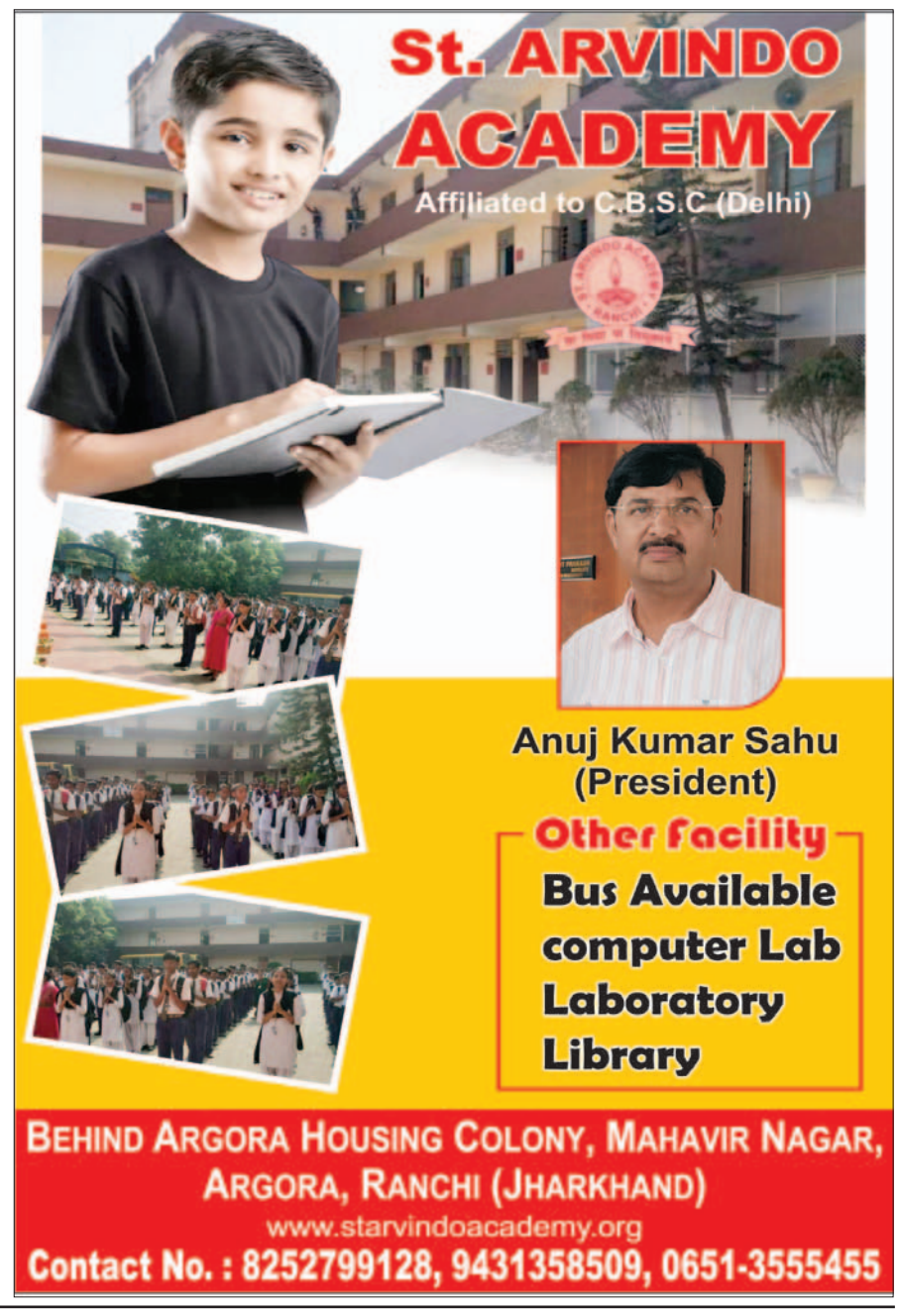

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com